शाहरुख खान के करियर की शुरूआत में मसीहा बने थे नाना पाटेकर, 'किंग खान' को जेल से निकाला था बाहर

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 32
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 282 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर रविवार 11 अक्टूबर 2026 | आश्विन शुक्ल 1 विक्रमी संवत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रूपया

PREMIUM HOMES
RESORTS
HOTELS
LAND DEVELOPMENTS

ROYAL
ANANDA
Building Legacies Together

ICONIC DEVELOPMENTS
TRUSTED LEGACY
EXCEPTIONAL LIVING
A BRIGHTER TOMORROW

A LEGACY OF LANDMARKS.
A FUTURE OF POSSIBILITIES.

Creating iconic destinations across DEHRADUN & MUZAFFARNAGAR.

01

ROYAL VILLAS
SOME ADDRESSES ARE DESTINED TO BECOME LEGACIES.
Exclusive 4 & 5 BHK Ultra-Luxurious Villas, where architectural grandeur meets refined living.
Dunga Road, Near New Mussoorie Bypass, Dehradun.

02

ULTRA-LUXURIOUS RESIDENCES
A HIGHER STANDARD OF LIVING. A FINE VIEW OF LIFE.
Elegant 2 & 3 BHK Ultra-Luxurious Residences, designed for those who appreciate the extraordinary.
Dunga Road, Near New Mussoorie Bypass, Dehradun.

03

NIRAMAYA PREMIER RESORTS
A NEW ICON OF LUXURY IS RISING.
Introducing Royal Ananda's 3rd Landmark Project in Dehradun — a distinguished resort destination amidst nature.
Naugaon, Manduwala, Dehradun.

04

DREAM CITY
ROYAL ANANDA - PHASE-II
A SUCCESSFUL LEGACY.
A NEW BEGINNING.
After the successful sale of Phase I, discovered a new opportunity to own Premium Residential Plots.
NH 334, Muzaffarnagar U.P.

05

ZONE CONNECT BY THE PARK
A NEW LANDMARK.
A ROYAL BEGINNING.
Introducing a premium 4-Star Hotel — Royal Anandas 4th Landmark Project in Dehradun.
Dunga Road, Near New Mussoorie Bypass, Dehradun.

FIVE LANDMARKS.
ONE ROYAL VISION.

BOOKINGS OPEN

Sanjeev Royal
Founder & Managing Director
Royal Ananda & Hilton InfraTech Pvt. Ltd.
Enquiries: +91 99270 22531
Muzaffarnagar Office : Near Radha Govind Tata Showroom,Nh-334
Corporate Office : Bhaouwala Dehradun

ROYAL ANANDA - BEYOND building into LEGACY

अनमोल वचन

आज से शारदीय नवरात्रि का प्रारम्भ हो रहा है जिसमें देवी दुर्गा की पूजा की जाती है। दुर्गा, पार्वती का दूसरा नाम है। हिन्दुओं के शाक्त सम्प्रदाय में भगवती दुर्गा को ही दुनिया की पराशक्ति और सर्वोच्च देवी माना जाता है। यह सम्प्रदाय ईश्वर को देवी के रूप में मानता है। वेदों में दुर्गा की कोई चर्चा नहीं, परन्तु परमेश्वर के अनेक नामों में एक नाम 'देवी' भी है। पुराणों में दुर्गा को आदिशक्ति माना गया है। पुराणों के अनुसार दुर्गा वास्तव में शिव की पत्नी पार्वती का ही एक रूप हैं। मुख्य रूप से उनका नाम गौरी है अर्थात शान्तभय, सुन्दर और गौर रूप। सच यह है कि वास्तव में हम परमात्म स्वरूप को ही देवी रूप में आराधते हैं। वही एक मात्र शक्ति हैं जो जगत की उत्पत्ति करती हैं, उसका पालन करती हैं और पापचार बढ़ने पर उसका संहार भी करती हैं। माँ दुर्गा के नवरात्रों में हम व्रत-उपवास भी रखते हैं, परन्तु ऐसा औपचारिकतावश न किया जाए क्योंकि यह श्रद्धा का विषय है। इसलिए जो भी करें पूरी श्रद्धा से करें, सच्चे मन से करें। मन-मन्दिर की सफाई का प्रण लें, एक-दूसरे का सम्मान करें, एक-दूसरे का सहारा बनें। ईर्ष्या-द्वेष को त्यागकर ऐसी पूजा करें जिससे हम श्रेष्ठ मानव बनें, सच्चे अर्थों में साधक बनें। अपना भला हो, समाज का भला हो, देश का भला हो, तभी आपके व्रतों का उद्देश्य पूरा होगा और माँ दुर्गा का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा।

बुढ़ाना में पुलिस मुठभेड़: टॉप-10 गोतस्कर दिलावर गोली लगने से घायल, साथी फरार

बसी रोड-चंदेड़ी रोड के जंगल में गोवंश को बांधते समय पुलिस से सामना, पुलिस पर फायरिंग का आरोप, जवाबी कार्रवाई में दिलावर घायल, तमंचा, कारतूस, स्विफ्ट कार, गोवंश और कटान के उपकरण बरामद

बुढ़ाना। बुढ़ाना क्षेत्र में गोवध की सूचना पर पहुंची पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, बसी रोड से चंदेड़ी रोड की ओर जंगल में गोवंश को बांध रहे दो आरोपियों ने पुलिस टीम को देखकर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर और टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल दिलावर गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी ईख के खेतों में घुसकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया। मौके से एक गोवंश, अवैध तमंचा, कारतूस, स्विफ्ट कार और गोवध में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, शनिवार को बुढ़ाना पुलिस खतौली तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बसी रोड से चंदेड़ी रोड की ओर जंगल में दो व्यक्ति एक गोवंश के साथ मौजूद हैं और गोवध करने की तैयारी में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस का दावा है कि वहां दो व्यक्ति गोवंश को रस्सी से बांध रहे थे। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देखकर दोनों आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन आरोपियों ने कथित तौर पर फायरिंग जारी रखी और भागने लगे। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की फायरिंग के बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दिलावर पुत्र कदीर निवासी ग्राम परासौली, थाना बुढ़ाना गोली लगने से घायल हो गया। उसका दूसरा साथी दिलशाद पुत्र मंजूर निवासी ग्राम पत्थरगढ़, थाना सनौली, जिला पानीपत, हरियाणा पास के ईख के खेत में घुसकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल दिलावर को हिरासत में लेकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं, फरार आरोपी की तलाश में खेतों और आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद मौके से एक अवैध तमंचा, 315 बोर का एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा एक गोवंश, एक स्विफ्ट कार और गोवध में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी कब्जे में लिए गए। बरामद उपकरणों में छुरा, दाब, लकड़ी का गुटका और रस्सी शामिल हैं। पुलिस बरामद सामान को मामले से संबंधित साक्ष्य के रूप में जांच में शामिल कर रही है। पुलिस के अनुसार, घायल अवस्था में गिरफ्तार दिलावर बुढ़ाना थाने का हिस्ट्रीशीटर है और थाने के टॉप-10 सक्रिय अपराधियों में शामिल है। पुलिस ने उसे गैंग डी-16 का सक्रिय सदस्य भी बताया है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, दिलावर के खिलाफ वर्ष 2015 से वर्ष 2026 तक विभिन्न मामलों में कुल 28 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। इनमें गोवध अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, गैंगस्टर अधिनियम, हत्या के प्रयास, चोरी और धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं से संबंधित मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ बुढ़ाना और फुगाना थानों के अलावा बागपत जिले के बिनौली थाने में भी मुकदमा दर्ज होने का उल्लेख पुलिस रिकॉर्ड में है। पुलिस ने बताया कि वर्तमान मामले में भी उसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 456/2026 दर्ज किया गया है। यहां उल्लेखनीय है कि मुकदमों का दर्ज होना अपने आप में किसी मामले में दोष सिद्ध होने के समान नहीं है। पुराने मामलों में उसकी वर्तमान कानूनी स्थिति अलग-अलग हो सकती है।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस ने इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 456/2026 भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) और 317(5), शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25/28 तथा गोवध निवारण से संबंधित कानून की धारा 3/5क/8 के तहत दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एसएसपी के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ अभियान

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह और थाना प्रभारी सुभाष अत्री के नेतृत्व में की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जनपद में अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के दौरान मिली सूचना पर बुढ़ाना पुलिस ने जंगल में कार्रवाई की। मुठभेड़ और गिरफ्तारी की कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक आशीष चौधरी, छविकांत और संदीप कुमार तथा मुख्य आरक्षी सुनील कुमार, अमरदीप, निर्वेश, अमित तेवतिया, नकुल सांगवान और अमित कुमार शामिल रहे। फिलहाल घायल दिलावर का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है, जबकि फरार दिलशाद की तलाश जारी है। पुलिस बरामदगी और दर्ज मुकदमे के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

कार बेचने के बाद चोरी की झूठी कहानी बताकर बीमा कंपनी से लाखों का दावा लेने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। कार को कबाड़ में बेचने के बाद उसके चोरी होने की सूचना देकर बीमा कंपनी से दावा राशि लेने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी के मुख्य प्रबंधक गौरव शर्मा की शिकायत पर मुजफ्फरनगर निवासी हरिओम कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हरिओम कुमार ने अपनी कार चोरी होने की गलत जानकारी देकर कंपनी से बीमा की रकम प्राप्त करने का प्रयास किया। कंपनी की ओर से कराई गई जांच में कार चोरी होने के बजाय दुर्घटनाग्रस्त होने और बाद में कबाड़ में बेचे जाने की बात सामने आने का दावा किया गया है। शिकायत के अनुसार, हरिओम कुमार मोहल्ला गौशाला, नदी रोड, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर ने अपनी टाटा टियागो कार का बीमा कराया था। कार का पंजीकरण नंबर बताया गया है। बीमा की अवधि 12 जुलाई 2025 से 11 जुलाई 2026 तक थी। आरोप है कि 30 मार्च 2026 को हरिओम कुमार ने कंपनी को सूचना दी कि उनकी कार घर के बाहर से चोरी हो गई है। इसके बाद उन्होंने बीमा दावा प्रस्तुत कर दिया।

कंपनी के मुख्य प्रबंधक गौरव शर्मा की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत में बताया गया कि कार चोरी होने की सूचना मिलने के बाद नियमानुसार मामले की जांच कराई गई। इसके लिए अखिल भारतीय दावा जांचकर्ताओं एवं आकलनकर्ताओं से जुड़े जांचकर्ता मुकेश माथुर को प्रकरण की पड़ताल की जिम्मेदारी दी गई। शिकायत के मुताबिक, हरिओम कुमार ने जांच के दौरान शपथपत्र देकर और मौखिक रूप से बताया कि उनकी कार मुजफ्फरनगर स्थित घर के बाहर से चोरी हुई थी। इसी आधार पर उन्होंने कंपनी से बीमा दावा प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

जांच रिपोर्ट में दुर्घटनाग्रस्त कार कबाड़ में बेचने का दावा

कंपनी की शिकायत में जांचकर्ता मुकेश माथुर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि कार चोरी नहीं हुई थी, बल्कि कुछ समय पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। आरोप है कि दुर्घटना के बाद हरिओम कुमार ने कार को सीतापुर जिले के शेखटोला, लहरपुर निवासी मौ शुऐब को कबाड़ में बेच दिया था। शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच के दौरान सामने आई जानकारी कार चोरी होने के दावे से मेल नहीं खाती थी। इसी आधार पर कंपनी ने आरोप लगाया कि कार बेचने के बाद भी चोरी की सूचना देकर बीमा राशि प्राप्त करने का प्रयास किया गया। हालांकि, कार के दुर्घटनाग्रस्त होने, उसे कबाड़ में बेचे जाने और बीमा दावा गलत होने से संबंधित बातें कंपनी की शिकायत तथा जांच रिपोर्ट के हवाले से सामने आई हैं। इन आरोपों पर आरोपी का पक्ष सामने आना बाकी है।

चोरी की प्राथमिकी के बजाय ऑनलाइन खोया-पाया में दर्ज कराई सूचना

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि हरिओम कुमार ने कार चोरी होने के संबंध में थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई थी। इसके बजाय उन्होंने ऑनलाइन खोया-पाया व्यवस्था में वाहन से संबंधित प्रविष्टि कराई थी। कंपनी के मुख्य प्रबंधक ने इसे बीमा दावा प्राप्त करने के लिए दी गई गलत सूचना का हिस्सा बताते हुए पुलिस से मामले की जांच और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

कंपनी के मुख्य प्रबंधक ने एसएसपी से की शिकायत

टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी के मुख्य प्रबंधक गौरव शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले में कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता के अनुसार, कंपनी मोटर बीमा दावों से जुड़े मामलों की जांच करती है और इस प्रकरण में भी नियमानुसार जांच कराई गई थी। कंपनी का आरोप है कि वाहन को कबाड़ में बेचने के बाद भी चोरी का दावा प्रस्तुत करना धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुजफ्फरनगर में संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का धरना जारी: 12 अक्टूबर को लखनऊ कूच की तैयारी, आपातकालीन सेवाएं ठप करने की चेतावनी

सीएमओ कार्यालय के समक्ष तीसरे दिन आंदोलन में गरजे कर्मचारी

मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) व अन्य विभागों से जुड़े संविदा कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को तीसरे दिन भी पूरी एकजुटता के साथ जारी रहा। धरने के तीसरे दिन जिले भर से भारी संख्या में संविदाकर्मियों ने हिस्सा लेकर अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आगामी 12 अक्टूबर को प्रदेश भर के संविदाकर्मी अपनी मांगों को लेकर राजधानी लखनऊ में एकजुट होंगे और बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

धरने को संबोधित करते हुए डॉ. विकास तोमर ने संविदाकर्मियों के दर्द को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक संविदा कर्मचारी स्थायी कर्मचारियों की तुलना में अधिक समय तक निष्ठापूर्वक कार्य करता है, लेकिन फिर भी उसे अपने बुनियादी हक व हितों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से 12 अक्टूबर को लखनऊ पहुंचकर अपनी एकजुटता की ताकत दिखाने का आह्वान किया। वहीं, धरने को लिपिक संवर्ग एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पाकेश कुमार (स्टेनो) तथा संयुक्त राज्य कर्मचारी परिषद के कुलदीप शर्मा ने भी अपना पूर्ण समर्थन दिया।

टीबी एसोसिएशन का मिला साथ

लाखों कर्मचारियों के जुटने का दावाएनएचएम कर्मचारियों के प्रदेश महामंत्री अमित तोमर ने धरने पर पहुंचकर संविदाकर्मियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के टीबी एसोसिएशन का एक-एक कर्मचारी एनएचएम कर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि 12 अक्टूबर को लखनऊ की सड़कों पर प्रदेश भर से लाखों की संख्या में संविदा कर्मचारी उमड़ेंगे। वहीं डॉ. देवेन्द्र ने कहा कि सरकार को एकजुटता का अहसास कराए बिना हमारी मांगें पूरी नहीं हो सकती हैं।

इमरजेंसी सेवाएं बंद हुईं तो सरकार होगी जिम्मेदार

धरना सभा को संबोधित करते हुए डॉ. राकेश बंसल ने चेतावनी दी कि संविदाकर्मियों ने अभी तक आपातकालीन सेवाओं को प्रभावित नहीं किया है, लेकिन यदि सरकार का रवैया नकारात्मक रहा और इमरजेंसी सेवाएं बंद करनी पड़ीं तो सरकार को झुकना ही पड़ेगा। वहीं डॉ. सुधा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे प्रदेश के कार्यालयों में तालाबंदी की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी केवल कार्य का बहिष्कार किया गया है; यदि पोस्टमार्टम, लेबर रूम और आपातकालीन सेवाएं ठप हुईं, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

सैकड़ों अधिकारियों व कर्मचारियों ने जताई सहभागिता

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. फैसल सिद्दीकी ने किया। धरने में मुख्य रूप से आशा संगठन की जिलाध्यक्ष निर्मला चौधरी, डॉ. सुदेश वर्मा, डॉ. प्रीति गर्ग, डॉ. बलजीत कौर, मणीकान्त त्यागी, रवि धीमान, अहतेशाम खान, अतुल भारद्वाज, संजय सैनी, प्रियंका शर्मा, अक्षी पुण्डीर, डॉ. शैलेष गुप्ता, डॉ. आमिर, सरगम सक्सैना, मोमीन सैफी, अश्वनी कुमार, अनिल कुमार, डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. आसिफ, डिम्पल शर्मा, डॉ. अनिल कौशिक, डॉ. वेदभूषण, डॉ. ज्योति भारद्वाज, डॉ. अर्चना, ममतेश, शालिनी, यशोदा, पारूल, पूजा, डॉ. फरवा शबी, बबीता, डॉ. प्रवेज (ईएमओ), डॉ. फहीम (ईएमओ), डॉ. विशाल (ईएमओ), डॉ. उमंग सिंघल (ईएमओ) सहित सैकड़ों संविदा कर्मचारी उपस्थित रहे।

विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, दिल्ली-गाजियाबाद से जुड़े तार

मीरापुर। विदेशी मुद्रा बदलने के नाम पर बिजनौर के एक युवक से तीन लाख रुपये की ठगी करने के मामले में मीरापुर पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 हजार रुपये की नकदी और पांच रियाल विदेशी मुद्रा बरामद की है। चारों आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए चालान किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, बिजनौर के मौहल्ला रांघड़ान निवासी मौहम्मद इमरान पुत्र मौहम्मद शहजाद ने थाना मीरापुर में तहरीर देकर बताया था कि कुछ अज्ञात लोगों ने उसे मीरापुर बुलाकर रियाल बदलने के नाम पर धोखाधड़ी करते हुए तीन लाख रुपये ठग लिए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। प्रभारी निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 10 अगस्त को बिजनौर रोड पर चंदू पुत्र बीदू के कोल्हू के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजीजुल निवासी पश्चिम बंगाल, हाल निवासी सीलमपुर दिल्ली, मौहम्मद सीपन निवासी पश्चिम बंगाल, हाल निवासी रोहिणी दिल्ली, रुखसाना निवासी अंजली विहार, लोनी गाजियाबाद और पूजा निवासी सीमापुरी दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 हजार रुपये नकद और पांच रियाल बरामद किए हैं। थाना प्रभारी इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश भेज दिया गया है।

कोर्ट मैरिज के बाद पत्नी को रखने के लिए मांगे पांच लाख रुपये, पुलिस ने दर्ज किया केस

मीरापुर। थाना क्षेत्र के गांव सम्भलहेड़ा निवासी एक युवती ने गांव के ही युवक और उसके परिजनों पर कोर्ट मैरिज के बाद उसे साथ रखने से इनकार करने तथा अपने परिवार से पांच लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया है। युवती की तहरीर के आधार पर पुलिस मामले में कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सम्भलहेड़ा निवासी अलीशा पुत्री जान मोहम्मद ने थाना मीरापुर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी गांव के ही सुवेब पुत्र रौनक से बातचीत होती थी। दोनों ने आपसी सहमति से 28 जून 2026 को कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसकी जानकारी जब अलीशा के परिजनों को हुई तो उन्होंने सुवेब और उसके परिजनों से उसे अपने साथ ले जाने और रखने के लिए कहा। आरोप है कि इसके बावजूद सुवेब और उसके परिजन अलीशा को अपने साथ रखने के लिए तैयार नहीं हैं।

युवती ने यह भी आरोप लगाया कि उसे साथ रखने के एवज में उसके परिजनों से पांच लाख रुपये की मांग की जा रही है। युवती की तहरीर पर पुलिस आरोपी पति के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विवाहिता ने पति समेत छह ससुरालियों पर लगाया जान से मारने की कोशिश का आरोप

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र के गांव चूड़ियाला में एक विवाहिता ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों पर जान से मारने की नीयत से मारपीट करने और गला घोंटने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने विवाहिता की तहरीर के आधार पर पति, सास, ससुर, दो जेठ और ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कैथोड़ा निवासी नसरीन पुत्री इसरार अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 10 सितंबर 2023 को गांव चूड़ियाला निवासी शादाब पुत्र इदरीस के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोग उसका उत्पीड़न करने लगे थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि करीब कुछ दिन पूर्व उसके पति शादाब, सास कनीज, ससुर इदरीस, जेठ मोबीन व शोकीन और ननद सोनम ने कथित तौर पर उसे कमरे में बंद करने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान ननद सोनम ने उसका गला घोंटकर जान लेने की कोशिश की। किसी तरह दरवाजा तोड़कर बाहर निकलने के बाद उसने अपने पिता को फोन किया। पिता के ससुराल पहुंचने पर उसकी जान बच सकी। थाना अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने बताया कि नसरीन की तहरीर के आधार पर सभी छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्कता और जागरूकता जरूरी: इंदु सिद्धार्थ

मीरापुर। सनातन धर्म इंटर कॉलेज, मीरापुर में शनिवार को साइबर क्राइम जागरूकता, पॉक्सो एक्ट एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, बाल संरक्षण कानून और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्कता और जागरूकता बेहद जरूरी है। अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध एपीके व जिप फाइल डाउनलोड करने तथा किसी के साथ ओटीपी और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने से बचना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि विशेष लोक अभियोजक दीपक गौतम ने पॉक्सो एक्ट की जानकारी देते हुए कहा कि यह कानून बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। बच्चों की सुरक्षा परिवार, विद्यालय और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी राजीव शर्मा ने साइबर अपराध एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला। विद्यालय प्रबंधक एडवोकेट सिद्धार्थ राजवंशी ने बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एसएसएस स्कूल मीरापुर की मैनेजर शिखा शर्मा, प्रिंसी आर्य, हिमाक्षी सैनी एवं अनुराधा शर्मा ने महिला सशक्तिकरण पर विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिरुद्ध शारदा ने की तथा संचालन प्रवक्ता अजय पाल ने किया। प्रबंधक सिद्धार्थ राजवंशी एवं प्रधानाचार्य डॉ. विकास कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह, राजेश शर्मा, वेदप्रकाश आर्य, हाजी अनवार कुरैशी, मोहम्मद इकबाल सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रामपुर तिराहे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पिकअप से 380 किलो अवैध पटाखे बरामद, सहारनपुर का युवक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। आगामी त्योहारों के मद्देनजर अवैध पटाखों की खरीद-फरोख्त और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत छपार पुलिस ने रामपुर तिराहे पर कार्रवाई करते हुए एक पिकअप गाड़ी से करीब 380 किलोग्राम पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने गाड़ी चला रहे सहारनपुर निवासी 20 वर्षीय युवक विशुल को गिरफ्तार किया है। पटाखों को 16 कार्टूनों में भरकर तिरपाल से ढककर ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपित पटाखों के भंडारण और परिवहन से संबंधित वैध लाइसेंस नहीं दिखा सका। इसके बाद पटाखों और गाड़ी को कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, छपार थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सहारनपुर की ओर से महिंद्रा मैक्स पिकअप में बिना लाइसेंस पटाखे लादकर मुजफ्फरनगर शहर की तरफ ले जाए जा रहे हैं। इन पटाखों को बिक्री के लिए लाए जाने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने रामपुर तिराहे पर सहारनपुर की ओर से आने वाले वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस को सहारनपुर की तरफ से एक महिंद्रा मैक्स पिकअप आती दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने इशारा कर गाड़ी को रुकवाया और चालक को नीचे उतारकर पूछताछ की। चालक ने अपना नाम विशुल पुत्र उदय भारती, निवासी अलीपुरा दामको, थाना बेहट, जिला सहारनपुर बताया।

पुलिस ने पिकअप पर पड़ी तिरपाल हटाकर तलाशी ली तो उसके अंदर छोटे-बड़े कुल 16 कार्टूनों में अलग-अलग प्रकार के पटाखे भरे मिले। पुलिस के मुताबिक, बरामद पटाखों का कुल वजन करीब 380 किलोग्राम है। इनमें विभिन्न प्रकार की आतिशबाजी और खुले पटाखे भी शामिल थे। बरामद सामग्री में मुर्गा छाप ग्राउंड चक्कर, फ्लावर, टॉप डीलक्स, मैजिक फाउंटेन, माइटी एटम, कालीस्वरी, रोल कैप, गोल्डन ब्लो राकेट, सरी ब्लास्ट, गोल्डन फ्लावर, फ्लावर पॉट, ग्रीन कलर स्पार्कलर्स, 30 शॉट्स, स्वीट सिक्सटीन, एपोकैलिप्टो, अवतार-50, चौको धमाका, मस्टैंग धमाका, जमुना और एलीफेंट नाम से बताए गए पटाखे शामिल हैं। पुलिस ने सभी पटाखों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए युवक से पटाखों के भंडारण और परिवहन के संबंध में लाइसेंस मांगा गया, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद विशुल को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में थाना छपार पर मुकदमा अपराध संख्या 216/2026 के तहत विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1884 की धारा 5/9(बी)(1)(ए) में अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। त्योहारों के दौरान आतिशबाजी की मांग बढ़ने के बीच बिना अनुमति पटाखों का भंडारण और परिवहन सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय बन सकता है। इसी को देखते हुए पुलिस अवैध पटाखों की आवाजाही पर निगरानी रख रही है। रामपुर तिराहे पर हुई यह कार्रवाई इसी अभियान का हिस्सा है। पुलिस की जांच में अब यह पता लगाया जाएगा कि पटाखे कहां से लाए गए थे और इन्हें मुजफ्फरनगर में किसे बेचा जाना था।

मुजफ्फरनगर में जिला अस्पताल पहुंचे सीएमओ: व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों से पूछा हाल-हाल

स्वास्थ्यकर्मियों को लापरवाही पर दी कड़ी चेतावनी

मुजफ्फरनगर। स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुनील तेवतिया ने स्वामी कल्याणदेव जिला चिकित्सालय (पुरुष) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने अस्पताल परिसर में इमरजेंसी सेवाओं, ओपीडी, पैथोलॉजी विभाग, ब्लड बैंक तथा विभिन्न वार्डों का बारीकी से जायजा लिया और उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों की समीक्षा की।

ड्यूटी पर उपस्थित मिले विशेषज्ञ चिकित्सक

निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी सेवाओं के अवलोकन के समय वरिष्ठ इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. नवनीत बंसल एवं समस्त फार्मासिस्ट मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी पर तैनात पाए गए। इसके साथ ही ब्लड बैंक में डॉ. अनुपम सक्सेना, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. योगेंद्र तिरखा, डॉ. शैलेश जैन, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. अशोक कुमार, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया सहगल तथा ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. ओवैस सिद्दीकी अपनी सेवाओं में तत्पर मिले। डेंटल यूनिट (दंत चिकित्सा विभाग) और अन्य वार्डों में भी डॉक्टर व स्टाफ उपस्थित रहा।

वार्डों में भर्ती मरीजों से संवाद कर परखीं सुविधाएं

सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने निरीक्षण के दौरान स्वयं विभिन्न वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत की और उनका कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने मरीजों व उनके तीमारदारों से अस्पताल में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता, निशुल्क दवाइयों की उपलब्धता और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

मरीजों से मधुर व्यवहार और स्वच्छता के निर्देश

सीएमओ ने निरीक्षण के उपरांत उपस्थित सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को त्वरित, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा दी जाए। इसके अलावा उन्होंने परिसर में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने तथा मरीजों व उनके परिजनों के साथ सहयोगात्मक व संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए।

सार्वजनिक सूचना

मेरी माताजी के बचत खाते/रिकॉर्ड नॉमिनी में मेरा नाम हिमांशु दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम रितिक है। जो मेरे आधार कार्ड/अन्य दस्तावेजो मे दर्ज है।

रितिक पुत्र दीपक निवासी म.नं. 138, गाजावली, मुजफ्फरनगर।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

रविवार 11 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

मेरठ-करनाल हाईवे पर दर्दनाक हादसा, बाइक सवार दो चचेरे भाइयों की मौत से गांव जौला में मचा कोहराम

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, पराली के कारोबार के सिलसिले में मेरठ जा रहे थे दोनों युवक

बुढ़ाना। मेरठ-करनाल हाईवे पर शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो चचेरे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से हुए इस हादसे ने गांव जौला के दो परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। दोनों युवकों की मौत की खबर मिलते ही परिवारों में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुढ़ाना क्षेत्र के गांव जौला निवासी 20 वर्षीय सावेज पुत्र शौकीन और उसका 18 वर्षीय चचेरा भाई अनस पुत्र आजाद पराली की खरीद-फरोख्त का कारोबार करते थे। शनिवार सुबह करीब नौ बजे दोनों युवक अपने कारोबार के सिलसिले में बाइक पर सवार होकर मेरठ के एक गांव के लिए निकले थे। उन्हें क्या पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा।

बताया गया कि जैसे ही दोनों युवक मेरठ-करनाल हाईवे पर स्थित एक ईंट भट्ठे के निकट पहुंचे, तभी एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने सावेज को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अनस की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया। परिजन और चिकित्सक उसे बचाने के प्रयास में जुटे रहे, लेकिन उपचार के दौरान अनस ने भी दम तोड़ दिया। दोनों चचेरे भाइयों की मौत से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। एक ही परिवार के दो युवकों की असमय मौत की खबर से गांव जौला में मातम छा गया।

जिन घरों में कुछ समय पहले तक खुशियां थीं, वहां चीख-पुकार मच गई। परिजनों और ग्रामीणों के लिए इस दुखद घटना पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा था।

उधर, सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री ने बताया कि मामले में अभी तक मृतकों के परिजनों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

हाईवे पर दर्दनाक हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बिटावदा में संगत होटल के पास हुआ हादसा, टक्कर लगते ही बाइक से उछलकर खेत में जा गिरा युवक, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

बुढ़ाना। बुढ़ाना थाना क्षेत्र में मेरठ-करनाल हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। गांव बिटावदा में संगत होटल के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक उछलकर सड़क किनारे खेत में जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर से उसके परिवार में शोक छा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, संभल निवासी सोनू पुत्र रघुराज मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेरठ की ओर जा रहा था। जब वह बुढ़ाना थाना क्षेत्र में मेरठ-करनाल हाईवे पर गांव बिटावदा स्थित संगत होटल के पास पहुंचा, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। अचानक हुई टक्कर के

कारण सोनू बाइक पर नियंत्रण नहीं रख सका और उछलकर सड़क किनारे खेत में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलने पर बुढ़ाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को सड़क किनारे खेत से निकलवाकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना पहुंचाया। हालांकि, युवक की हालत गंभीर थी और चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में युवक की जान चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, हादसे में शामिल वाहन की पहचान अभी नहीं हो सकी है। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से चला गया। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाने में जुटी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और टक्कर मारने वाला वाहन कौन-सा था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए सोनू के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। मेरठ-करनाल हाईवे पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क पर सफर करने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस की प्राथमिकता हादसे में शामिल अज्ञात वाहन का पता लगाना और दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच करना है।

प्रकाश चौक पर पुलिस घेराबंदी के बीच भाकियू टिकैत ने फूंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला

कथित वोट चोरी और मतदाता सूची से नाम काटने के विरोध में जिला मुख्यालय पर किसानों का प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। कथित वोट चोरी और मतदाता सूची से नाम काटे जाने के मुद्दे को लेकर शनिवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जिलाध्यक्ष नवीन राठी के नेतृत्व में किसानों और संगठन के पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान प्रकाश चौक पर पुलिस की घेराबंदी के बीच कुछ कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन कर दिया। इससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इसके बाद किसान और कार्यकर्ता जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां धरना देकर अपनी मांगें उठाईं। बाद में एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। भाकियू टिकैत के इस प्रदर्शन में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, वोट काटे जाने और नए मतदाता पहचान पत्र बनवाने में आ रही परेशानियों को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। संगठन ने इन मामलों की स्थिति स्पष्ट करने और मतदाताओं की शिकायतों का समाधान कराने की मांग की। शनिवार को भाकियू टिकैत के किसान और कार्यकर्ता महावीर चौक स्थित संगठन के कार्यालय पर एकत्र हुए। यहां से जिलाध्यक्ष नवीन राठी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च शुरू किया। प्रदर्शनकारी विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। प्रकाश चौक पर पुलिस की घेराबंदी के बीच कुछ कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला जला दिया। इस दौरान मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और वहां धरना देकर अपनी मांगों को उठाया। जिलाधिकारी कार्यालय पर धरने के दौरान भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों ने मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर अपनी नाराजगी जाहिर की। जिलाध्यक्ष नवीन

राठी ने एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग प्रमुखता से उठाई गई। संगठन का कहना है कि मतदाता सूची से नाम काटे जाने और नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की प्रक्रिया में सामने आ रही शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। कार्यकताओं ने मांग की कि मतदाताओं को होने वाली परेशानियों को दूर किया जाए और इस संबंध में स्थिति स्पष्ट की जाए। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने पत्रकारों से बातचीत में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संवैधानिक अधिकारों को कमजोर कर रही है और जनता की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को अपनी मांगों और शिकायतों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार मिलना चाहिए। नवीन राठी ने किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उस दौरान भी किसानों के आंदोलन को प्रभावित करने के लिए ऐसी परिस्थितियां पैदा की गईं, जिनसे अव्यवस्था का माहौल बना।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण देश में अराजकता जैसी स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने सरकार पर हिटलर की नीति पर चलने और अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति बनाने का आरोप भी लगाया।जिलाध्यक्ष ने दावा किया कि विभिन्न आंदोलनों के दौरान ट्रेन, मेट्रो और इंटरनेट सेवाएं बंद किए जाने जैसी परिस्थितियां सामने आईं। उन्होंने मौजूदा आंदोलन को देश के स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ते हुए कहा कि किसान अपने अधिकारों की लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। संगठन का राष्ट्रीय नेतृत्व आगे जो भी कार्यक्रम तय करेगा, कार्यकर्ता उसमें भाग लेंगे। भाकियू टिकैत ने प्रदर्शन के दौरान मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए। नवीन राठी ने कहा कि मतदाता सूची से नाम काटे जाने और नए वोट बनवाने की प्रक्रिया में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन की मांग है कि इन शिकायतों पर स्पष्ट जानकारी दी जाए और मतदाताओं की समस्याओं का समाधान किया जाए। संगठन ने इस मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम होना प्रत्येक पात्र मतदाता के लिए महत्वपूर्ण है।

मुजफ्फरनगर में बड़ा हादसा टला: ट्रांसपोर्ट नगर में खड़ी बस से CNG गैस रिसाव से मचा हडकंप, लोगों को सांस लेने में हुई तकलीफ

भोपा रोड पर सुबह 3 बजे हुई घटना से अफरा-तफरी: दमकल विभाग मौके पर पहुंचा

मुजफ्फरनगर। शहर के नई मंडी कोतवाली क्षेत्र स्थित भोपा रोड पर शनिवार तड़के एक बड़ा हादसा होने से बच गया। ट्रांसपोर्ट नगर में खड़ी एक बस से अचानक जहरीली व अति-ज्वलनशील सीएनजी (CNG) गैस का रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते गैस की तेज दुर्गंध पूरे इलाके में फैल गई, जिससे आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और हड़कंप की स्थिति पैदा हो गई।

तड़के 3 बजे फैली दुर्गंध, सांस लेने में हुई तकलीफ

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भोपा रोड स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में एक बस पार्क की गई थी। शनिवार तड़के करीब 3 बजे बस के सीएनजी सिलेंडर या पाइपलाइन से अचानक तेजी से गैस लीक होने लगी। थोड़ी ही देर में आसपास का माहौल घुटन भरा हो गया। कुछ स्थानीय लोगों और चालकों ने सांस लेने में परेशानी होने की शिकायत की, जिसके बाद लोग घबराकर सुरक्षित स्थानों की

ओर भागने लगे।

ज्वलनशील गैस से मंडराया आग का खतरा

सीएनजी गैस के अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण रिसाव के दौरान मामूली सी चिंगारी से भी बड़ा विस्फोट या भीषण आग लगने की संभावना बनी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों ने मुस्तैदी दिखाई और तुरंत दमकल विभाग को इस घटना की सूचना दी।

फिलहाल राहत, जान-माल का नुकसान नहीं

राहत की बात यह रही कि समय रहते स्थिति पर नजर रख ली गई और किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गैस रिसाव के तकनीकी कारणों और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई का विस्तृत विवरण जुटाया जा रहा है।

शिक्षा के मंदिर में शर्मनाक हरकत का आरोप! नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में इंटर कॉलेज का प्रधानाचार्य गिरफ्तार

शांति नगर स्थित अग्रोहा शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज का मामला, कक्षा 11 की छात्रा की मां ने पुलिस को दी लिखित शिकायत; कार्यालय में बुलाकर छेड़छाड़ करने का आरोप, नई मंडी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकड़ा

मुजफ्फरनगर। शिक्षा के मंदिर में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। शहर के नई मंडी थाना क्षेत्र के शांति नगर स्थित अग्रोहा शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर कक्षा 11 में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। छात्रा की मां की ओर से पुलिस को दी गई लिखित शिकायत के बाद मामला सामने आया। शिकायत में कॉलेज के प्रधानाचार्य मोहित सिंघल पर छात्रा को अपने कार्यालय में बुलाकर उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नई मंडी थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की और आरोपी प्रधानाचार्य को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नई मंडी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपनी

नाबालिग बेटी के साथ कथित छेड़छाड़ के संबंध में थाना नई मंडी में लिखित शिकायत दी। महिला की बेटी शांति नगर स्थित अग्रोहा शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में कक्षा 11 की छात्रा है। शिकायत में महिला ने कॉलेज के प्रधानाचार्य मोहित सिंघल पर गंभीर आरोप लगाए। महिला के अनुसार, प्रधानाचार्य ने उसकी बेटी को अपने कार्यालय में बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना की जानकारी सामने आने के बाद छात्रा की मां ने पुलिस से संपर्क कर पूरे मामले की शिकायत की और कार्रवाई की मांग की। शिकायत के मुताबिक, कथित घटना कॉलेज परिसर में प्रधानाचार्य के कार्यालय से जुड़ी है। छात्रा के नाबालिग होने के कारण मामला और अधिक संवेदनशील माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में घटना के समय, कार्यालय में छात्रा को बुलाने के कारण और कथित छेड़छाड़ के विस्तृत घटनाक्रम का उल्लेख नहीं किया गया है। फिलहाल, पुलिस की कार्रवाई शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर आगे बढ़ रही है। मामले से जुड़े सभी तथ्यों की पुष्टि जांच और कानूनी प्रक्रिया के दौरान होगी। महिला की ओर से लिखित तहरीर मिलने के बाद नई मंडी थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित कानूनी धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी प्रधानाचार्य मोहित सिंघल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मामला चर्चा में आ गया है। नाबालिग छात्रा से जुड़े आरोपों को देखते हुए प्रकरण की संवेदनशीलता भी बढ़ गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त करने के साथ अपने शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन पर भी भरोसा करते हैं। ऐसे में किसी शिक्षक या संस्थान के जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ इस तरह के आरोप सामने आना गंभीर चिंता का विषय है। विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा, सम्मान और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना संस्थान की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हालांकि, इस मामले में आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही स्पष्ट होगी, लेकिन घटना ने शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की अहमियत को फिर सामने ला दिया है। मुजफ्फरनगर पुलिस के मीडिया प्रकोष्ठ की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, आरोपी प्रधानाचार्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

खिंदडिया गांव में तेंदुए का हमला: 60 वर्षीय ग्रामीण गंभीर रुप से घायल, गांव में दहशत का माहौल

हमले के बाद छपार पुलिस मौके पर, घायल को अस्पताल पहुंचाया

मुजफ्फरनगर। जनपद के थाना छपार क्षेत्र अंतर्गत खिंदडिया गांव में शुक्रवार को देर शाम अंधेरे में उस समय दहशत का माहौल बन गया, जब गांव निवासी 60 वर्षीय दयाराम अपनी नर्सरी पर मौजूद था और उस पर घात लगाकर खूंखार तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए के इस हमले में ग्रामीण गंभीर रुप से जख्मी हो गया। घटना की सूचना गांव व आसपास जंगल में लगी आग की तरह फैल गई और ग्रामीण लाठी डंडे लेकर मौके पर पहुंचे, जहां सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम भी पहुंच गई। छपार पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार करने के बाद छुट्टी दे दी गई। वन विभाग की टीम घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद जंगल में तेंदुए की मौजूदगी का पता लगाने में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छपार थाना क्षेत्र के गांव खिंदडिया में शराब के ठेके के पास दयाराम ने नर्सरी लगा रखी है। शुक्रवार की देर शाम अंधेरा होने पर नर्सरी पर पहुंचे तेंदुए ने अचानक दयाराम पर हमला बोल दिया। हमले में किसी तरह उसने चीख पुकार के साथ शोर मचाते हुए वहां से भागकर अपनी जान बचाई,

लेकिन तब तक वह तेंदुए के काटने और पंजों के हमले से लहुलुहान हो चुकी था। सूचना मिलते ही छपार पुलिस मौके पर पहुंची और सूचना के बाद वन विभाग की टीम में गांव में पहुंच गई। पुलिस ने हमले में घायल दयाराम को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उसे मरहम पट्टी करके घर भेज दिया गया है। वन विभाग की टीम तेंदुए की मौजूदगी का पता लगाने में जुटी तेंदुए के हमले के बाद वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी तलाशने में जुट गई है। बताया गया है कि वन विभाग ने जंगल में तेंदुए को पकड़ने की दिशा में पिंजरा भी लगा दिया है। गांव खिंदडिया और आसपास के गांवों के किसानों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है, जहां वे जंगल में जाने से कतरा रहे हैं। वहीं गांव में भी रात को रोशनी की व्यवस्था करके पहरा लगाया जा रहा है। जंगल के काम से अपने खेतों में जाने के लिए सोचने को मजबूर होना पड़ रहा है। तेंदुए की गांव के जंगल में आहट से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर दहशत का माहौल है। ऐसी घटनाओं के बाद वन विभाग की ओर से क्षेत्र का निरीक्षण, तेंदुए की मौजूदगी के संकेतों की जांच और जरूरत के अनुसार निगरानी की व्यवस्था महत्वपूर्ण होती है। ग्रामीणों को भी सतर्क रहने, अकेले सुनसान स्थानों पर जाने से बचने और किसी वन्यजीव को देखकर उसके करीब जाने या उसे घेरने का प्रयास नहीं करने की सलाह दी जाती है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में वन विभाग की कार्रवाई, तेंदुए को पकड़ने के लिए अभियान चलाए जाने अथवा घायल दयाराम की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पुष्टि नहीं हुई है। इन विवरणों की आधिकारिक पुष्टि के बाद ही आगे की जानकारी दी जा सकती है। वन विभाग के अधिकारियों ने छपार थाना क्षेत्र के खींदड़िया गांव और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग सतर्क किया है। विभाग ने गाइडलाइन देते हुए कहा कि तेंदुआ दिखाई देने पर उसके पास जाने के बजाय सुरक्षित स्थान पर जाएं और पुलिस तथा वन विभाग को सूचना दें और निम्नलिखित सावधानियों का ध्यान रखें:

अकेले बाहर न निकलें: किसान व ग्रामीण खेतों की ओर अकेले जाने से पूरी तरह बचें; हमेशा 3-4 लोगों के समूह में जाएं।

शोर मचाते हुए चलें: जंगल या खेतों के रास्ते में चलते समय हाथों में लाठी-डंडा रखें और आपस में जोर-जोर से बातचीत करते रहें ताकि जंगली जानवर सतर्क होकर दूर हट जाए।

पहले मारपीट में कार्रवाई, फिर लौटकर पथराव करने का आरोप, बढ़ेड़ी में पड़ोसी विवाद ने पकड़ा तूल

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव बढ़ेड़ी में पड़ोसियों के बीच शुरू हुआ विवाद अब मारपीट, पथराव और जान से मारने की धमकी के आरोपों तक पहुंच गया है। एक महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस कार्रवाई होने के बाद भी विवाद शांत नहीं होने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि महिला के घायल होने के बाद उसका उपचार चल रहा था, इसी बीच आरोपी पड़ोसी ने अपनी बहन के साथ मिलकर कथित तौर पर पथराव किया और महिला व उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी। मामले में महिला के पति ने छपार थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस के सामने शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर घटना की पूरी कड़ियां स्पष्ट करने की चुनौती है।

गली में निकलने के दौरान शुरू हुआ विवाद

गांव बढ़ेड़ी निवासी शीशपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि छह अक्टूबर 2026 को शाम करीब साढ़े चार बजे उसकी पत्नी अपनी गली में पैदल चलकर बाहर जा रही थी। इसी दौरान उनका पड़ोसी काला उर्फ राज सिंह कथित तौर पर महिला के साथ गाली-गलौज करने लगा। शिकायतकर्ता के अनुसार पत्नी ने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो मामला बढ़ गया। आरोप है कि काला उर्फ राज सिंह ने महिला के साथ लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर गई। इसके बाद आरोपी महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चला गया। घटना के बाद परिवार के सामने घायल महिला के उपचार और पुलिस से कार्रवाई कराने की स्थिति बन गई। शीशपाल ने अपनी तहरीर में आगे बताया कि घटना के बाद पुलिस ने काला उर्फ राज सिंह को पकड़कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई के बाद आरोपी के वापस आने पर विवाद फिर से बढ़ने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई के बावजूद परिवार को राहत नहीं मिली। आरोप है कि आरोपी ने अपनी बहन के साथ मिलकर कथित तौर पर पथराव किया। इस दौरान उसकी पत्नी और बेटे को जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि, पथराव की घटना में किसी अन्य के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की जानकारी तहरीर में स्पष्ट रूप से नहीं दी गई है। पीड़ित परिवार की शिकायत के मुताबिक, पहली घटना में घायल हुई पत्नी का उपचार चल रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर दोबारा विवाद होने और धमकी दिए जाने से परिवार की चिंता बढ़ गई। इसके बाद शीशपाल नौ अक्टूबर 2026 को छपार थाने पहुंचा और पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता ने पुलिस से काला उर्फ राज सिंह के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई। तहरीर में पूरी घटना का उल्लेख करते हुए बताया गया कि विवाद की शुरूआत महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट से हुई थी, जबकि बाद में पथराव और परिवार को धमकाने की घटना सामने आई।

इस मामले में दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शिकायतकर्ता ने केवल पहली मारपीट की घटना का ही उल्लेख नहीं किया, बल्कि पुलिस कार्रवाई के बाद कथित तौर पर हुए घटनाक्रम को भी अपनी शिकायत में शामिल किया है। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी और बेटे को निशाना बनाकर धमकाया गया। यदि जांच में दोनों घटनाओं के बीच संबंध और लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है, तो पुलिस को पहली मारपीट के साथ-साथ बाद में हुए कथित पथराव तथा धमकी की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। फिलहाल इन सभी बिंदुओं पर अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जा सकेगा। शीशपाल की ओर से दी गई लिखित तहरीर पर थाना प्रभारी ने अभियोग पंजीकृत करने के निर्देश दिए। इसके बाद छपार थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

जमीन की रंजिश में घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, महिला से अभद्रता और गला दबाने

मुजफ्फरनगर। खतौली थाना क्षेत्र के गांव भैंसी में जमीन की रंजिश को लेकर एक परिवार के साथ मारपीट, घर में घुसकर हमला करने और महिला से अभद्रता करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के ही पांच लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। महिला का आरोप है कि जमीन को लेकर चल रहे विवाद के चलते आरोपियों ने उसके घर में घुसकर पति अमित और बेटे रोहन पर लाठी-डंडों से हमला किया। इसी दौरान एक आरोपी ने उसके दुपट्टे को खींचकर अश्लील हरकत की, जबकि कपड़े फाड़कर उसे घर से बाहर खींचने का प्रयास भी किया गया। विरोध करने पर एक अन्य आरोपी द्वारा उसका गला दबाने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर खतौली थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में गांव भैंसी निवासी एक महिला ने बताया कि छह अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वह अपनी बेटी के साथ घर पर मौजूद थी। इसी दौरान गांव के रहने वाले दीपक, शिवा, गौरव व पवन तथा बलराम और प्रतिमा के साथ जमीन की रंजिश को लेकर विवाद होने का आरोप लगाया गया है। महिला के मुताबिक, आरोपित पक्ष उसके साथ गाली-गलौज कर रहा था। इसी बीच उसके पति और बेटा घर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को देखते हुए महिला और उसकी बेटी को घर के अंदर कर दिया, लेकिन आरोप है कि इसके बाद सभी लोग एक राय होकर घर में घुस आए और विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घर में घुसते ही आरोपियों ने उसके पति और बेटे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। महिला का कहना है कि हमलावरों ने दोनों को जान से मारने की नीयत से चोट पहुंचाने का प्रयास किया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से परिवार में दहशत फैल गई।

शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने के बाद आरोपियों ने उसके साथ भी अभद्र व्यवहार किया। पीड़िता के अनुसार, विवाद की मुख्य वजह उनकी बाईपास स्थित जमीन है, जिसे आरोपी पक्ष खरीदना चाहता है। इसी जमीन को लेकर लंबे समय से रंजिश होने का आरोप लगाया गया है।

महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि दीपक ने उसका दुपट्टा खींचकर अश्लील हरकत की।

संपादकीय

हर हादसे के बाद मुआवजा और जांच, लेकिन जिम्मेदार कौन?

विडंबना है कि हादसे के बाद व्यवस्था अचानक जागती है। मुआवजे की घोषणा होती है, जांच बैठती है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और कुछ समय बाद सब सामान्य हो जाता है। किसी को चिंता नहीं सताती कि अगली इमारत कब गिरेगी और उसके नीचे कौन दबेगा। दिल्ली के सीमापुरी इलाके में चारमंजिला इमारत ढहने की घटना को महज एक हादसा कहकर आगे बढ़ना आसान है, लेकिन सवाल यही है कि राजधानी में ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। सवाल इमारत ढहने का ही नहीं, तंत्र की नाकामी का भी है।अगर किसी इमारत में दरारें दिख रही थीं, तो क्या किसी जिम्मेदार तंत्र की नजर उस पर नहीं थी? क्या राजधानी में जर्जर और जोखिम वाली इमारतों का कोई अभिलेख नहीं है? क्या लोगों की जान बचाने के लिए किसी इमारत के मलबे में बदलने का इंतजार जरूरी है? पिछले महीने सत्य निकेतन की घटना अभी भी लोगों की जेहन में ताजा है। वहां भी हादसे की जिम्मेदारी तय करने के आश्वासन मिले। मगर उन घटनाओं से व्यवस्था ने क्या सबक लिया?विडंबना है कि हादसे के बाद व्यवस्था अचानक जागती है। मुआवजे की घोषणा होती है, जांच बैठती है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और कुछ समय बाद सब सामान्य हो जाता है। किसी को चिंता नहीं सताती कि अगली इमारत कब गिरेगी और उसके नीचे कौन दबेगा।

सवाल यह कि आखिर जिम्मेदार कौन है? केवल भवन मालिक? अवैध निर्माण करने वाला? निर्माण की अनुमति देने वाला? निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी? या फिर वह पूरी प्रशासनिक व्यवस्था, जो खतरे को देखते हुए भी समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाती? जिम्मेदारी जितनी बंटी हुई दिखाई देती है, जवाबदेही उतनी ही गायब नजर आती है।राजधानी में सुरक्षित आवास कोई विलासिता नहीं, नागरिक का बुनियादी अधिकार है। इसलिए जरूरी है कि जोखिम वाली इमारतों का नियमित संरचनात्मक सर्वेक्षण हो, उन्हें खाली कराने और सुरक्षित पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था बने और लापरवाही साबित होने पर जिम्मेदारी ऊपर तक तय हो। मुआवजा मृत लोगों को वापस नहीं ला सकता और जांच किसी परिवार की उजड़ी दुनिया फिर से नहीं बसा सकती।दिल्ली को ऐसी व्यवस्था चाहिए जो मलबा हटाने में दक्ष होने से पहले किसी इमारत को ढहने से रोकने में सक्षम हो। वरना हर अगली ढहती इमारत यही गवाही देगी कि यहां मौत अचानक नहीं आती, व्यवस्था की लापरवाही ऐसी स्थिति को धीरे-धीरे तैयार करती है।

पास होकर भी दूर क्यों हो रहे हैं लोग? रिश्तों पर भारी पड़ती स्क्रीन की दुनिया

(पवन शर्मा)

किसी से बात करते हुए बार-बार मोबाइल की स्क्रीन देखना दरअसल यह संदेश देना है कि सामने वाला हमारी प्राथमिकता नहीं है। हमारे घरों में कुछ छोटी परंपराएं इस दूरी को कम कर सकती हैं। साथ बैठकर भोजन करना, दिन में कुछ देर बिना मोबाइल के रहना, सप्ताह में एक शाम केवल परिवार के नाम करना, बच्चों के साथ बाहर टहलना, बुजुर्गों की बातें सुनना, पड़ोसी की कुशल पूछ लेना- ये मामूली काम हैं, लेकिन संबंधों की असली नींव भी शायद इन्हीं मामूली कामों में होती है। हमने सुविधा को जीवन का पर्याय मान लिया है। जो काम जल्दी हो जाए, उसे बेहतर समझते हैं। मगर हर मानवीय काम को जल्दी पूरा नहीं किया जा सकता। किसी दुख को सुनने में समय लगता है।

कभी-कभी लगता है कि आदमी को अब दूर होने के लिए दूरी की जरूरत नहीं रह गई। दुनिया के किसी कोने में बैठे व्यक्ति से पल भर में बात हो सकती है, उसकी तस्वीर देखी जा सकती है, उसके जीवन की छोटी-बड़ी खबर मिल सकती है। मगर बगल में बैठे आदमी से बात करने के लिए समय नहीं है। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग अलग-अलग स्क्रीन में झुके हुए हैं और एक-दूसरे की उपस्थिति से लगभग बेखबर।

एक समय था, जब किसी के घर जाना सूचना के आदान-प्रदान का नहीं, संबंध निभाने का अवसर होता था। दरवाजे पर दस्तक देने से पहले फोन की जरूरत नहीं पड़ती थी। सामने वाला चौंकता जरूर था, लेकिन उस चौंकने में खुशी होती थी। चाय बनती, हालचाल पूछा जाता, मोहल्ले भर की बातें होतीं, जीवन में रस बना रहता था। अब मिलने से पहले संदेश जाता है- 'फ्री हो?' फिर उत्तर आता है- 'देखता हूं।' और कई बार यही दो शब्द मुलाकात की जगह ले लेते हैं।

बदलते समय को केवल तकनीक के कठघरे में खड़ा करना आसान होगा, लेकिन पूरी सच्चाई इतनी सरल नहीं है। हमारी जिंदगी की रफ्तार बढ़ी है। काम के घंटे, यात्रा, आर्थिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की चिंता- सबने मिलकर मनुष्य के समय को टुकड़ों में बांट दिया है। अब समय केवल घड़ी की इकाई नहीं रहा। वह एक संसाधन है, जिसे लगातार किसी काम में लगाना है। ऐसे में बातचीत, बैठना, यों ही मिल लेना जैसी चीजें 'फालतू समय' की श्रेणी में चली गई हैं।

मगर मनुष्य के जीवन में जो चीजें सबसे अधिक जरूरी होती हैं, वे अक्सर किसी उत्पादकता की सूची में दर्ज नहीं होतीं। किसी की बात सुनना, किसी के साथ चुपचाप बैठना, बिना किसी उद्देश्य के टहलना, किसी पुराने परिचित का हाल पूछना- इनका कोई बाजार-मूल्य नहीं है, लेकिन इनका मानवीय मूल्य बहुत बड़ा है।

सबसे अधिक मार शायद उन बुजुर्गों पर पड़ती है, जिनके जीवन का बड़ा हिस्सा संबंधों को सींचते हुए बीता है। जिन माता-पिता ने बच्चों की जरूरत को अपने आप से भी ऊपर रखा, वे उम्र के उस पड़ाव पर पहुंचकर कई बार केवल इतना चाहते हैं कि कोई कुछ देर उनके पास बैठ जाए। उनके पास कहने को बहुत कुछ होता है- पुरानी यादें, बदलते शहर की बातें, परिवार की चिंता, अपनी तकलीफें। मगर सुनने वाले अक्सर जल्दी में होते हैं।

बच्चों और किशोरों के पास भी मनोरंजन के अनगिनत साधन हैं। एक क्लिक पर वीडियो, खेल, संगीत और हजारों सूचनाएं मौजूद हैं। फिर भी उन्हें ऐसे व्यक्ति की जरूरत रहती है, जो उनकी बात पूरी सुने और तुरंत फैसला सुनाने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करे। किसी बच्चे के लिए यह जानना बहुत महत्त्वपूर्ण हो सकता है कि घर में कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसके सामने वह बिना डरे अपनी बात कह सकता है।

यहीं 'संपर्क' और 'संबंध' के बीच का फर्क सामने आता है। संपर्क हमें सूचना देता है कि कोई व्यक्ति कहां है, क्या कर रहा है, किसके साथ है। संबंध यह जानने की कोशिश कराता है कि वह भीतर से कैसा है। संपर्क में प्रतिक्रियाएं तेज होती हैं, संबंध में धैर्य चाहिए। शायद इसीलिए आज के समय में सबसे मूल्यवान चीज समय ही नहीं, किसी को दिया गया अविभाजित समय है।

किसी से बात करते हुए बार-बार मोबाइल की स्क्रीन देखना दरअसल यह संदेश देना है कि सामने वाला हमारी प्राथमिकता नहीं है। हमारे घरों में कुछ छोटी परंपराएं इस दूरी को कम कर सकती हैं। साथ बैठकर भोजन करना, दिन में कुछ देर बिना मोबाइल के रहना, सप्ताह में एक शाम केवल परिवार के नाम करना, बच्चों के साथ बाहर टहलना, बुजुर्गों की बातें सुनना, पड़ोसी की कुशल पूछ लेना- ये मामूली काम हैं, लेकिन संबंधों की असली नींव भी शायद इन्हीं मामूली कामों में होती है। हमने सुविधा को जीवन का पर्याय मान लिया है। जो काम जल्दी हो जाए, उसे बेहतर समझते हैं। मगर हर मानवीय काम को जल्दी पूरा नहीं किया जा सकता। किसी दुख को सुनने में समय लगता है। किसी रिश्ते में भरोसा बनने में समय लगता है। किसी बच्चे को यह एहसास दिलाने में समय लगता है कि वह महत्त्वपूर्ण है। किसी बुजुर्ग की पुरानी कहानी सुनने में भी समय लगता है। जीवन की विडंबना यह है कि जिन चीजों के लिए समय देना सबसे जरूरी है, उन्हीं के लिए समय निकालना हमें सबसे कठिन लगता है। महानगरों की ऊंची इमारतों में लोग वर्षों तक पड़ोसी बने रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे के नाम से परिचित नहीं होते। लिफ्ट में साथ खड़े लोग एक-दूसरे की ओर देखने के बजाय मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। सड़क पर किसी को मदद की जरूरत हो, तो कई लोग रुकने से पहले यह सोचते हैं कि कहीं कोई जिम्मेदारी उनके सिर न आ जाए। सूचना का समाज बन गया है, लेकिन सहभागिता का समाज बनाने की चुनौती अभी बाकी है। फिर भी मनुष्य की संवेदना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। संकट के समय अनजान लोगों का एक-दूसरे के लिए खड़ा होना बताता है कि भीतर कहीं सामूहिकता अब भी जीवित है। समस्या संवेदना के खत्म हो जाने की नहीं, बल्कि उसके रोजमर्रा के जीवन से धीरे-धीरे बाहर हो जाने की है। दुनिया सचमुच छोटी हो गई है। संदेश पलक झपकते पहुंच जाता है, आवाज हजारों किलोमीटर पार कर लेती है और तस्वीरें सीमाओं को लांघ जाती हैं। अब जरूरत एक और तकनीकी क्रांति की नहीं, बल्कि थोड़ी-सी मानवीय वापसी की है। अगली बार कोई हमारे सामने बैठकर अपनी बात कहे, तो शायद हम फोन नीचे रख दें। किसी पुराने मित्र को बिना किसी काम के फोन कर लें। किसी अकेले पड़ोसी के दरवाजे पर दस्तक दे दें। संभव है, जब हम सचमुच किसी के पास बैठेंगे, तब पहली बार समझ पाएंगे कि मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाली सबसे आधुनिक तकनीक आज भी वही पुरानी चीज है- थोड़ी संवेदना, थोड़ा-सा समय और पूरी तरह उपस्थित रहने की इच्छा।

हर किसी को नहीं मिलता शांति का नोबेल, क्यों दिया जाता है

(शुभम)

नोबेल शांति पुरस्कार दुनिया के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है। यह शांति और अंतरराष्ट्रीय भाईचारे को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को दिया जाता है। इस बार नावी पिल्लई को यह पुरस्कार दिया गया है। भारतीय मूल की नवनेथम नावी पिल्लई को 2026 का नोबेल प्राइज दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका की जज और वकील रह चुकीं नावी को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के लिए यह सम्मान मिला है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पुरस्कार किसे और क्यों दिया जाता है? इसकी शुरुआत स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के आधार पर हुई थी। पहली बार इसे 1901 में नोबेल प्राइज दिया गया था। आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं और इंटरव्यू की तैयारी के लिए जीके और करेंट अफेयर्स में नोबेल पीस प्राइज से जुड़ी जानकारी आपके काम आ सकती है। इसलिए यहां पूरी जानकारी दी जा रही है।

क्यों दिया जाता है नोबेल शांति पुरस्कार ? – नोबेल शांति पुरस्कार की शुरुआत स्वीडिश वैज्ञानिक और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के आधार पर हुई थी। अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी संपत्ति का उपयोग अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को पुरस्कार देने के लिए निर्धारित किया था। उनकी वसीयत में शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने, स्थायी सेनाओं को समाप्त करने या कम करने, शांति सम्मेलनों के आयोजन और प्रोत्साहन जैसे कार्यों का उल्लेख किया गया था।

हर किसी को नहीं मिलता पुरस्कार, जानें कौन करता है विजेता का चयन – नोबेल शांति पुरस्कार के विजेताओं का चयन नॉर्वेजियन नोबेल समिति करती है। इसमें 5 सदस्य होते हैं, जिन्हें नॉर्वे की संसद नियुक्त करती है।

पुरस्कार के लिए नामांकन करने का अधिकार हर व्यक्ति को नहीं होता।

इसके लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करना जरूरी है।

योग्य नामांकन मिलने के बाद समिति उम्मीदवारों की समीक्षा करती है।

जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों की मदद से उनके काम का मूल्यांकन करती है।

इसके बाद समिति विजेता का फैसला करती है।

किसी व्यक्ति या संगठन का नामांकन हो जाना इस बात की गारंटी नहीं होती है कि उसे पुरस्कार भी मिलेगा। 1901 से अब तक नोबेल शांति पुरस्कार 139 विजेताओं को 105 बार दिया गया है। इनमें 92 पुरुष, 19 महिलाएं और 28 संगठन शामिल हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार किसी संगठन को भी देते हैं – नोबेल शांति पुरस्कार किसी व्यक्ति के साथ-साथ किसी संगठन को भी दिया जा सकता है। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन करने वाले व्यक्तियों के नाम आमतौर पर 50 साल तक गोपनीय रखे जाते हैं। नोबेल शांति पुरस्कार के विजेता को सम्मान समारोह में नोबेल मेडल और डिप्लोमा दिया जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल अन्य नोबेल पुरस्कारों के मेडल की तरह 18 कैरेट ग्रीन गोल्ड पर 24 कैरेट गोल्ड की परत से बनाया जाता है। अब तक नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के विजेता मलाला यूसुफजई हैं, जिन्हें 2014 में 17 साल की उम्र में यह सम्मान मिला था। शांति का नोबेल पाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति जोसेफ रोटब्लाट थे, जिन्हें 1995 में 86 साल की उम्र में सम्मानित किया गया था। नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाली पहली महिला बर्था फॉन जुटनर थीं, जिन्हें 1905 में यह सम्मान मिला था। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति को अब तक 3 बार नोबेल शांति पुरस्कार मिल चुका है। वियतनामी नेता ले डुक थो 1973 में नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। नोबेल शांति पुरस्कार को वापस नहीं लिया जा सकता; विजेता की आधिकारिक मान्यता स्थायी होती है।

भारत से जुड़े 2 लोगों को मिला है नोबेल पुरस्कार – अगर भारत की बात की जाए तो 2 प्रमुख हस्तियों को नोबेल शांति पुरस्कार मिल चुका है। मदर टेरेसा को साल 1979 में मानवता के पीड़ित लोगों की सहायता के लिए किए गए कार्यों के सम्मान में यह पुरस्कार दिया गया था। उनका जन्म तत्कालीन ओटोमन साम्राज्य के स्कोप्जे शहर में हुआ था, जो आज उत्तर मैसेडोनिया में है। उन्होंने अपना अधिकांश सेवाकार्य भारत में किया और भारतीय नागरिकता भी ली थी। उनके अलावा कैलाश सत्यार्थी को 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पाकिस्तान की मलाला यूसुफजई के साथ संयुक्त रूप से बच्चों और युवाओं के दमन के खिलाफ संघर्ष और सभी बच्चों के शिक्षा के अधिकार के लिए किए गए प्रयासों के लिए मिला था।

भक्ति और श्रद्धा का पर्व नवरात्र

दिल्ली में 10 प्रसिद्ध माता मंदिर उमड़ेगा भक्तों को सैलाब

झंडेवालान माता मंदिर - करोल बाग क्षेत्र में स्थित झंडेवालान माता मंदिर अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन है। यहां अष्टकोणीय आकार में माता की मूर्ति मौजूद है। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है। यहां एक गुफा में माता के मूल प्रतिमा के दर्शन किए जाते हैं। कहते हैं कि जब इस जगह की खुदाई की गई तो नीचे माता की मूर्ति मिली थी, जो नीचे गुफा में मौजूद है। गुफा वाला मंदिर, प्रीत विहार - दिल्ली के प्रीत विहार में मौजूद गुफा मंदिर माता वैष्णो देवी को समर्पित है।

(ज्योति साह)

यदि आप इस नवरात्रि मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए माता के मंदिर जाने की योजना बना रहे हैं, तो दिल्ली के इन मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। कालका जी समेत 10 प्रसिद्ध मंदिरों में नवरात्रि के दौरान विशेष रौनक देखने को मिलती है। यहां लोग दूर-दूर से माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। शारदीय नवरात्रि का आगाज 11 अक्टूबर, रविवार से होने जा रहा है। इन 9 दिनों में माता के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। साथ ही, मां दुर्गा की कृपा प्राप्त करने के लिए भक्त श्रद्धा और विधिपूर्वक नवरात्रि का व्रत करते हैं। इसी बीच अगर आप दिल्ली में माता दुर्गा के दर्शन करने जाने की योजना बना रहे हैं, तो इन 10 प्रसिद्ध मंदिरों में जा सकते हैं। कालकाजी, गुफा वाला मंदिर सहित 10 माता रानी के मंदिर दिल्ली के प्रसिद्ध मंदिरों में शामिल हैं। जहां भक्त दूर-दूर से बड़ी संख्या में देवी के दर्शन करने पहुंचते हैं। आइए विस्तार से जानें दिल्ली में मौजूद माता के 10 प्रमुख मंदिरों के बारे में।

कालकाजी मंदिर – दिल्ली का कालकाजी मंदिर देशभर में काफी प्रसिद्ध है। इसे सिद्धपीठों में से एक माना जाता है और नवरात्रि के दौरान भक्त या लंबी संख्या में माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। मान्यता है की इसी स्थान पर माता दुर्गा महाकाली रूप में प्रकट हुई थीं और उन्होंने असुरों का संहार किया था। मुख्य मंदिर में 12 द्वार हैं जो 12 महीनों का संकेत देते हैं। कालकाजी मंदिर में 300 साल पुराना ऐतिहासिक हवन कुंड भी मौजूद है।

छतरपुर मंदिर – दिल्ली के छत्तरपुर मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद छत्तरपुर मंदिर दुर्गा मां के छठे रूप कात्यायनी माता को समर्पित है। कहते हैं कि कात्यायनी मां के श्रृंगार के लिए यहां रोजाना दक्षिण भारत से खास रंगों के फूलों की माला आती है। यह दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है जो दिखने में बहुत खूबसूरत है। ऐसे में नवरात्रि के दौरान आप छत्तरपुर मंदिर के दर्शन करने भी जा सकते हैं।

झंडेवालान माता मंदिर – करोल बाग क्षेत्र में स्थित झंडेवालान माता मंदिर अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन है। यहां अष्टकोणीय आकार में माता की मूर्ति मौजूद है। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है। यहां एक गुफा में माता के मूल प्रतिमा के दर्शन किए जाते हैं। कहते हैं कि जब इस जगह की खुदाई की गई तो नीचे माता की मूर्ति मिली थी, जो नीचे गुफा में मौजूद है।

गुफा वाला मंदिर, प्रीत विहार – दिल्ली के प्रीत विहार में मौजूद गुफा मंदिर माता वैष्णो देवी को समर्पित है। यहां एक बड़ी और एक छोटी गुफा भी है। इसमें देवी कात्यायनी, ज्वाला देवी और चिंतपूर्णीजी मूर्तियां मौजूद है। नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। अगर आप दिल्ली या आसपास कहीं रहते हैं, तो गुफा वाले मंदिर के दर्शन करने जा सकते हैं।

योगमाया मंदिर - कुतुब मीनार से कुछ दूरी पर मौजूद महरौली में योगमाया मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि यह कई हजार साल पुराना मंदिर है। इसे लेकर कथा है कि योगमाया श्रीकृष्ण की बहन थी। इन्हीं को यमुना नदी पार करके लाया गया था और देवकी के बगल में श्रीकृष्ण के स्थान पर रखा था। कंस ने इनका भी अंत करना चाहा लेकिन योगमाया देवी निकलकर आकाश में चली गईं। फिर, उन्होंने अपने वास्तविक रूप में आकर कंस के अंत की भविष्यवाणी की थी।

नई दिल्ली कालीबाड़ी मंदिर – यह दिल्ली के प्राचीन मंदिरों में से एक है, जो मंदिर मार्ग के पास स्थित है। यह माता काली को समर्पित है, जहां भक्त दूर-दूर से माता के दर्शन करने आते हैं। वहीं, विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान यहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं। कालीबाड़ी मंदिर में माता काली बहुत सुंदर मूर्ति मौजूद है। नवरात्रि में यहां पर कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

नीलम माता वैष्णो मंदिर – दिल्ली के मयूर विहार फेस-2 में स्थित नीलम माता वैष्णो मंदिर बहुत ही खूबसूरत है। मंदिर के बेसमेंट में गुफा भी है, जो वैष्णो देवी गुफा का अनुभव कराती है। विशेष अवसरों पर भक्त यहां माता के दर्शन और पूजा करने पहुंचते हैं। अगर आप मयूर विहार के पास या दिल्ली में रहते हैं, तो नवरात्रि के दौरान माता के इस मंदिर के दर्शन करने भी जा सकते हैं।

श्री वैष्णो देवी मंदिर – गुलाबी बाग में स्थित श्री वैष्णो देवी मंदिर दिल्ली के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां मां काली के साथ देवी दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों के दर्शन करने भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। नवदुर्गा धाम मंदिर के पहली मंजिल पर स्थित है। यही कारण है कि इसे श्री वैष्णो मंदिर कहा जाता है। यहां नवरात्रि के दौरान विशेष रौनक देखने को मिलती है।

कालीबाड़ी मंदिर, द्वारका – यह मंदिर दिल्ली के द्वारका सेक्टर-21 में स्थित है। यहां शाम की आरती बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें शामिल होने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंदिर दिखने में बहुत ही खूबसूरत है। मंदिर में प्रथम तल पर माता काली की प्रतिमा स्थापित है। दुर्गा पूजा के दौरान यहां कई प्रकार के कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है।

संतोषी माता मंदिर – दिल्ली के हरि नगर में संतोषी माता मंदिर स्थित है। मंदिर के गर्भग्रह में मां सरस्वती, माता वैष्णो और मां सरस्वती की मूर्ति स्थापित है। नवरात्रि में आप तीन माताओं के एक ही स्थान पर दर्शन करने के लिए संतोषी माता मंदिर जा सकते हैं। नवरात्रि के दौरान यहां भक्त देवी के दर्शन करने पहुंचते हैं।

थानाभवन के विराट दंगल में पहलवानों ने दिखाया दमखम, हजारों दर्शकों की मौजूदगी में हुआ भव्य समापन

20 मिनट तक चली अश्मीर कैराना और निखिल दिल्ली की कुश्ती बराबरी पर छूटी, विजेता पहलवानों को नगद राशि व शील्ड देकर किया सम्मानित

थानाभवन। नगर पंचायत थानाभवन के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय विराट दंगल का शनिवार को हजारों लोगों की मौजूदगी में भव्य समापन हुआ। देर शाम तक चले दंगल में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए पहलवानों ने अपनी कुश्ती कला, ताकत और दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन किया। इनामी राशि के लिए पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। दंगल के दौरान दर्शकों ने तालियां बजाकर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया।

दंगल में सबसे अधिक इनामी राशि के लिए अश्मीर कैराना और निखिल दिल्ली के बीच रोमांचक कुश्ती हुई। करीब 20 मिनट तक चले इस मुकाबले में दोनों पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन कोई भी पहलवान जीत हासिल नहीं कर सका। अंततः यह कुश्ती बराबरी पर छूटी। वहीं, दंगल के अंतिम मुकाबले में साहिल रोहतक और अजहर लुहारी के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। करीब आठ मिनट तक चले इस मुकाबले में भी दोनों पहलवानों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई निर्णय नहीं निकल सका और कुश्ती बराबरी पर समाप्त हुई। विराट दंगल में कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। विपुल दिल्ली ने नसीम कैराना को पराजित किया, जबकि उस्मान कपूरी ने काजिम लुहारी को शिकस्त दी। जावेद गंगोह ने निशु दिल्ली को हराया। वहीं, उमर लुहारी ने राजीव थानाभवन को कड़े मुकाबले में पराजित कर जीत दर्ज की। मोहसिन कैराना और साहिल के बीच हुई कुश्ती बराबरी पर छूटी। इसके अलावा भी कई मुकाबलों में पहलवानों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन जीत-हार का फैसला नहीं हो सका। कुछ मुकाबलों में पहलवानों ने बेहद कम समय में ही अपने प्रतिद्वंद्वी को चित कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। हाजी राव जमशेद और ऋषिपाल सैनी ने पहलवानों को किया सम्मानित

दंगल के समापन अवसर पर नगर पंचायत चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद और दंगल संयोजक एवं पूर्व सभासद ऋषिपाल सैनी ने विजेता पहलवानों को नगद पुरस्कार राशि और शील्ड भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही दंगल को सफल बनाने में योगदान देने वाले दंगल रेफरी शौकत, खलीफा परवेज कैराना, ताशीन गंगोह, दंगल संचालक लालू पहलवान थानाभवन सहित अन्य सहयोगियों को भी नगद राशि और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद ने कहा कि विराट दंगल और मेले का सफल आयोजन क्षेत्र की जनता के सहयोग से संभव हुआ है। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सभासदों, नगरवासियों और क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण खेल संस्कृति और पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा मिलता है। साथ ही युवा पीढ़ी को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

पारंपरिक कुश्ती के रोमांच ने बांधे रखा दर्शकों को 10 दिनों तक चले विराट दंगल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर पहलवानों के मुकाबलों का आनंद लिया। समापन के दिन भी देर शाम तक दंगल स्थल पर दर्शकों की भारी भीड़ जुटी रही।

स्नातक एमएलसी प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल ने अमरीश गोयल के आवास पर की शिष्टाचार भेंट

स्नातक चुनाव, शिक्षित वर्ग की समस्याओं और सामाजिक सरोकारों पर हुआ विचार-विमर्श, तिलक लगाकर किया आत्मीय स्वागत

मुजफ्फरनगर। आगामी 23 अक्टूबर को प्रस्तावित स्नातक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में स्नातक एमएलसी प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय उपाध्यक्ष अमरीश गोयल के आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान स्नातक चुनाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं, शिक्षित वर्ग की समस्याओं तथा सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

दिनेश कुमार गोयल के आवास पर पहुंचने पर उनका पारिवारिक एवं आत्मीय वातावरण में स्वागत किया गया। अमरीश गोयल की धर्मपत्नी रीना गोयल एवं उनके पुत्र श्याम गोयल ने तिलक लगाकर और माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान आपसी सौहार्द और पारिवारिक अपनत्व का माहौल देखने को मिला। भेंटवार्ता के दौरान आगामी स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षित वर्ग की अपेक्षाओं, युवाओं के रोजगार, स्नातकों की समस्याओं तथा विधान परिषद में उनके मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने जैसे विषय चर्चा के केंद्र में रहे। अमरीश गोयल ने स्नातक वर्ग की आवश्यकताओं, सामाजिक समरसता और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। वहीं, दिनेश कुमार गोयल ने भी स्नातकों के हितों और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर दोनों के बीच वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों, जनसरोकारों और राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी सार्थक संवाद हुआ। चर्चा के दौरान शिक्षित वर्ग की भागीदारी और उनकी समस्याओं के समाधान की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। दिनेश कुमार गोयल ने आत्मीय स्वागत एवं सत्कार के लिए अमरीश गोयल और उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठ एवं अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और सहयोग जनसेवा के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने सामाजिक हितों के लिए मिलकर कार्य करने की भावना को भी महत्वपूर्ण बताया।

इस शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रसिद्ध समाजसेवी सत्य प्रकाश रेशू भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी सामाजिक सरोकारों और समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा किए। अंत में आपसी सौहार्द एवं आत्मीयता के वातावरण में भेंटवार्ता संपन्न हुई।

शिवधनुष टूटते ही जयकारों से गूंजा पंडाल, राम-सीता विवाह का हुआ मंचन

ताड़का वध से धनुष यज्ञ तक सजी रामलीला, लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने बांधा समां

थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी में चल रही रामलीला में शिवधनुष टूटते ही पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। लक्ष्मण-परशुराम के बीच तीखे संवादों ने दर्शकों को रोमांचित किया तो राम-सीता विवाह के मंगलगीतों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। हसनपुर लुहारी की रामलीला में शुक्रवार रात ताड़का वध, धनुष यज्ञ और राम-सीता विवाह का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामायण के प्रसंगों को कलाकारों ने अपने अभिनय से जीवंत कर दिया। देर रात तक दर्शक मंचन का आनंद लेते रहे। रामलीला का शुभारंभ ताड़का वध के प्रसंग से हुआ। महर्षि विश्वामित्र के साथ वन में पहुंचे भगवान श्रीराम और लक्ष्मण ने राक्षसों के आतंक से ऋषियों को मुक्ति दिलाई। श्रीराम के

हाथों ताड़का वध का मंचन देखकर दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इसके बाद सीता स्वयंवर और धनुष यज्ञ का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। देश-विदेश से आए राजाओं के शिवधनुष उठाने में असफल रहने पर स्वयंवर का दृश्य और रोचक हो गया। धनुष यज्ञ के दौरान लक्ष्मण और परशुराम के बीच हुए संवाद ने दर्शकों को बांधे रखा। शिवधनुष टूटने पर क्रोधित परशुराम और लक्ष्मण के बीच तीखे संवादों का कलाकारों ने प्रभावशाली मंचन किया। लक्ष्मण के ओजस्वी संवादों पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। इसके बाद भगवान श्रीराम ने सहज भाव से शिवधनुष उठाकर तोड़ दिया। धनुष टूटते ही पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद राम-सीता विवाह का मंचन हुआ। मंगलगीतों, जयमाल और विवाह की रस्मों के बीच कलाकारों ने विवाह का दृश्य सजीव कर दिया। राम-सीता के विवाह पर दर्शकों ने जयकारे लगाए। रामलीला में मौजूद ग्रामीणों और महिलाओं ने देर रात तक मंचन का आनंद लिया।

अज्ञान-अंधकार में नहीं, ज्ञान-प्रकाश में जीओ : रामबीर सिंह

उत्तरी सिविल लाइंस शिव मंदिर में गीतापाठ एवं पितृकृपा संकीर्तन, भजनों को सुनकर भावुक हुए श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार, मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में उत्तरी सिविल लाइंस स्थित शिव मंदिर में पितृकृपा संकीर्तन एवं गीतापाठ का भावपूर्ण आयोजन किया गया। धार्मिक वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के साथ पितरों का स्मरण किया। भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल गर्ग ने श्रद्धाभाव के साथ गीतापाठ कराया। गीतापाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों का श्रवण किया। भजन संकीर्तन के दौरान सुभाष गर्ग, मीनाक्षी शर्मा, नवीन गोस्वामी, विपिन गुप्ता एवं राधा मिश्रा ने राधा रानी के गुणगान और कन्हैया के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। वहीं डॉ. एसके मित्तल एवं

अतुल गर्ग द्वारा पितृकृपा स्मरण से जुड़े भजन प्रस्तुत किए गए। जय जय पितर देवा, करूं मैं तेरी सेवा भजन ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। पितरों की स्मृति में प्रस्तुत भजनों को सुनकर श्रद्धालु भावुक हो उठे और पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर हो गया। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने श्रीमद्भगवद्गीता के आठवें अध्याय के सार को समझाते हुए कहा कि मनुष्य को अज्ञान के अंधकार में नहीं, बल्कि ज्ञान के प्रकाश में जीवन जीना चाहिए। परमात्मा का निरंतर स्मरण ही मनुष्य को कर्मबंधन से मुक्ति की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण और निरंतर स्मरण जीवन को सार्थक बनाते हैं तथा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गीता के उपदेश मनुष्य को सही मार्ग पर चलने, अपने कर्तव्यों का पालन करने और ईश्वर के प्रति आस्था बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. सतीश कुमार मित्तल, डॉ. अंकिता, रेणु मित्तल, अनीता गुप्ता, मीनाक्षी गर्ग, मीनाक्षी शर्मा, विभा, पूनम अरोरा, बबीता, परिणीता, सीमा, मंजू, रिचा, ममता, मोहिनी, महिका, आरती, देवेंद्र शर्मा, सुभाष गोयल, रेशम गुप्ता सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीजेपी के समर्थन में शामली कलेक्ट्रेट पर भाकियू का जोरदार प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

राकेश टिकैत के आह्वान पर खाप चौधरियों की अध्यक्षता में जुटे किसान, पुलिस द्वारा कार्यकताओं को डिटेन करने और ट्रेनों के रद्द होने पर जताया आक्रोश

शामली। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में कथित गड़बड़ियों के विरोध में सीजेपी द्वारा आयोजित प्रदर्शन के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन ने शामली में जोरदार प्रदर्शन किया। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आह्वान पर शनिवार को खाप चौधरियों की अध्यक्षता में दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामली कलेक्ट्रेट में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा और अपनी मांगों को उठाया।

प्रदर्शन के दौरान भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे उनके कार्यकताओं को पुलिस प्रशासन द्वारा डिटेन किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि शामली से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया, जिससे प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। किसान नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने के अधिकार में बाधा डालने वाला कदम बताया।

ट्रैक्टरों के दम पर दिल्ली पहुंचने का किया ऐलान

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने कहा कि सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है और विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार यह सोचती है कि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बाधित करके किसानों को दिल्ली जाने से रोक लिया जाएगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। किसान नेताओं ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन के पास अपने ट्रैक्टर हैं, जो उनके अनुसार किसी टैंक से कम नहीं हैं। यदि शीर्ष नेतृत्व की ओर से दिल्ली कूच का आह्वान किया गया तो किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ दिल्ली पहुंचने के लिए तैयार हैं।

सरकार पर किसान विरोधी होने का लगाया आरोप

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार किसान हितैषी होने का दावा तो करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और सरकार को इस अधिकार का सम्मान करना चाहिए। किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे सीजेपी के समर्थन में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और आगे भी शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शों के अनुसार आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

खाप चौधरियों और भाकियू कार्यकताओं की रही भागीदारी

शनिवार को हुए प्रदर्शन में खाप चौधरियों के साथ भारतीय किसान यूनियन के विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों और विरोध से संबंधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। इस दौरान किसानों ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि आगे का आंदोलन राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर तय किया जाएगा। फिलहाल शामली कलेक्ट्रेट में हुए इस प्रदर्शन के माध्यम से किसान संगठन ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए सरकार के सामने अपनी बात रखी।

एसडी इंटर कॉलेज में माध्यमिक विद्यालयी शैक्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ

800 मीटर और 100 मीटर दौड़ में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विभिन्न वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों का रहा शानदार प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। एसडी इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर के क्रीड़ा स्थल पर माध्यमिक विद्यालयी बालक-बालिका शैक्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ उत्साह एवं खेल भावना के साथ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर कंडारकर एवं जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएवी इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य शिवकुमार यादव तथा एसडी इंटर कॉलेज के उप प्रबंधक दिनेश मोहन एडवोकेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सह जिला विद्यालय निरीक्षक सुधीर कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर खेल भावना, अनुशासन, परिश्रम और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत 800 मीटर सीनियर बालक एवं बालिका वर्ग की दौड़ में अनमोल बालियान, प्रशांत, हिमांश तथा खुशी, शगुन और रूपाली ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग की दौड़ में वंश राठी, सुधांशु, रवि तथा अदिति, पूजा और प्रीति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किए। 600 मीटर सब-जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग में हिमांशु, नैतिक, सागर तथा फिजा, दिव्या और महबिश ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 100 मीटर सीनियर बालक एवं बालिका वर्ग की प्रतियोगिता में समीर, रिहान, वंश तथा तांसी, जानवी और पूजा के नाम उपलब्ध कराए गए परिणामों में शामिल रहे। जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में अक्षित शर्मा, अक्षित शर्मा, आरिस एवं कृष्णा तथा वैष्णवी, जीविका और निक्की के नाम दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त बालक वर्ग में आदित्य पाल, देव और अक्षय तथा बालिका वर्ग में फिजा, तमन्ना और हुमायरा के नाम भी परिणाम सूची में शामिल रहे। आयोजकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची में कुछ वर्गों के नाम और स्थानों का क्रम स्पष्ट नहीं होने के कारण उनके स्थानों का अलग-अलग निर्धारण नहीं किया गया। प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों की रही सहभागिता प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाचायाओं ने सहभागिता की। इनमें डॉ. रंजन सिंह पुंडीर, कैप्टन प्रवीण चौधरी, हरपाल सिंह, विनय यादव, निर्विकार आनंद, सुभाष चन्द, पदमाकर यादव, डॉ. कविता गुप्ता, अजय कुमार, फूलचंद, संजय कुमार, देवेश कुमार, डॉ. त्रिवेंद्र कुमार, अमित कुमार, डॉ. रविन्द्र कुमार, रविन्द्र, डॉ. लोकेश वर्मा, प्रदीप गर्ग, प्रवीण कुमार, सुभाष सिंह, श्यामगोपाल गुप्ता, सारिका, सुमित्रा सिंह, किरण, डॉ. हेमलता तथा डॉ. राजबल सैनी सहित अन्य गणमान्य शिक्षाविद उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में एनएफसी प्रभारी प्रमोद कुमार, जिला खेल सचिव सत्यकाम तोमर, डॉ. राहुल कुशवाहा, राहुल राणा, मनोज कुमार, वीरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, गया प्रसाद प्रजापति, अक्षय कुमार, अमित कुमार, विपिन त्यागी, शुभम पाल, तेज प्रताप वाजपेई, हंस कुमार, नीरज कुमार, प्रवेश कुमार, आकाश कुमार, उधम सिंह, प्रदीप लाल, विकास मोतला, रमेश कुमार, रवि

रंग संसार

शाहरुख खान के करियर की शुरूआत में मसीहा बने थे नाना पाटेकर, 'किंग खान' को जेल से निकाला था बाहर

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई लोग दुखी हैं। इनमें शाहरुख खान भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरूआत में 1992 की फिल्म 'राजू बन गया जेंटलमैन' में नाना के साथ काम किया था। नाना के निधन के बाद, सोशल मीडिया पर शाहरुख खान का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह याद करते हैं कि कैसे दिवंगत अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री में नए होने के दौरान उन्हें जेल से बाहर निकलने में मदद की थी। एक इवेंट में रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में, शाहरुख खान ने बताया कि 1990 के दशक की शुरूआत में वे कैसे जेल गए थे। एक्टर ने कहा कि उस समय वे मुंबई और फिल्म इंडस्ट्री में नए थे और हाल ही में गौरी खान से उनकी शादी हुई थी।एक मैगजीन ने शाहरुख और उनकी एक को-स्टार के बीच अफेयर की ओर इशारा करते हुए एक आर्टिकल छापा था, जिससे गौरी परेशान हो गईं और एक्टर को बहुत गुस्सा आया। आर्टिकल से नाराज होकर, शाहरुख ने उस पत्रकार से बात करने का फैसला किया और अपने ससुर से मिली एक रस्मी तलवार लेकर उसके घर पहुंच गए। अपनी गलती मानते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने बहुत बुरा बर्ताव किया। मुझे जेल जाना पड़ा। मेरे ससुर ने मुझे एक तलवार दी थी, जैसा कि पंजाबी शादियों में होता है। मैं वही तलवार लेकर उस पत्रकार के घर गया। मेरे ससुर, जो एक आर्मी ऑफिसर हैं, ने कहा था, 'बेटा, तुम्हें मेरी बेटी की रक्षा करनी है'। उनकी बेटी को कोई कुछ नहीं कह रहा था, लेकिन मुझे लगा कि यह एक अच्छा हथियार है, जिसे इंडियन आर्मी ने मंजूरी दी है'। नाना पाटेकर ने मुझे जेल से बाहर निकाला- शाह रुख शाहरुख ने बताया कि उन्होंने एक पत्रकार के घर पर लोगों को धमकाया था और एक युवक के पैरों को घायल कर दिया था। बाद में, जब वह 'कभी हां कभी ना' की शूटिंग कर रहे

राज काज

क्रेडिट कार्ड ओवरलिमिट सुविधा के फायदे, नुकसान और भारी शुल्क से बचने के तरीके

नई दिल्ली। आज देश में बड़ी संख्या में लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। कई बार आपात स्थिति में लोगों पर क्रेडिट कार्ड की तय सीमा (अप्रूव्ड लिमिट) से ज्यादा खर्च आ जाता है। क्रेडिट कार्ड की 'ओवरलिमिट' सुविधा से ऐसे खर्च से निपटा जा सकता है। हालांकि, इस सुविधा का इस्तेमाल करने में सावधानी बरतनी चाहिए। इसका कारण यह है कि इसके लिए आपको काफी भारी शुल्क देना पड़ सकता है। आइए जानते हैं क्रेडिट कार्ड ओवरलिमिट सुविधा और इससे जुड़े शुल्कों के बारे में... प्रत्येक क्रेडिट कार्ड से पैसा खर्च करने की एक तय सीमा होती है। यह सीमा कार्डधारक की योग्यता के आधार पर तय की जाती है। प्रत्येक क्रेडिट कार्ड के साथ एक ओवरलिमिट सुविधा भी जुड़ी होती है। यह एक ऐसी सुविधा है जिससे कार्डधारक अपनी तय सीमा से अधिक खर्च कर सकता है। यह खर्च कार्ड जारी करने वाली शर्तों के अधीन होता है। मान लीजिए, आपके कार्ड की क्रेडिट लिमिट 50 हजार रुपये है। इस सुविधा का इस्तेमाल करके आप अपने क्रेडिट कार्ड से 50 हजार रुपये से अधिक का लेनदेन कर सकते हैं। क्रेडिट कार्ड पर ओवरलिमिट की सुविधा स्वतः यानी आटोमैटिक नहीं मिलती है। इसके लिए कार्ड धारक को कार्ड जारी करने वाली संस्था को स्पष्ट सहमति देनी होती है। क्रेडिट कार्ड ओवरलिमिट के लिए कार्ड जारी करने वाली कंपनियों की पहले से तय एक नीति होती है और इस नीति के आधार पर ही कार्ड जारी करने वाली कंपनी ओवरलिमिट सुविधा देती है। नियमों, शर्तों, जोखिम आकलन और पहले से तय नीति के आधार पर क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली संस्था ओवरलिमिट लेनदेन को अस्वीकार या रोक सकती है।कितना शुल्क देना होगा

आमतौर पर प्रमुख वित्तीय संस्थान तय क्रेडिट सीमा से ज्यादा खर्च की गई राशि पर लगभग 2.5 प्रतिशत क्रेडिट कार्ड ओवरलिमिट फीस लेती हैं। इस पर कम से कम 500-600 रुपये का चार्ज और जीएसटी भी लगता है। यह फीस बैंकों और क्रेडिट कार्ड के प्रकार के आधार पर अलग-अलग हो सकती है।

दैनिक राशिफल रविवार 11 अक्टूबर 2026

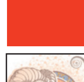

मेष – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा।

वृष – अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

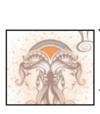

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कर्क – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह– मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

कन्या – जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे।

तुला – प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

वृश्चिक – स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं।

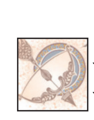

धनु – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने.के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मङ्कषचतन करें।

मकर – लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कुंभ – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा।

मीन – धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

दैनिक पंचांग

11 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

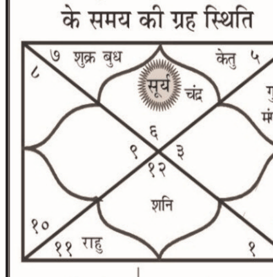

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरू	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.27 बजे से
वृश्चिक	08.42 ब.से
धनु	10.58 बजे से
मकर	13.03 बजे से
कुंभ	14.50 बजे से
मीन	16.23 बजे से
मेष	17.53 बजे से
वृष	19.33 बजे से
मिथुन	21.31 बजे से
कर्क	23.45 बजे से
सिंह	02.01 बजे से
कन्या	04.13 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 284 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 21.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 22.33 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 21.06 बजे को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 09.22 बजे तदनन्तर बव 21.32 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872859 **जूलियन दिन** 2461324.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 29 **विशेष** नवरात्रि प्रारम्भ, घटस्थापना, महाराजा अग्रसेन व नानाजी देशमुख जयंती।

दिन का चौघड़िया		राात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शुकतीर्थ में सर्वपितृ अमावस्या पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब: मोक्षदायिनी गंगा में लगाई आस्था की डुबकी, बदहाली पर फूटा लोगों का गुस्सा

गंगा घाटों पर गूंजे हर-हर गंगे के जयकारे

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक एवं ऐतिहासिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या का पर्व अत्यंत श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाने और अपने पूर्वजों का स्मरण करने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर की पहली किरण के साथ ही गंगा घाटों पर हर-हर गंगे के जयकारे गूंजने लगे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सर्वपितृ अमावस्या के पुण्य अवसर पर सुबह से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम निर्बाध रूप से जारी रहा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाकर अपने पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना करते हुए विशेष पूजा-अर्चना, तर्पण एवं दान-पुण्य के अनुष्ठान संपन्न कराए। तीर्थनगरी में आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से गंगा घाटों एवं प्रमुख मार्गों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे तथा पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। तीर्थनगरी के विद्वान पंडित शरद शर्मा ने सर्वपितृ अमावस्या का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि सनातन परंपरा में यह तिथि पितरों को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अंतिम एवं सर्वश्रेष्ठ अवसर होती है। उन्होंने बताया कि इस दिन पितरों के निमित्त श्रद्धापूर्वक तर्पण, पूजा-पाठ, यथाशक्ति दान तथा गंगा स्नान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी अगाध आस्था और विश्वास के चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु शुकतीर्थ में एकत्र होते हैं। गंगा स्नान एवं पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं का रुख तीर्थनगरी के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की ओर रहा। श्रद्धालुओं ने क्षेत्र के प्रमुख आश्रमों एवं मंदिरों में जाकर भगवान के दिव्य दर्शन किए और सिद्ध संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान शुकतीर्थ स्थित प्रसिद्ध श्रीशुकदेव आश्रम, हनुमद्धाम, दण्डी आश्रम तथा तिलकधारी आश्रम में पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और विशाल मेले जैसा माहौल बना रहा।

बदहाल सफाई व्यवस्था पर भड़के स्थानीय लोग और श्रद्धालु

एक ओर जहां श्रद्धालुओं में अपार श्रद्धा देखने को मिली, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की लचर व्यवस्था ने श्रद्धालुओं के उत्साह को प्रभावित किया। तीर्थवासी संदीप सैनी, सोनू बावराज, अखिल ठाकुर और श्रवण कुमार सहित अनेक स्थानीय निवासियों ने गंगा घाट पर चारों तरफ फैली गंदगी और अव्यवस्था पर कड़ा रोष प्रकट किया। स्थानीय नागरिकों का कहना था कि इतने बड़े धार्मिक पर्व के बावजूद स्थानीय प्रशासन द्वारा साफ-सफाई के कोई पुख्ता और पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे, जिसके कारण श्रद्धालुओं को गंदगी एवं बदबू के बीच स्नान करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

खतौली तहसील में फूटा लेखपालोंका गुस्सा: मांगें पूरी न होने पर 17 अक्टूबर से कलमबंद हड़ताल, ग्रेड पे और लैपटॉप-मोबाइल की मांग

उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आव्हान पर आंदोलन की राह पर राजस्वकर्मी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा खतौली ने अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। तहसील परिसर में आंदोलन को तेज करते हुए लेखपालों ने शासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का निस्तारण शीघ्र नहीं किया गया, तो आगामी 17 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में कलमबंद हड़ताल कर सरकारी कामकाज का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। संघ के इस कड़े रुख से जिले भर में राजस्व संबंधी महत्वपूर्ण कार्य ठप होने की आशंका बन गई है।

काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

प्रदेशभर में लेखपाल संघ का यह आंदोलन गत 3 अक्टूबर से धरने के साथ शुरू हुआ था। आंदोलन की अगली कड़ी में 10 अक्टूबर को समाधान/थाना दिवस के अवसर पर लेखपालों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया और ऑनलाइन विभागीय कार्यों का बहिष्कार किया। संघ द्वारा तय चरणबद्ध आंदोलन के तहत 12 अक्टूबर को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं, 14 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर जनपद के सभी लेखपाल कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याओं को रखेंगे।

ग्रेड पे बढ़ाने और लैपटॉप-मोबाइल की मुख्य मांग

लेखपाल संघ अपनी कई पुरानी व जायज मांगों को लेकर लामबंद है। संघ की मुख्य मांगों में लेखपालों का प्रारंभिक वेतनमान बढ़ाकर लेवल-5 (2800 ग्रेड पे) करने, वेतन विसंगतियों को तत्काल दूर करने, स्थानांतरण नीति लागू करने तथा पदोन्नति सूची जारी करना शामिल है। इसके अलावा लेखपालों ने विशेष भत्तों में वृद्धि और कार्यस्थल पर आवश्यक भौतिक संसाधन उपलब्ध कराने की पुरजोर मांग की है।

तकनीकी संसाधनों के बिना ऑनलाइन काम करने में असमर्थता

संसाधनों की कमी पर चिंता जताते हुए संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल दौर के कारण लेखपालों से सभी कार्य ऑनलाइन कराए जा रहे हैं। ऐसे में बिना सरकारी लैपटॉप और मोबाइल के इन कार्यों को सुचारु रूप से समय पर पूरा करना संभव नहीं हो पा रहा है। लेखपालों ने मांग की है कि उन्हें तत्काल आवश्यक डिजिटल गैजेट्स उपलब्ध कराए जाएं तथा ग्राम सचिवालयों में बैठने व कार्य करने हेतु बुनियादी सुविधाएं बहाल की जाएं। लेखपाल संघ के प्रतिनिधियों ने शासन और उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से अपील की है कि वे कर्मचारियों की समस्याओं पर संवेदनशीलता से विचार कर जल्द से जल्द समाधान निकालें। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि समय रहते सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो 17 अक्टूबर से हड़ताल के माध्यम से आंदोलन को और अधिक उग्र एवं व्यापक रूप दिया जाएगा।

रोहन राठी हत्याकांड को लेकर भाकियू तोमर में रोष, जल्द पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलने की चेतावनी

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने परिजनों से की मुलाकात, कहा- पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए संगठन उनके साथ खड़ा है

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने पुरकाजी ब्लॉक के गांव हैराटी में विवेक राठी प्रधान के आवास पर पहुंचकर चर्चित रोहन राठी हत्याकांड के मामले में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए परिजनों को आश्वासन दिया कि दुख की इस घड़ी में संगठन उनके साथ खड़ा है और रोहन राठी को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए चेतावनी दी कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच और संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन (तोमर) जल्द ही पुलिस विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलेगी। मुलाकात के दौरान रोहन राठी के पिता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर को बताया कि 23 सितंबर की रात उनके बेटे की हत्या कर दी गई थी। घटना को लगभग 15 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस की कार्रवाई से परिवार संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि न्याय की उम्मीद लेकर वह बार-बार पुलिस कप्तान के कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक उन्हें ऐसी कार्रवाई दिखाई नहीं दी, जिससे परिवार को न्याय मिलने का भरोसा हो सके। रोहन राठी के पिता ने पुलिस द्वारा दो आरोपियों को जेल भेजे जाने की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि जिन लोगों को जेल भेजा गया है, उनका मामला केवल बाइक चोरी से संबंधित है, जबकि उनके बेटे की मौत की परिस्थितियां गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने आशंका जताई कि रोहन राठी के साथ पहले मारपीट की गई और इसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या की गई। पीड़ित परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की।

महापंचायत में भी उठाया था रोहन राठी हत्याकांड का मुद्दा

भाकियू (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि संगठन ने मुजफ्फरनगर के जीआईसी मैदान में आयोजित किसान बचाओ-देश बचाओ महापंचायत में भी रोहन राठी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग प्रमुखता से उठाई थी। इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी अधिकारियों को सौंपा गया था, जिसमें पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई थी।

चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को न्याय के लिए बार-बार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ें, यह उचित नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संगठन इस मामले को गंभीरता से उठाएगा और परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रशासन एवं पुलिस के समक्ष अपनी आवाज बुलंद करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही मामले में संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती है तो भाकियू (तोमर) पुलिस विभाग के खिलाफ आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। रोहन राठी हत्याकांड को लेकर परिजनों में व्याप्त नाराजगी के बीच भाकियू (तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष की इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच, घटना के वास्तविक तथ्यों को सामने लाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। चौधरी संजीव तोमर ने दोहराया कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए संगठन पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा रहेगा।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी, पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष दिलशाद राणा, अजय त्यागी, सुमित, शमशाद, हनी बालियान, दीपक तोमर, अरुण कश्यप, रविंदर गुर्जर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खतौली में एनएसएस का वृक्षारोपण अभियान: सेवा संकल्प के तहत रोपे गए पौधे

श्री कुंद कुंद जैन पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्थानीय श्री कुंद कुंद जैन पीजी कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय परिसर में हरित वातावरण का निर्माण करना, पर्यावरण का संरक्षण करना तथा छात्र-छात्राओं में प्रकृति व पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता एवं जागरूकता विकसित करना रहा।

पौधे लगाने और उनकी देखभाल का दिया संदेश कार्यक्रम के दौरान प्रवक्ताओं एवं अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने, केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनकी नियमित देखरेख और सुरक्षा करने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने का संदेश दिया गया।

प्राचार्या के मार्गदर्शन में मिली प्रेरणा

यह संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनके निर्देशन में आयोजित इस अभियान ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने और प्रकृति को सहेजने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षकगण व सहयोगियों की रही विशेष उपस्थिति वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिवार के अनेक शिक्षक व गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर इंजीनियर आशीष जैन, डॉ.विषु, डॉ.पारुल, निखिल, श्रीमती एकता राजपूत, कुमारी राधा, सचिन कुमार, डॉ. संजीव कुमार तथा विश्वजीत मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सुचारू एवं सफल बनाने में रमेश कुमार व समय सिंह का विशेष योगदान एवं सहयोग रहा। कार्यक्रम के सफल समापन पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी विकास जैन ने महाविद्यालय प्रबंधन, प्राचार्या, उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा उत्साही विद्यार्थियों का इस हरित पहल में अपना सहयोग देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

खरीदारी अनुभव के लिए स्मार्ट बाजार पहुंचे एम.जी. पब्लिक स्कूल के नन्हे विद्यार्थी

मुजफ्फरनगर। एम.जी. पब्लिक स्कूल के किंडरगार्टन अनुभाग के यूकेजी विद्यार्थियों के लिए लिंक रोड, गांधी कॉलोनी स्थित स्मार्ट बाजार में एक विशेष शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर दैनिक जीवन की गतिविधियों से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बाजार में वस्तुओं की उपलब्धता, उनके चयन, खरीदारी की प्रक्रिया तथा खरीदे गए सामान को बदलने से संबंधित बुनियादी जानकारी प्राप्त की।

एम.जी. पब्लिक स्कूल प्रांगण से प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने यूकेजी के छात्र छात्राओं को उनके शिक्षक-शिक्षकाओं के साथ सवेरे इस शैक्षिक भ्रमण के लिए रवाना किया। बच्चों ने स्मार्ट बाजार पहुंचकर वहां पर विभिन्न उत्पादों को देखकर उनकी पहचान की और बाजार में सामान के सुव्यवस्थित रखरखाव तथा खरीद-बिक्री की व्यवस्था को समझा। यहां पर बच्चों ने खरीदारी भी की और एक सुखद अनुभव करते हुए भरपूर आनंद उठाया। इस दौरान बच्चे उत्साहित और उल्लासित नजर आये।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने कहा कि बचपन सीखने और नई चीजों को समझने की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था है। जब बच्चों को पुस्तकों में पढ़ाई जाने वाली अवधारणाओं को वास्तविक जीवन में देखने और समझने का अवसर मिलता है, तो उनका ज्ञान अधिक स्थायी और प्रभावी बनता है। उन्होंने बताया कि इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान के साथ अवलोकन, संवाद, निर्णय लेने और सामाजिक व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण कौशल सीखने का अवसर मिला। वास्तविक परिवेश में आयोजित इस अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधि ने बच्चों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया और उन्हें रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाली प्रक्रियाओं से सहज रूप से परिचित कराया। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी में जिज्ञासा, आत्मविश्वास, स्वतंत्र चिंतन और व्यवहारिक समझ विकसित हो। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। ऐसे शैक्षिक भ्रमण बच्चों में सीखने के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें वास्तविक दुनिया से जोड़ने में सहायक होते हैं।

शक्ति क्लब की रामलीला में हुआ श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म का सुंदर मंचन

श्रृंग ऋषि के यज्ञ और चारों राजकुमारों के जन्म की लीला ने मोहा दर्शकों का मन, विश्वामित्र श्रीराम-लक्ष्मण को लेकर पहुंचे वन

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव 2026 में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म की सुंदर एवं भावपूर्ण लीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से रामायण के पावन प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लीला का शुभारंभ शक्ति क्लब के मुख्य संरक्षक मुकेश गोयल ने फीता काटकर किया। वहीं, लीला के मुख्य अतिथि श्री बालाजी दरबार के गुरुजी पंकज जिंदल ने अपने सहयोगी इंजीनियर पंकज बरूकी वाले के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। रामलीला मंचन के दौरान दिखाया गया कि राजा दशरथ के यहां पुत्र प्राप्ति के लिए श्रृंग ऋषि द्वारा यज्ञ कराया जाता है। यज्ञ संपन्न होने के बाद प्रसाद तीनों रानियों को दिया जाता है, जिसके फलस्वरूप महारानी कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा के यहां चार राजकुमारों का जन्म होता है। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म के प्रसंग का कलाकारों ने बड़े ही मनमोहक अंदाज में मंचन किया। इस प्रसंग के दौरान दर्शकों में उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इसके बाद लीला में गुरु विश्वामित्र के आगमन का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। गुरु विश्वामित्र राजा दशरथ से अपने यज्ञों की रक्षा के लिए श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ वन में ले जाने का आग्रह करते हैं। गुरु की आज्ञा और धर्म की रक्षा के उद्देश्य से श्रीराम और लक्ष्मण उनके साथ जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। इस प्रसंग का भी कलाकारों ने प्रभावशाली मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला में राजा दशरथ की भूमिका अज्जू शर्मा, श्रीराम की भूमिका सौरभ, लक्ष्मण की भूमिका वैभव, भरत की भूमिका शिवम अरोरा, शत्रुघ्न की भूमिका शिवा पाल, श्रृंग ऋषि की भूमिका रिंकू कटारिया, कौशल्या की भूमिका हर्षित गोयल, सुमित्रा की भूमिका कृष्णा तथा कैकेयी की भूमिका भोला मदारी रिंकू ने निभाई। वहीं, गुरु विश्वामित्र के रूप में निर्देशक नवनीत वर्मा ने शानदार अभिनय कर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी, संत रविदास नगर के नाम को लेकर सौंपा आभार पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें संत रविदास जी के नाम और सम्मान को पुनः प्रतिष्ठित करने के निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार की ओर से मुख्यमंत्री को एक आभार-पत्र भी सौंपा गया। पत्र में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचारों, सामाजिक समरसता, समानता, मानवता और समतामूलक समाज की स्थापना में उनके योगदान का उल्लेख किया गया। पत्र में कहा गया कि संत रविदास जी केवल महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सद्भाव और समानता के प्रेरणास्रोत भी हैं। उनकी अमर वाणी ह्लमन चंगा तो कठौती में गंगाह्व आज भी करोड़ों लोगों को सद्भाव और मानवता का मार्ग दिखाती है।

आभार-पत्र में उल्लेख किया गया कि पूर्व में बहुजन समाज पार्टी की सरकार के दौरान जनपद भदोही का नाम बदलकर संत रविदास नगर रखा गया था, लेकिन बाद में समाजवादी पार्टी की सरकार ने इसका नाम पुनः भदोही कर दिया था। ऐसे में संत रविदास जी के नाम और सम्मान को पुनः प्रतिष्ठा प्रदान करने से उनके करोड़ों अनुयायियों तथा दलित समाज में हर्ष, गौरव और आत्मसम्मान की भावना मजबूत हुई है। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महापुरुषों का सम्मान और सामाजिक समरसता की भावना समाज की सांस्कृतिक चेतना एवं सामाजिक एकता का अभिन्न अंग है। संत रविदास जी के विचार समानता, मानवता, बंधुत्व और भेदभावमुक्त समाज की स्थापना के लिए आज भी प्रासंगिक हैं।

पत्र में विश्वास जताया गया कि मुख्यमंत्री का यह कदम संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में प्रेरणादायी सिद्ध होगा। साथ ही, समस्त दलित समाज और संत रविदास जी के अनुयायियों की ओर से इस निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक न्याय, सर्वसमाज के उत्थान और महापुरुषों के सम्मान की भावना को निरंतर मजबूत बनाए रखने की अपेक्षा जताई गई।

इस मुलाकात और आभार-पत्र के माध्यम से कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार एवं रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने संत रविदास जी के सम्मान, सामाजिक समरसता और समाज में समानता के संदेश को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

भोकरहेड़ी में जन्मदिन पार्टी के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग से गूंजा कस्बा: दहशत में लोग घरो में दुबके, घर पर बैठा पहरा

बेखौफ हमलावरों ने 15 मिनट तक की ताबड़तोड़ फायरिंग, पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचे

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक में शुक्रवार रात दबंगों की खुलेआम गुंडागर्दी और ताबड़तोड़ अंधाधुंध फायरिंग से क्षेत्र में भयानक दहशत फैल गई। लगभग 15 मिनट तक लगातार गोलियों की तड़तड़ाहट और गालियों के शोर से पूरा मोहल्ला थर्रा उठा। हमलावरों ने फायरिंग कर मकान के लोहे के भारी दरवाजे को गोलियों से छलनी कर दिया और दीवारों का प्लास्टर तक उखाड़ दिया। सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति को संभाला और आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू चौक निवासी राजीव के 15 वर्षीय पुत्र अभिनव का शुक्रवार शाम जन्मदिन मनाया जा रहा था। घर में राजीव, उनकी पत्नी कविता, पुत्री पीहू (20), पुत्र अभिनव तथा उनके बड़े भाई संजीव, भाभी बबली व भतीजा अभिषेक (25) मौजूद थे। रात करीब 10 बजे अचानक घर के बाहर दो कारों में सवार होकर आए हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही परिजन और आसपास के नागरिक खौफ के मारे घरों में दुबक गए और एक-दूसरे से मोबाइल पर संपर्क करते रहे।

दरवाजा छलनी, दीवारों पर उभरे दबंगई के निशान

दबंगों द्वारा की गई ताबड़तोड़ गोलियों से राजीव के घर का भारी लोहे का मुख्य गेट पूरी तरह छलनी हो गया। इसके अलावा मकान की दीवारों का प्लास्टर उखड़ गया और बाहर लगा बिजली का मीटर भी क्षतिग्रस्त हो गया। जान का खतरा देखते हुए गृहस्वामी राजीव ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी देहात अक्षय संजय महाडिक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमन सिंह तथा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली।

पांच नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा

घटना के संबंध में पीड़ित संजीव पुत्र रमेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कस्बे के ही कुछ युवक उनके पुत्र अभिषेक से पुरानी रंजिश रखते हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी बादल, निखिल उर्फ फाटा, हार्दिक, राजन (सभी निवासीगण भोकरहेड़ी) तथा आर्यन खेड़ा (निवासी तुगलकपुर, थाना पुरकाजी) व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में कारतूस के खोखे भी बरामद किए हैं।

पुरानी रंजिश में दिया गया घटना को अंजाम:एसपी देहात

इस वारदात की जड़ में दो पक्षों के बीच चली आ रही पुरानी रंजिश बताई जा रही है। बीते 3 अगस्त को कस्बे के बस स्टैंड पर बादल व निखिल के साथ मारपीट के मामले में 7 नामजद व आधा दर्जन अज्ञात पर मामला दर्ज हुआ था। उससे पूर्व बिजनौर जिले में एक बारात की चढ़त के दौरान भी दोनों पक्ष भिड़ चुके थे। एसपी देहात अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि फायरिंग की घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दबिश दी जा रही है।

वोट चोरी के खिलाफ दिल्ली जा रहे सपा सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक हिरासत में, जनपथ रोड पर पुलिस ने रोका

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे मुजफ्फरनगर के दोनों नेता, सांसद हरेंद्र मलिक बोले—जनता के वोट के अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी

मुजफ्फरनगर/नई दिल्ली। कथित वोट चोरी के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे समाजवादी पार्टी के सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव हरेंद्र मलिक और चरथावल विधायक पंकज मलिक को पुलिस ने जनपथ रोड पर रोककर हिरासत में ले लिया। दोनों नेता प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। इस घटनाक्रम के बाद मुजफ्फरनगर के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

जंतर-मंतर पहुंचने से पहले पुलिस ने रोका

समाजवादी पार्टी की ओर से कथित वोट चोरी के मुद्दे पर विरोध दर्ज कराने के लिए दिल्ली में प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया था। इसमें शामिल होने के लिए सांसद हरेंद्र मलिक और विधायक पंकज मलिक भी जा रहे थे। दोनों नेताओं को जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शन में भाग लेना था, लेकिन जनपथ रोड पर पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया और हिरासत में ले लिया।

सांसद हरेंद्र मलिक ने मताधिकार की लड़ाई जारी रखने की बात कही

इस घटनाक्रम को लेकर सांसद हरेंद्र मलिक के नाम से तैयार बयान के प्रारूप में कहा गया है कि वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए वे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने जनपथ रोड पर रोककर हिरासत में ले लिया। बयान के प्रारूप में उन्होंने कहा, हलोकतंत्र में जनता के वोट का अधिकार सर्वोपरि है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब मिलना चाहिए और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र की मजबूती

और जनता के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। पुलिस की कार्रवाई हमें अपने मुद्दे उठाने से रोक नहीं सकती। हम जनता की आवाज बनकर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।ह

वोट चोरी के मुद्दे पर सपा का विरोध

समाजवादी पार्टी कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर चुनावी प्रक्रिया और मतदाताओं के अधिकारों पर सवाल उठा रही है। पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के वोट का महत्व है और चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी शिकायतों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन के माध्यम से विरोध दर्ज कराने की तैयारी की गई थी।

मुजफ्फरनगर की राजनीति में घटनाक्रम की चर्चा

सांसद हरेंद्र मलिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, जबकि पंकज मलिक चरथावल विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। दोनों नेताओं को हिरासत में लिए जाने की खबर से जिले में सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच चर्चा तेज हो गई है। अब पुलिस की कार्रवाई के कारणों और दोनों नेताओं की रिहाई को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दोनों नेताओं को जनपथ रोड पर रोककर हिरासत में लिया गया। पुलिस ने किस आधार पर कार्रवाई की और इसके बाद दोनों नेताओं को कहां ले जाया गया, इसकी विस्तृत आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

शुक्रतारी के जंगल में निकला विशाल अजगर, गन्ने के खेत में देख किसान के उड़े होश

मोरना ब्लॉक के जंगल में अजगर दिखने से मचा हड़कंप, किसान बदर अली ने वन विभाग को दी सूचना, सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की तैयारी

मोरना। मोरना ब्लॉक क्षेत्र के शुक्रतारी गांव के जंगल में शनिवार सुबह उस समय हलचल मच गई, जब खेत में काम करने पहुंचे एक किसान को गन्ने के खेत में विशाल अजगर दिखाई दिया। अचानक सामने आए अजगर को देखकर किसान बदर अली घबरा गए। उन्होंने बिना देर किए वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम को मामले से अवगत कराया गया। वन विभाग ने अजगर को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की बात कही है। जानकारी के अनुसार, भोकरहेड़ी कस्बे के मोहल्ला काजियान निवासी किसान बदर अली शनिवार सुबह अपने खेत में काम करने के लिए शुक्रतारी गांव के जंगल में गए थे। वह खेत में काम कर रहे थे, तभी उनकी नजर गन्ने के खेत में मौजूद एक विशाल अजगर पर पड़ी। अजगर को देखकर वह कुछ देर के लिए सहम गए। खेतों में अजगर की मौजूदगी की जानकारी मिलते ही उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी, ताकि अजगर को सुरक्षित तरीके से वहां से हटाया जा सके और किसी प्रकार की अनहोनी की आशंका न रहे। किसान द्वारा अजगर दिखाई देने की सूचना शुक्रताल स्थित वन विभाग कार्यालय को दी गई। इसके बाद वन

विभाग के अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई। क्षेत्रीय वन दरोगा प्रवेश कुमार ने बताया कि शुक्रतारी क्षेत्र सेंचुरी क्षेत्र के अंतर्गत आता है। ऐसे क्षेत्रों में जंगली जीव-जंतुओं की मौजूदगी सामान्य बात है। प्राकृतिक वातावरण और जंगल से जुड़े होने के कारण यहां वन्यजीव दिखाई दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि अजगर को लेकर तत्काल घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन एहतियात बरतना जरूरी है। वन विभाग की ओर से अजगर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वन्यजीव को नुकसान न पहुंचे और ग्रामीणों को भी किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

गन्ने के खेतों में काम करते समय सतर्कता जरूरी शुक्रतारी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसान खेतों में काम करने जाते हैं। गन्ने की फसल घनी होने के कारण खेतों के भीतर मौजूद वन्यजीव कई बार आसानी से दिखाई नहीं देते। ऐसे में खेतों में काम करने वाले किसानों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। अजगर या किसी अन्य जंगली जीव के दिखाई देने पर उसके नजदीक जाने, उसे छेड़ने या खुद पकड़ने का प्रयास करने के बजाय वन विभाग को सूचना देना उचित है। फिलहाल वन विभाग की ओर से अजगर को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की बात कही गई है। किसान द्वारा समय रहते सूचना दिए जाने से वन विभाग को मामले की जानकारी मिल गई है। अब अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उसके प्राकृतिक वातावरण के अनुकूल स्थान पर छोड़ने की कार्रवाई की जानी है।

समाजवादी पार्टी कार्यालय में भावुक माहौल में मनाई गई स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि

सपा के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन, नेताजी के संघर्ष और समाजवादी विचारधारा को किया याद

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर शनिवार को मुजफ्फरनगर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक संघर्ष, समाजवादी विचारधारा और गरीबों, किसानों, मजदूरों तथा समाज के कमजोर वर्गों के हितों के लिए किए गए कार्यों को याद किया गया। वक्ताओं ने नेताजी के सार्वजनिक जीवन और समाजवादी आंदोलन में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नेताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में आम लोगों, किसानों, मजदूरों, पिछड़ों और वंचित वर्गों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनकी राजनीति में जनसंपर्क,

सामाजिक न्याय और आम लोगों के अधिकारों की बात महत्वपूर्ण रही। कार्यकर्ताओं ने उनके बताए रास्ते पर चलते हुए जनता के बीच सक्रिय रहने और समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन और समाज के कमजोर वर्गों के लिए किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई से जुड़ा रहा। उन्होंने किसानों, गरीबों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और नौजवानों से जुड़े मुद्दों को हमेशा प्रमुखता देने का प्रयास किया। जिया चौधरी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव की विचारधारा आज भी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का आधार है। नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाए और जरूरतमंदों की समस्याओं को उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाजवादी सिद्धांतों के अनुरूप जनता के बीच रहकर काम करने और सामाजिक न्याय की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूर्व सांसद कादिर राणा, राष्ट्रीय सचिव राजकुमार यादव, राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, प्रदेश सचिव इलम सिंह, प्रदेश सचिव नौशाद अली, प्रदेश सचिव सुखपाल ठाकुर और हाजी लियाकत प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा जिला महासचिव सोमपाल कोरी, जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र पंवार, महिला सभा की जिलाध्यक्ष पूजा अंबेडकर, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष राशिद मलिक, अंबेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्ष लोकेंद्र कुमार और अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष अब्दुल्ला कुरैशी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। जिला उपाध्यक्ष रविकांत त्यागी, रमेश चंद शर्मा, गोल्डी अहलावत, ओमपाल सिंह चेयरमैन, पूर्व महानगर अध्यक्ष अंसार आढ़ती, अलीम सिद्दीकी, जिला सचिव सतवीर त्यागी, अनुज गुर्जर, पवन पाल और इमरान खान भी मौजूद रहे। विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी किया नमन कार्यक्रम में शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र पाल, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष नजर मोहम्मद और पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव रामपाल पाल ने भी शिरकत की। इनके साथ सलीम मलिक, साजिद हसन, शमशेर मलिक, गगन मावी, इसरार चौधरी, फरमान चौधरी और मौलाना शोएब भी उपस्थित रहे। इसके अलावा हारून खान, हाजी वसीम सभासद, जावेद सोल्जर, नदीम मलिक, नावेद रंगरेज, हसीन रंगरेज, दीप्ति पाल, तनवीर आलम, अर्जुन, श्याम सुंदर पाल, डॉ. अली शेर, आमिर डीलर, संदीप पाल और यूसुफ गौर सहित अन्य कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक जीवन, समाजवादी आंदोलन में उनके योगदान और जनता के साथ उनके जुड़ाव को याद किया गया। नेताओं ने कहा कि नेताजी ने लंबे समय तक प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके बताए रास्ते पर चलते हुए जनता के मुद्दों को उठाने, सामाजिक न्याय की भावना को आगे बढ़ाने और समाज के जरूरतमंद वर्गों के हितों के लिए काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रामलीला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था परखने पहुंचे एसपी सिटी अमृत जैन, पुलिसकर्मियों को दिए मुस्तैदी के निर्देश

श्रद्धालुओं और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोपरि, भीड़ प्रबंधन से लेकर आवागमन सुचारु रखने तक की व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर; संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद में धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। इसी क्रम में शनिवार, 10 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने थाना नई मंडी क्षेत्र में आयोजित रामलीला मंचन स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल पर मौजूद व्यवस्थाओं का बारीकी से आकलन करते हुए संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी सिटी ने स्पष्ट किया कि रामलीला देखने आने वाले श्रद्धालुओं, दर्शकों और आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। निरीक्षण के दौरान

एसपी सिटी अमृत जैन ने रामलीला स्थल पर उमड़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन स्थल पर आने-जाने वाले लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए और आवागमन सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भीड़ के कारण किसी भी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न न हो, इसके लिए पुलिसकर्मियों को पहले से सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ लोगों की सुविधा का ध्यान रखना भी आवश्यक है। पुलिसकर्मी अपने निर्धारित कर्तव्य स्थल पर मुस्तैद रहें और किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल प्रभावी कदम उठाएं। एसपी सिटी ने रामलीला मंचन स्थल के साथ-साथ उसके आसपास के क्षेत्रों में भी पुलिस की सतर्क निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न किया जाए। यदि किसी व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध दिखाई देती है या सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी कोई सूचना प्राप्त होती है, तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक नगर ने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर रहने और पूरी सतर्कता के साथ कार्य करने को कहा।

विस्फोटक अधिनियम के मुकदमे में वांछित आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद के लोनी का रहने वाला है गिरफ्तार आरोपी, रतनपुरी थाने में दर्ज है गंभीर धाराओं में मुकदमा

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रतनपुरी थाना पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी शोएब को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी गाजियाबाद जनपद के लोनी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा 10 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस नोट के अनुसार, यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन और पर्यवेक्षण में की गई। रतनपुरी पुलिस की टीम ने मामले में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। विस्फोटक अधिनियम समेत गंभीर धाराओं में दर्ज

है मुकदमा पुलिस के मुताबिक, आरोपी शोएब के खिलाफ थाना रतनपुरी में मुकदमा अपराध संख्या 58/2026 दर्ज है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125, 288 और 105 के साथ विस्फोटक अधिनियम, 1884 की धारा 9ई(1)(ए) के तहत कार्रवाई की गई है। इसी मुकदमे में आरोपी वांछित चल रहा था। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में कथित घटना के विस्तृत घटनाक्रम और आरोपी की गिरफ्तारी के स्थान की जानकारी नहीं दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान शोएब पुत्र सईद अहमद के रूप में हुई है। वह केला गोदाम गली, मोहल्ला डाबर तालाब, लोनी, थाना लोनी, जनपद गाजियाबाद का निवासी है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार, उसके खिलाफ फिलहाल इस मामले का आपराधिक विवरण दर्ज है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई वांछित आरोपी की गिरफ्तारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में की गई। अभियान में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह तथा रतनपुरी थाना प्रभारी महावीर सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। छह पुलिसकर्मियों की टीम ने संभाली जिम्मेदारी आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक इतरत अली, कांस्टेबल गजेंद्र मावी, कांस्टेबल प्रशांत कुमार, कांस्टेबल विष्णु, कांस्टेबल सुदेश और कांस्टेबल प्रवीण शामिल रहे। रतनपुरी पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के अभियान के तहत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी शिक्षक पर पत्नी ने लगाए दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म के प्रयास के आरोप, खतौली कोतवाली में मुकदमा दर्ज

शादी के बाद से स्कॉर्पियो और पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज मांगने का आरोप, ससुर पर कमरे में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश करने का दावा, कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगवाने और जेवर नहीं लौटाने की भी शिकायत

मुजफ्फरनगर। खतौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी एक सरकारी शिक्षक और उसके परिजनों के खिलाफ एक महिला ने दहेज उत्पीड़न, मारपीट, जान से मारने की धमकी और यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही उससे अतिरिक्त दहेज की मांग की जा रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। महिला ने अपने ससुर पर कमरे में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास करने का भी आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर खतौली कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। महिला ने खतौली कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उसका विवाह 31 जनवरी 2023 को खतौली क्षेत्र के गांव टिटौड़ा निवासी प्रमोद कुमार के साथ हुआ था। महिला के अनुसार, उसके मायके पक्ष ने शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए थे और दान-दहेज दिया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति, सास-ससुर, जेठ और जेठानियों ने कम दहेज लाने के ताने देने शुरू कर दिए। महिला का आरोप है कि उसका पति सरकारी शिक्षक है, इसी बात का हवाला देते हुए ससुराल पक्ष के लोग स्कॉर्पियो गाड़ी और पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज में लाने का दबाव बनाते थे। मांग पूरी करने से इनकार करने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। महिला का कहना है कि उसने सामाजिक प्रतिष्ठा और अपने माता-पिता की इज्जत के चलते काफी समय तक कथित उत्पीड़न सहन किया। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि शादी की पहली रात ही उसके पति ने उसकी इच्छा के विरुद्ध अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए। महिला के अनुसार, उसने इस व्यवहार का विरोध किया, लेकिन उसकी बात नहीं मानी गई। उसने आरोप लगाया कि इसके बाद भी उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। महिला ने अपनी शिकायत में 25 अगस्त 2025 की घटना का भी उल्लेख किया है। उसके अनुसार, सुबह करीब आठ बजे वह अपने कमरे में अकेली थी। इसी दौरान उसके ससुर कमरे में घुस आए और कथित रूप से दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला का आरोप है कि ससुर ने उस पर बच्चा पैदा करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और गाली-गलौज करते हुए घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई। महिला के मुताबिक, उसने शाम को अपने पति और सास को कथित घटना की जानकारी दी थी। आरोप है कि पति ने गांव और समाज में बदनामी होने की बात कहकर उसे चुप रहने के लिए कहा और भविष्य में ऐसी घटना नहीं होने देने का भरोसा दिया। महिला ने तहरीर में 22 मई 2026 की एक अन्य घटना का भी जिक्र किया है। आरोप है कि रात करीब आठ बजे उसके पति, सास और ससुर ने उसके साथ मारपीट की तथा अतिरिक्त दहेज की मांग दोहराई। महिला के अनुसार, मांग पूरी नहीं करने पर उसे और उसके परिवार के सदस्यों को झूठे मुकदमे में फंसाने तथा घर से निकालने की धमकी दी गई। महिला का आरोप है कि विरोध करने पर उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की गई और गाली-गलौज करते हुए धमकाया गया कि यदि उसने घटना की जानकारी मायके वालों को दी तो उसे जान से मार दिया जाएगा।

कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगवाने और जेवर नहीं लौटाने की शिकायत

महिला ने अपने ससुर पर कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगवाने का आरोप भी लगाया है।

तालाब की जमीन पर बेदखली के आदेश के बावजूद निर्माण कराने का आरोप, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जानसठ तहसील के गांव तिसंग में खसरा नंबर 2912 की भूमि का मामला, तहसीलदार के आदेश के बाद भी निर्माण जारी रखने की शिकायत, राजस्व विभाग की रिपोर्ट पर पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

मुजफ्फरनगर। जिले में सरकारी भूमि और तालाबों पर अवैध कब्जे के मामलों को लेकर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में जानसठ तहसील क्षेत्र के गांव तिसंग में तालाब की भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर निर्माण कराने के मामले में रतन सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोप है कि तालाब की भूमि पर कब्जे के मामले में तहसीलदार न्यायालय से बेदखली के आदेश पारित होने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा गया। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के आधार पर जानसठ पुलिस से संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया।

बेदखली के आदेश के बाद भी निर्माण जारी रखने का आरोप

राजस्व विभाग की ओर क्षेत्र लेखपाल भारती द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, ग्राम तिसंग, परगना जौली, तहसील जानसठ स्थित खसरा संख्या 2912 मि. में तालाब की भूमि का कुल रकबा 0.9110 हेक्टेयर दर्ज है। इस भूमि पर कथित कब्जे को लेकर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 67 के अंतर्गत वाद संख्या टी-202009550206709, ग्राम सभा बनाम रतन सिंह, तहसीलदार जानसठ के न्यायालय में चला था। इस मामले में एक मई 2025 को बेदखली के आदेश पारित किए गए थे। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि बेदखली के आदेश के बाद भी रतन सिंह निवासी गांव तिसंग, ने तालाब की भूमि के एक हिस्से पर निर्माण कार्य जारी रखा। राजस्व विभाग के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को निर्माण करने से रोका गया था, लेकिन कुछ समय बाद उसने दोबारा निर्माण शुरू कर दिया। मामले की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार ने भी मौके का निरीक्षण किया। तहरीर के मुताबिक, अधिकारियों ने संबंधित व्यक्ति को निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा, लेकिन इसके बावजूद तालाब की भूमि के कथित कब्जे वाले हिस्से पर निर्माण जारी रखने की शिकायत की गई। राजस्व विभाग ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया कि बेदखली के आदेश पारित होने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया। इसके बाद संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी गई। तहरीर में यह भी बताया गया है कि संबंधित भूमि के मामले में पुनर्स्थापना से जुड़ा एक अन्य वाद संख्या तहसीलदार जानसठ के न्यायालय में विचाराधीन है। इस वाद में अगली सुनवाई की तारीख 12 अक्टूबर 2026 निर्धारित होने का उल्लेख किया गया है। राजस्व विभाग ने इस न्यायिक कार्यवाही का हवाला देते हुए तालाब की भूमि पर कथित कब्जे और निर्माण के मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। प्रकरण में लेखपाल की रिपोर्ट के बाद राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार स्तर से भी कार्रवाई के लिए संस्तुति की गई। इसके बाद नौ अक्टूबर 2026 को थाना जानसठ के प्रभारी निरीक्षक को संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए रिपोर्ट भेजी गई। जिसमें रतन सिंह, निवासी गांव तिसंग, के खिलाफ तालाब की भूमि पर कथित अवैध कब्जे और बेदखली के आदेश के बावजूद निर्माण जारी रखने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व सांसद संजय चौहान की जयंती पर नसीरपुर में उमड़ी भीड़, चंदन चौहान ने पिता के सपनों को पूरा करने का लिया संकल्प

हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि, कई राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और रॉयल बुलेटिन के संपादक अनिल रॉयल रहे मौजूद

मुजफ्फरनगर। पूर्व सांसद स्वर्गीय संजय सिंह चौहान की जयंती पर शनिवार को नसीरपुर स्थित प्रेरणास्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में समर्थक और क्षेत्र के लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। कार्यक्रम में बिजनौर के सांसद चंदन चौहान ने अपने पिता को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने और किसानों, युवाओं तथा शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में संजय सिंह चौहान के परिवार के सदस्यों के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग भी मौजूद रहे। रॉयल बुलेटिन के संपादक अनिल रॉयल ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर स्वर्गीय संजय सिंह चौहान को याद किया। लोगों ने उनके राजनीतिक जीवन और क्षेत्र के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। बिजनौर के सांसद चंदन चौहान ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय संजय सिंह

चौहान ने हमेशा क्षेत्र के लोगों के हितों के लिए काम किया। किसानों की समस्याओं को उठाना, युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और शिक्षा के क्षेत्र में काम करना उनके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल था। चंदन चौहान ने कहा कि वह अपने पिता के सपनों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे। जनता के साथ उनके पिता के जो संबंध रहे, उन्हें बनाए रखना और लोगों की समस्याओं को उठाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे समर्थकों और लोगों के स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सांसद चंदन चौहान की पत्नी यशिका चौहान ने भी स्वर्गीय संजय सिंह चौहान को याद किया। उन्होंने कहा कि पिताजी को याद करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने अपने जीवन में लोगों के लिए कितनी मेहनत की और उनके साथ कैसे संबंध बनाए। यशिका चौहान ने कहा कि परिवार के लिए यह भावुक अवसर है। संजय चौहान को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों का स्नेह उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने भरोसा जताया कि परिवार लोगों के साथ अपने संबंध बनाए रखने और उनके काम आने का प्रयास करता रहेगा। स्वर्गीय संजय सिंह चौहान का परिवार लंबे समय से राजनीति में सक्रिय रहा है। उनके पिता बाबू नारायण सिंह ने वर्ष 1967 में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री का पद संभाला था। संजय सिंह चौहान ने वर्ष 1996 में मोरना विधानसभा सीट से विधायक के रूप में अपनी राजनीतिक पारी शुरू की। वर्ष 2009 में वह बिजनौर लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए। अब उनके बेटे चंदन चौहान बिजनौर से सांसद हैं और परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। नसीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार

मंत्री कपिल देव अग्रवाल, बागपत के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, शामली के विधायक प्रसन्न चौधरी, राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष संजय राठी और भाजपा जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पूर्व विधायक उमेश मलिक, पूर्व विधायक प्रमोद ऊटवालऔर पूर्व विधायक नूर सलीम राणा सहित अन्य नेता और हजारों समर्थक कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय संजय सिंह चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद चंदन चौहान ने अपने पिता के सपनों को पूरा करने और क्षेत्र के लोगों की सेवा जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

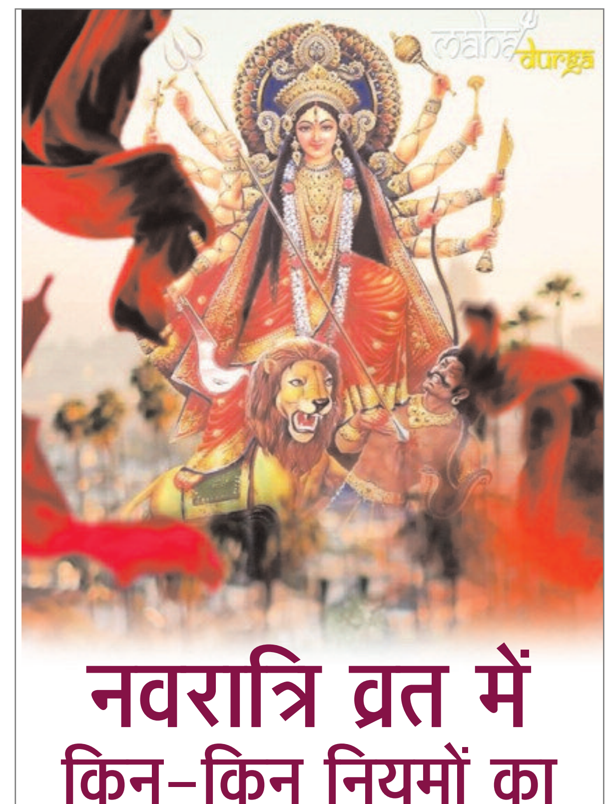

शारदीय नवरात्रि 2026:

11 अक्तूबर को नवरात्रि का पहला दिन

हिंदू धर्म में चार नवरात्रि मनाई जाती हैं, जिनमें शारदीय नवरात्रि को विशेष और प्रमुख माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान देवी मां की पूजा-अर्चना करने से भक्तों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

इस नवरात्रि के दौरान दुर्गाष्टमी और महानवमी जैसे पर्व भी मनाए जाते हैं। इसके साथ ही दशहरा, करवा चौथ और दिवाली जैसे बड़े पर्वों का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस साल 11 अक्तूबर 2026, रविवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। नवरात्रि के पहले दिन का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इसी दिन कलश स्थापना के साथ नवरात्रि की विधिवत शुरुआत की जाती है। इस दिन जौ बोने की भी परंपरा है।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

11 अक्तूबर 2026 को घट स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 19 मिनट से 10 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 44 मिनट से दोपहर 12 बजकर 31 मिनट तक रहेगा।

11 अक्तूबर का चौघड़िया

शुभ: सुबह 6:19 से 7:48 बजे तक
रोग: सुबह 7:48 से 9:17 बजे तक
उद्वेग: सुबह 9:17 से 10:46 बजे तक
चर: सुबह 10:46 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक
लाभ: दोपहर 12:15 से 1:44 बजे तक
अमृत: दोपहर 1:44 से 3:13 बजे तक
काल: दोपहर 3:13 से 4:42 बजे तक
शुभ: शाम 4:42 से 6:11 बजे तक

रात का चौघड़िया

अमृत: शाम 6:11 से 7:42 बजे तक
चर: शाम 7:42 से 9:13 बजे तक
रोग: रात 9:13 से 10:44 बजे तक
काल: रात 10:44 से 12:15 बजे तक
लाभ: रात 12:15 से 1:46 बजे तक
उद्वेग: रात 1:46 से 3:17 बजे तक
शुभ: रात 3:17 से 4:48 बजे तक
अमृत: सुबह 4:48 से 6:19 बजे तक

इस बार हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

शारदीय नवरात्रि 11 अक्तूबर से शुरू होंगे। इन नौ दिनों में दुर्गा मां के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाएगी। इस बार नवरात्रि पर कई शुभ योग बन रहे हैं। माता दुर्गा गज पर सवार होकर आएंगी, जो समृद्धि का प्रतीक है।

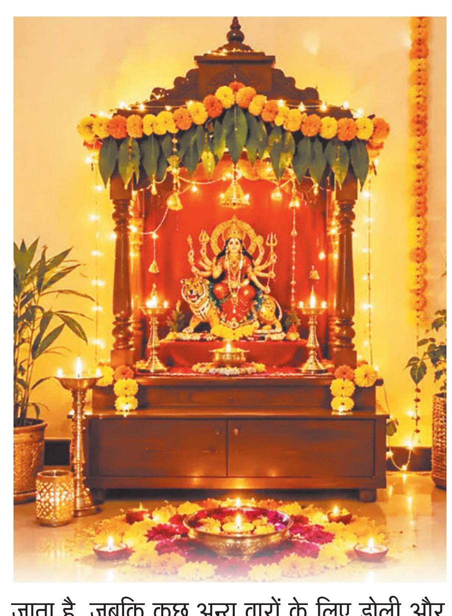

शारदीय नवरात्रि का पर्व इस बार 11 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के वाहन का विशेष महत्व होता है। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी।
शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व इस साल 11 अक्तूबर 2026, रविवार से शुरू होगा। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। भक्त माता की आराधना, व्रत और साधना के जरिए देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की उपासना करने से घर में सुख-शांति और सकारात्मकता बनी रहती है। इस बार नवरात्रि के आगमन और विदाई के वाहन को लेकर भी विशेष चर्चा है। मान्यता के अनुसार रविवार को नवरात्रि शुरू होने के कारण मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी, जबकि विजयादशमी मंगलवार को होने से माता का प्रस्थान मुर्गे यानी चरणायुध पर माना जा रहा है।
पंचांग के अनुसार इस बार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 11 अक्तूबर 2026 से होगी। नवरात्रि का पहला दिन रविवार को पड़ रहा है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा होगी और 19 अक्तूबर को अष्टमी और नवमी से जुड़े प्रमुख अनुष्ठान होंगे। इसके अगले दिन यानी 20 अक्तूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी।

इस बार हाथी पर आएंगी मां दुर्गा

धार्मिक मान्यताओं में नवरात्रि के पहले दिन पड़ने वाले वार के आधार पर देवी के आगमन का वाहन तय किया जाता है। मान्यता है कि यदि नवरात्रि की शुरुआत रविवार या सोमवार से हो तो मां दुर्गा का वाहन हाथी होता है। शनिवार या मंगलवार को नवरात्रि शुरू होने पर घोड़े को देवी का वाहन माना जाता है, जबकि कुछ अन्य वारों के लिए डोली और नौका की मान्यता बताई गई है। चूंकि वर्ष 2026 में शारदीय नवरात्रि का आरंभ रविवार से हो रहा है, इसलिए इस बार मां दुर्गा का आगमन गज यानी हाथी पर माना जा रहा है। धार्मिक मान्यता में हाथी को सुख-समृद्धि, स्थिरता और वैभव से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए देवी का हाथी पर आगमन शुभ संकेत माना जाता है।

हाथी पर मां का आगमन क्या संकेत देता है

हाथी को भारतीय परंपरा में शक्ति, स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इसी वजह से धार्मिक मान्यताओं में देवी का गज पर आगमन सुख-समृद्धि और अनुकूल परिस्थितियों का संकेत माना जाता है। कुछ परंपराओं में इसे अच्छी वर्षा और कृषि के लिए भी शुभ संकेत से जोड़ा गया है। हालांकि, ये धार्मिक मान्यताएं हैं और इन्हें भविष्य की निश्चित भविष्यवाणी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

किस वाहन पर होगी मां दुर्गा की विदाई

नवरात्रि के बाद विजयादशमी के दिन मां दुर्गा के प्रस्थान का वाहन भी उस दिन के वार के आधार पर तय करने की परंपरा है। इस साल विजयादशमी 20 अक्तूबर 2026, मंगलवार को होगी। प्रचलित शास्त्रीय मान्यता के अनुसार मंगलवार या शनिवार को देवी का प्रस्थान चरणायुध, जिसे परंपरा में मुर्गा या कुक्कुट कहा जाता है, पर माना जाता है। इसलिए इस बार मां दुर्गा की विदाई मुर्गे पर होने की मान्यता है। धार्मिक परंपराओं में इस वाहन को बहुत शुभ नहीं माना जाता और इसे सामाजिक अशांति, चिंता या चुनौतियों जैसे संकेतों से जोड़ा गया है। हालांकि ये ज्योतिषीय और धार्मिक मान्यताएं हैं, वैज्ञानिक रूप से इनके आधार पर किसी घटना की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा

नवरात्रि के नौ दिनों में देवी के नौ अलग-अलग स्वरूपों की आराधना की जाती है। पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कूष्मांडा, पांचवें दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी, सातवें दिन मां कालरात्रि, आठवें दिन मां महागौरी और नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। भक्त इन दिनों अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत रखते हैं, देवी पाठ करते हैं और घर में घटस्थापना कर माता की आराधना करते हैं। नवरात्रि का मूल भाव शक्ति, भक्ति और आत्मसंयम से जुड़ा है। इसलिए इन नौ दिनों में पूजा-पाठ के साथ मन, वचन और कर्म की शुद्धता पर भी ध्यान देने की परंपरा रही है।

नवरात्रि व्रत में किन-किन नियमों का करना चाहिए पालन

11 अक्तूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रहे हैं, जो 20 अक्तूबर को समाप्त होंगे। देवी के आने से सभी के जीवन में खुशियां और सुख-समृद्धि का वास होता है। इस दौरान घरों व पंडालों में माता का भव्य तरीके से स्वागत किया जाता है, जिसकी तैयारी महीने भर पहले शुरू हो जाती है। नवरात्रि के ये नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को पूरी तरह से समर्पित है। इस अवधि में देवी की विधि विधान से पूजा की जाती हैं। वहीं महिलाएं परिवार की तरक्की और खुशहाल जीवन के लिए नौ दिनों तक उपवास रखती हैं, जिससे माता रानी प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में उपवास रखने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। लेकिन व्रत के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाता है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल मिलता है।

नवरात्रि व्रत नियम

- हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। नवरात्रि के व्रत का पारण हमेशा कंजका का पूजन करने के बाद होता है। ऐसे में किसी भी कन्या व महिला को अपमानित न करें। हमेशा उनके प्रति सम्मान का भाव रखें।
- नवरात्रि का व्रत रख रहे लोगों को तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए। इस दौरान साधक को सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। इस दौरान दिन के अनुसार माता के स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। पूजा में हमेशा दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तसती का पाठ करें, इससे देवी प्रसन्न होती हैं।
- नवरात्रि में अगर आपने कलश स्थापना, अखंड ज्योति या चौकी लगाई है, तो घर को कभी खाली न छोड़े। ऐसा करना अशुभ होता है।
- यदि आप नौ दिनों का उपवास रख रहें हैं, तो बीच में व्रत न तोड़ें। यदि कोई गंभीर परिस्थिति है, तो देवी से क्षमा मांगे और व्रत नियमानुसार खोल लें।
- नवरात्रि के दिनों में घर में प्याज लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं रख रहें हैं, तब भी घर में इसका सेवन न करें।
- पैराणिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा घरों में भ्रमण करती हैं, तो घर को खाली न छोड़े। हमेशा घर में उजाला व रौनक बनाएं रखें, इससे सुख-समृद्धि का वास होता है।

अद्भुत, गोपनीय और रहस्यमयी हैं मां दुर्गा के 32 नाम

दानव महिषासुर के वध से प्रसन्न और निर्भय हो गए त्रिदेवों सहित देवताओं ने प्रसन्न भगवती से ऐसे किसी अमोघ उपाय की याचना की, जो सरल हो और कठिन से कठिन विपत्ति से छुड़ाने वाला हो। 'हे देवी! यदि वह उपाय गोपनीय हो तब भी कृपा कर हमें कहें।' मां भगवती ने अपने ही बत्तीस नामों की माला के एक अद्भुत गोपनीय रहस्यमय किंतु चमत्कारी जप का उपदेश दिया जिसके करने से घोर से घोर विपत्ति, राज्यभय या दारुण विपत्ति से ग्रस्त मनुष्य भी भयमुक्त एवं सुखी हो जाता है। मां दुर्गा को अपने यह 32 नाम अति प्रिय हैं। इन्हें सुनकर वे पुलकित हो जाती हैं।

कैसे करें जाप

देहशुद्धि के बाद कुश या कंबल के आसन पर बैठकर पूर्व या उत्तर की तरफ मुंह करके घी के दीपक के सामने इन नामों की 5/ 11/ 21 माला नौ दिन करनी है और जगत माता से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की याचना करनी है।

मां दुर्गा के 32 नाम

1.दुर्गा, 2.दुर्गातिशमनी, 3.दुर्गाद्विनिवारिणी, 4.दुर्गमच्छेदनी, 5.दुर्गसाधिनी, 6.दुर्गनाशिनी, 7.दुर्गतोद्धारिणी, 8.दुर्गनिहन्त्री, 9.दुर्गमापहा, 10.दुर्गमज्ञानदा, 11.दुर्गदैत्यलोकदवानला, 12.दुर्गमा, 13.दुर्गमालोका, 14. दुर्गमात्मस्वरुपिणी, 15.दुर्गमार्गप्रदा, 16. दुर्गम विद्या, 17.दुर्गमाश्रिता, 18.दुर्गमज्ञान संस्थाना, 19.दुर्गमध्यान भासिनी, 20. दुर्गमोहा, 21.दुर्गमगा, 22.दुर्गमार्थस्वरुपिणी, 23.दुर्गमासुर संहंत्रि, 24.दुर्गमायुध धारिणी, 25.दुर्गमांगी, 26.दुर्गमता, 27.दुर्गम्या, 28. दुर्गमेश्वरी, 29.दुर्गभीमा, 30.दुर्गभामा, 31. दुर्गमो, 32.दुर्गोद्धारिणी।

कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिए.

- सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।
- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए : गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत: कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत: इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामर्थ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डांडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं। नवरात्रि में इन सारी रीतियों के अनुसार पूजन करने व भेंट देने से देवी प्रसन्न होकर वर्ष भर के लिए सुख, समृद्धि, यश, वैभव, कीर्ति और सौभाग्य का वरदान देती है।

संक्षिप्त समाचार

अमिताभ बच्चन को दिल्ली हाई कोर्ट की दो टूक, मुकदमा आगे बढ़ाना है तो खुद होना होगा पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा से जुड़े अभिनेता अमिताभ बच्चन के मामले को आगे बढ़ाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम शर्त रखी है। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर अमिताभ बच्चन अपने व्यक्तित्व अधिकारों से जुड़े मुकदमे को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। कोर्ट ने कहा कि अगर बच्चन एक या अधिक प्रतिवादियों के साथ मामले को सुलझाने में असमर्थ रहते हैं और फिर कोर्ट में केस आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें कोर्ट में मौजूद रहना होगा। साथ ही, कोर्ट ने अमिताभ बच्चन को कुछ प्रतिवादियों के साथ हुए आपसी समझौते की औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए समय दिया। कोर्ट को बताया गया कि कुछ प्रतिवादियों के साथ समझौता हो गया था, लेकिन अभिनेता की ओर से कुछ व्यावहारिक दिक्कतों के कारण उस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किए जा सके। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर समझौता नहीं होता है या समझौता अधूरा रहता है, और वादी किसी भी दावे या मुद्दे पर मुकदमा आगे बढ़ाना चाहता है, तो वादी को सुनवाई की अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहना होगा।

ओल्ड रेलवे रोड समेत प्रमुख सड़कों पर एलिवेटेड रोड की तैयारी, जाम से छुटकारा दिलाने का प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। साइबर सिटी की जाम से जूझती प्रमुख सड़कों को राहत देने के लिए एलिवेटेड मार्ग

बनाने की योजना आगे बढ़ने लगी है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) इसी महीने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए कंसल्टेंट का चयन करेगा। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगले महीने से डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। इसमें सड़कों की मौजूदा स्थिति, वाहनों का दबाव और एलिवेटेड मार्ग बनाने की संभावनाओं का तकनीकी अध्ययन किया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर ही तय होगा कि किन मार्गों पर परियोजना को अमलीजामा पहनाया जा सकता है। शहर में ओल्ड रेलवे रोड, शीतला माता रोड और ओल्ड दिल्ली रोड जैसे मार्गों पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। पीक आवर में एक से दो किलोमीटर की दूरी तय करने में आधे घंटे से अधिक समय लग जाता है। मुख्य सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारों का असर आसपास की आंतरिक सड़कों पर भी पड़ता है। ऐसे में एलिवेटेड मार्गों के जरिये व्यस्त हिस्सों और प्रमुख चौराहों पर यातायात का दबाव कम करने की संभावना तलाशी जा रही है। शहर की सभी प्रमुख सड़कों को एलिवेटेड करना आसान नहीं है। पुराने गुरुग्राम की कई सड़कें घनी आबादी और व्यावसायिक क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं, जहां उपलब्ध जगह सीमित है। ओल्ड रेलवे रोड जैसे मार्ग पर वाहनों के भारी दबाव के साथ सड़क की मौजूदा संरचना भी चुनौती बन सकती है। इसलिए डीपीआर में केवल यातायात की स्थिति ही नहीं, बल्कि एलिवेटेड मार्ग की रूपरेखा, प्रवेश-निकास बिंदुओं और आसपास की सड़कों से उसके जुड़ाव का भी आकलन किया जाएगा। योजना के तहत राजीव चौक से ओल्ड रेलवे रोड होते हुए चिंतपूर्णी मंदिर, शीतला माता रोड से लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक और ओल्ड दिल्ली रोड से इन मार्गों को एलिवेटेड करने की मांग उठ चुकी है। इन सड़कों से पुराने शहर के अनेक प्रमुख इलाके जुड़े हैं। एलिवेटेड मार्ग बनने से व्यस्त चौराहों पर वाहनों का दबाव घटने और यात्रा में लगने वाला समय कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसका वास्तविक लाभ मार्गों के चयन, डिजाइन और मौजूदा सड़क नेटवर्क से उनके जुड़ाव पर निर्भर करेगा। डीपीआर तैयार होने के बाद परियोजना की अनुमानित लागत, निर्माण अवधि और चुने गए मार्गों की स्थिति स्पष्ट होगी। डीपीआर तैयार करने के लिए कंसल्टेंट कंपनी का चयन इस महीने के भीतर हो जाएगा।

नागालैंड के डिप्टी सीएम के बेटे कुची रंगकाऊ के निधन पर पीएम मोदी समेत अन्य नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, एजेंसी। नागालैंड के उप मुख्यमंत्री टीआर जेलियांग के पुत्र कुची रंगकाऊ जेलियांग के असमय निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने शोक जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'नागालैंड के उप मुख्यमंत्री टीआर जेलियांग के बेटे कुची रंगकाऊ जेलियांग के असमय निधन से बहुत दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं जेलियांग परिवार और उनके दोस्तों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।' केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनेवाल ने एक्स पर लिखा, 'नागालैंड के डिप्टी सीएम टीआर जेलियांग के बेटे कुची रंगकाऊ जेलियांग के असमय निधन से गहरा दुख हुआ है। इस बेहद दुख की घड़ी में, मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार, दोस्तों और उनके सभी चाहने वालों के साथ हैं।'

नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यांथुंगो पैटन ने एक्स पर लिखा, 'डिप्टी सीएम टी. आर. जेलियांग के प्रिय पुत्र कुची रंगकाऊ

के असामयिक निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। इस कठिन समय में मैं और मेरा परिवार टी. आर. जेलियांग और उनके शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति, साहस और सांत्वना प्रदान करें। दिवंगत आत्मा को अनंत शांति मिले।'

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'नागालैंड के उपमुख्यमंत्री टी.आर. जेलियांग के बेटे कुची रंगकाऊ जेलियांग के अचानक निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करें।'

नागालैंड के मंत्री जेकब झिमोमी ने एक्स पर लिखा, 'डिप्टी सीएम टी.आर. जेलियांग के प्रिय पुत्र कुचिहिंग रंगकाऊ जेलियांग के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। दुख की इस कठिन घड़ी में, मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनकी दिवंगत आत्मा को अनंत शांति मिले।'

मणिपुर के उपमुख्यमंत्री नेमचा किपजेन ने एक्स पोस्ट में कहा, 'नागालैंड के उपमुख्यमंत्री टी. आर. जेलियांग के बेटे कुची रंगकाऊ जेलियांग के ओलिव हॉस्पिटल में असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ है। इस कठिन समय में मैं टी. आर. जेलियांग और शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस गहरे दुख को सहने की शक्ति और हिम्मत दें। दिवंगत आत्मा को शांति मिले।'

बता दें कि पेरेन स्थित फुटबॉल क्लब बराक एफसी के संस्थापक और नागालैंड के उप मुख्यमंत्री टीआर जेलियांग के बेटे कुची रंगकाऊ जेलियांग का शुक्रवार शाम दीमापुर के ऑलिव अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, अस्पताल ले जाने से पहले वे अपने आवास पर बेहोश हो गए थे।

दीपावली पर गहराएगा पानी का संकट, 20 अक्टूबर से बंद हो जाएगा गंगाजल

नईदिल्ली, एजेंसी। दीपावली पर ग्रेटर नोएडा ईस्ट में पानी का संकट गहरा सकता है। ऊपरी गंगा नहर सफाई के लिए करीब 15 दिन बंद रहेगी। दीपावली तक आपूर्ति बहाल न होने की आशंका है। इसको लेकर प्राधिकरण ने सिंचाई विभाग से सफाई का काम त्योहार के बाद करने की मांग की है। दरअसल, 20 अक्टूबर की मध्यरात्रि से नहर बंद होनी है। ऐसे में दो दिन में ही शहर में पानी की किल्लत शुरू हो जाएगी। सात नवंबर की रात से नहर में पानी छोड़े जाने के बाद भी पाइपलाइन से सेक्टरों तक आपूर्ति में 2-3 दिन लगेंगे। दीपावली आठ नवंबर को है, इसलिए गंगाजल आपूर्ति प्रभावित होना तय है। सिर्फ दो दिन का पानी रिजर्व प्राधिकरण के पास अभी सिर्फ दो दिन का रिजर्व है। नहर बंद होने पर भूगर्भ जल पर निर्भरता बढ़ेगी और अधिक टीडीएस वाला पानी सप्लाई करना पड़ेगा।

नितिन नवीन का राहुल गांधी और सीजेपी पर निशाना

बोले- देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे अराजकतावादी समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी, इंडी गठबंधन और अरविंद केजरीवाल के सहयोगी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की जा रही है और इसके पीछे राजनीतिक उद्देश्य हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि इन गतिविधियों के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ हो सकता है। नितिन नवीन ने कहा कि भारत की 140 करोड़ जनता शांति और देश के विकास में योगदान दे रही है, लेकिन कुछ समूह देश में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने राहुल

गांधी के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन और सीजेपी को निशाने पर लेते हुए कहा कि जनता उनके इरादों को समझ रही है और ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे। राहुल गांधी और सीजेपी पर लगाए आरोप

भाजपा अध्यक्ष ने दोनों समूहों को अराजकतावादी बताते हुए आरोप लगाया कि उनके बीच देश में अस्थिरता पैदा करने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने चुनावों में इन राजनीतिक समूहों को नकार दिया है, लेकिन वे इससे सबक लेने के बजाय देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। नितिन नवीन ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और राजनीतिक दलों को उससे सीख लेनी चाहिए।

विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने का भी दावा

नितिन नवीन ने अपने बयान में आरोप लगाया कि इन प्रयासों के पीछे राजनीतिक उद्देश्यों के साथ-साथ विदेशी ताकतों का भी हाथ हो सकता है। हालांकि, इस आरोप के समर्थन में उन्होंने अपने बयान में कोई विशिष्ट सबूत पेश नहीं किया। भाजपा अध्यक्ष का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दिल्ली में सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन और उससे जुड़े सुरक्षा इंतजामों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है।

दिल्ली में बॉडी कैमरों से लैस पुलिस और पिंक फोर्स हर एक्टिविटी करेगी रिकॉर्ड; जगह-जगह मल्टी-लेयर बैरिकेडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए मध्य दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अनधिकृत जमावड़े को रोकने के लिए शनिवार को व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान पुलिस की वर्दी पर लगे बॉडी कैम धरनास्थल

पर होने वाली हर अराजकता को रिकॉर्ड करते रहेंगे। रणनीतिक तैनाती: मंडी हाउस और फिरोज शाह रोड सहित कई प्रमुख इलाकों में मल्टी-लेयर बैरिकेडिंग के साथ भारी पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स को तैनात किया गया है। 35,000 से अधिक जवान: पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 35,000 से अधिक जवानों को तैनात किया गया है। गृह मंत्रालय का निर्देश: केंद्रीय गृह सचिव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सख्त कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश जारी किए हैं।

केरल के सबसे ऊंचे हाथी 'उत्तोली रमन' के केस में सुप्रीम कोर्ट सख्त, राज्य सरकार को लगाई फटकार!

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के सबसे ऊंचे हाथी 'उत्तोली रमन' की सुरक्षा और देखभाल में लापरवाही बरतने पर सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट इस बात से बेहद नाराज था कि जून में हाथी की कस्टडी सरकार को सौंपने का आदेश देने के बावजूद, प्रशासन अब तक यह बताने में नाकाम रहा है कि उसने हाथी की भलाई के लिए क्या कदम उठाए. सर्वोच्च अदालत ने 12 अक्टूबर तक हाथी की ताजा मेडिकल रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने की. राज्य सरकार ने पीठ को बताया कि उसके पास जून की एक मेडिकल रिपोर्ट है. इस पर पीठ ने सवाल किया कि क्या उसके बाद से हाथी की कोई मेडिकल जांच की गई है? सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार को हाथी की ठीक से देखभाल करनी होगी और उसके 9 जून के आदेश का पूरी तरह से पालन करना होगा. राज्य सरकार ने दावा किया कि उसने 9 जून के आदेश के तुरंत बाद हाथी को अपनी कस्टडी में ले लिया था. इस पर पीठ ने सवाल उठाया कि इस तथ्य का खुलासा सरकार ने अपने हलफनामे में क्यों नहीं किया? कोर्ट ने आगे पूछा कि पशु के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में अदालत को अंधेरे में क्यों रखा गया? पीठ ने राज्य के वकील से पूछा, '9 जून से आप क्या कर रहे थे? जून के बाद से क्या हुआ? आपके हलफनामे में यह कहां दर्ज है?' वकील ने देरी के कारणों में से एक कारण केरल में हुए विधानसभा चुनावों का हवाला दिया. राज्य के वकील की इस दलील को पीठ ने बिल्कुल पसंद नहीं किया और मौखिक रूप से टिप्पणी की, 'तो, चुनाव होने के कारण इतने महीनों तक सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया जाना चाहिए?' पीठ ने यह भी सवाल किया कि हाथी को राज्य को सौंपने के अदालत के निर्देश के बावजूद, 'रमन' (हाथी) को उसके केयरटेकर कृष्णकुट्टी की कस्टडी में रहने की अनुमति क्यों दी गई? राज्य के वकील ने कहा कि हाथी पहले से ही कस्टडी में है. इस पर पीठ ने पूछा कि यह ट्रांसफर कब हुआ था और इस बात का जिक्र हलफनामे में क्यों नहीं किया गया? पीठ ने राज्य सरकार को साफ शब्दों में निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि केयरटेकर कृष्णकुट्टी को हाथी को छूने तक की इजाजत न दी जाए.

परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा भारत, किसी भी आतंकी हमले का देगा जवाब : अनमोल शेर बेदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सम्मेलन में स्थायी मिशन के वरिष्ठ सलाहकार अनमोल शेर बेदी ने पाकिस्तान को साफ संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद के मुद्दे पर परमाणु हथियारों की धमकी से दबने वाला नहीं है। बेदी ने कहा कि भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा और किसी भी आतंकी हमले का जवाब देगा। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत के खिलाफ होने वाले किसी भी आतंकी हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद का समर्थन देने वालों और उसकी साजिश रचने वालों के बीच कोई फर्क नहीं करेगा। बेदी ने कहा कि पिछले साल पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों के खिलाफ चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद किया गया था। इस हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि भारत ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की थी। साथ ही यह भी कहा कि ये कदम संतुलित, सटीक और हालात को और न बढ़ाने के लिए उठाए गए थे।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम समिति की बैठक में पाकिस्तान के जिनेवा स्थित स्थायी प्रतिनिधि ताहिर अंद्राबी के बयान का जवाब देते हुए बेदी ने कहा कि परमाणु हथियारों को किसी देश की सामान्य नीति का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि अगर कोई देश छोटे स्तर के हमलों के परिणामों से बचने के लिए परमाणु खतरे का सहारा लेता है, तो इससे तनाव कम नहीं बल्कि बढ़ने का खतरा पैदा होता है।

बेदी ने समिति को भरोसा दिलाया कि भारत की परमाणु क्षमता किसी खास देश को निशाना बनाने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि

भारत की परमाणु नीति पूरी तरह रक्षात्मक है। उन्होंने कहा, 'यह हमारी सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से तैयार की गई है।' भारत ने पाकिस्तान के विपरीत 'नो-फर्स्ट-स्ट्राइक' की नीति घोषित कर रखी है। इसका मतलब है कि भारत किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने वाले अनमोल शेर बेदी अमृतसर के रहने वाले हैं। उन्होंने 2016 की सिविल सेवा परीक्षा में दूसरा स्थान हासिल किया था। उनके पास बीआईटीएस पिलानी से कंप्यूटर साइंस की डिग्री है और उन्होंने चीन में मंदारिन भाषा की पढ़ाई भी की है।

दिल्ली पुलिस ने 300 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, 600 से ज्यादा पर एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के एलान को मंजूरी नहीं दी है। ऐसे में प्रदर्शन में शामिल होने के लिए राजधानी आने वालों को हिरासत में भी लिया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक पीटीआई के अनुसार, करीब 300 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इस बीच पुलिसिया कार्रवाई में संकट पैदा करने वाले कंटेंट क्रिएटर्स की भी पुलिस ने धरपकड़ शुरू कर दी है। बता दें कि चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रदर्शन की अनुमति न मिलने के बावजूद जंतर मंतर की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे लगभग 300 प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस का दावा है कि इनमें एक प्रतिशत भी स्टूडेंट्स शामिल नहीं हैं। ये सभी विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्ता और मजदूर हैं सीजेपी ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में हेरफेर और फॉर्म-6 से जुड़े कदाचार के आरोपों को लेकर सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि, सुरक्षा कारणों और प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का हवाला देते हुए दिल्ली पुलिस ने इस प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था और नई दिल्ली इलाके में पहले से ही धारा 163 जैसी निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के सभी 15 जिलों से आपराधिक रिकॉर्ड वाले 600 से अधिक लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया है ताकि वे प्रदर्शन के दौरान व्यवस्था में खलल न डाल सकें। कड़ी निगरानी: भीड़ जुटाने या दूसरों को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए उकसाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है और उनके घरों के बाहर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

कोर्ट के आदेश के बाद भी दिल्ली में बंद रहे मेट्रो स्टेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के चलते राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद ऐसा होने से मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है।

इसी बात को मद्देनजर रखते हुए शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई है।

बता दें कि यह याचिका अधिवक्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है, जिसमें केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि शीर्ष अदालत के 9 अक्टूबर के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो स्टेशनों के बंद रखने का सिलसिला जारी रखा, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता को भारी परेशानियों का

सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि इससे पहले यानी 9 अक्टूबर शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के प्रदर्शन को देखते हुए 57 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और दिल्ली आने वाली ट्रेनों को रद करने के खिलाफ दायर एक अन्य याचिका पर सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की बेंच ने केंद्र को कड़ा निर्देश दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रदर्शन के कारण 10 अक्टूबर को दिल्ली आने वाली मेट्रो और ट्रेनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं होना चाहिए, क्योंकि इस तरह सब कुछ ठप नहीं किया जा सकता।

कोर्ट का फैसला, मतदाता सूची से मृत या स्थानांतरित लोगों के नाम हटाना पूरी तरह सही

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईआर के दौरान मृत व्यक्तियों, वार्ड से बाहर चले गए लोगों या डुप्लीकेट नामों को मतदाता सूची से हटाने में कुछ गलत नहीं है। अदालत ने यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े एक मामले में की।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने एसआईआर पूरी होने तक स्थानीय निकाय चुनाव टालने की मांग खारिज कर दी थी। पीठ ने कहा कि एसआईआर जरूरी है क्योंकि मृत या स्थानांतरित लोगों के वार्ड में वोट डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती। डुप्लीकेट नाम भी

हटाने होते हैं और एसआईआर इन्हीं अनियमितताओं को दूर करता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव अधिसूचना की तारीख पर जो अंतिम मतदाता सूची उपलब्ध होगी, चाहे वह एसआईआर के बाद वाली हो या 1 जनवरी 2026 वाली उसी के आधार पर आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनाव होंगे। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव की तारीख अभी अधिसूचित नहीं हुई है और वह अधिसूचना की तारीख पर उपलब्ध अंतिम सूची का इस्तेमाल करेगा। पीठ इससे सहमत हुई और कहा कि अगर एसआईआर के बाद की अंतिम सूची अधिसूचना से पहले प्रकाशित नहीं होती, तो 1 जनवरी 2026 की सूची पर चुनाव कराए जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एसजीपीसी चुनाव कराने की मांगः चार सिख संगठनों ने गृह मंत्री को लिखा पत्र

अमृतसर, एजेंसी। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के आम चुनाव कराने की मांग फिर तेज हो गई है। चार सिख संगठनों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है। इसमें सिख संस्था में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने और नए नेतृत्व चुनने की मांग की गई है। सिख चिंतक मंच, पंथक बुद्धिजीवी काउंसिल, सिख फोरम और सिख यूथ फेडरेशन ने यह पत्र भेजा है। संगठनों के पदाधिकारियों एडवोकेट आरएस बिंद्रा, अवतार सिंह, हरी सिंह और गुरबख्श सिंह थिंद ने ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि सिख गुरुद्वारा एक्ट, 1925 के तहत हर पांच साल में चुनाव होने चाहिए। लेकिन 2011 के बाद से अब तक आम चुनाव नहीं हुए हैं। संगठनों ने गुरुद्वारा चुनाव आयोग को नए चुनाव कराने के निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने मतदाता सूची को भी पारदर्शी तरीके से तैयार करने पर जोर दिया। ज्ञापन में एसजीपीसी के मौजूदा हाउस पर सवाल उठाए गए हैं। 191 सदस्यों वाले हाउस में सदस्यों के निधन और इस्तीफों से कई सीटें खाली हैं। वर्तमान में करीब 144 सदस्य ही बचे हैं। इतने लंबे समय तक चुनाव न होने से प्रतिनिधित्व और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वर्ष 2011 के चुनाव में करीब 57 लाख मतदाता पंजीकृत थे। इनमें पंजाब के 52.69 लाख, हरियाणा के 3.75 लाख, हिमाचल प्रदेश के 23 हजार और चंडीगढ़ के लगभग 12 हजार मतदाता शामिल थे।

रोहित शर्मा ने उस वर्ल्ड कप वॉक के पीछे की कहानी बताई, जो एक आइकॉनिक सेलिब्रेशन बन गई थी

मुंबई। कुछ जश्न सिर्फ उस उपलब्धि की वजह से यादगार नहीं बनते, जिसका वो प्रतीक होते हैं, बल्कि उस पल की वजह से भी याद रखे जाते हैं जो उसके बाद आता है। विश्व कप ट्रॉफी उठाते समय रोहित शर्मा का आइकॉनिक वॉक ऐसा ही एक यादगार सेलिब्रेशन बन गया था और फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में हिटमैन ने इसके पीछे की कहानी साझा की। जमनादास माजेठिया और चुंबक की स्टारकास्ट के साथ बातचीत के दौरान, रोहित ने बताया कि कैसे उनके टीममेट्स के एक सहज सुझाव ने इस अब आइकॉनिक बन चुके पल को जन्म दिया। भारत की विश्व कप जीत के बाद हुए जश्न के बारे में पूछते हुए, जमनादास माजेठिया ने रोहित से कहा, हम आपसे एक सवाल पूछना चाहेंगे। आपने जो हिंदुस्तान की शान, अंडर-20 वर्ल्ड कप जीता था, और वो जो ट्रॉफी लेते वक़्त आइकॉनिक जो डांस किया था? रोहित ने जवाब दिया, वो डांस नहीं था, वो वॉक था। जब जमनादास ने पूछा, वो वॉक का आइडिया किसका था?, रोहित ने खुलासा किया कि यह आइडिया उनके कुछ साथियों से आया था, जिसमें कुलदीप यादव और ऋषभ पंत भी शामिल थे। उन्होंने कहा, वास्तव में हमारे 3-4 लोग हैं टीम में, उस समय पे मुझे याद नहीं कौन कौन थे पर ये कुलदीप मुझे याद है, फिर ऋषभ थे वहां पर और 2-3 लोग और थे। उन्होंने मुझे बोला, रोहित भाई, ये अपना बोरिंग वॉक करके ट्रॉफी मत उठाना, कुछ दिलचस्प कर ना। सोच रहा था क्या करूँ मैं, फिर मैंने तय किया कि ये वर्ल्ड कप उठाने जा रहा हूँ कोई मज़ाक नहीं है मैं नॉर्मल जाऊँगा। लेकिन पता नहीं मुझे उधर जाते-जाते क्या हो गया, मैं बस ऐसे-ऐसे करके चलने लगा। इसके बाद बातचीत ने एक मज़ेदार मोड़ लिया, जब जमनादास ने रोहित से पूछा कि क्या चुंबक की टीम उनके साथ उस आइकॉनिक वॉक को दोबारा कर सकती है।

तनाव के बीच कुकी-नागा समूहों में फायरिंग जारी

इंफाल, एजेंसी। अशांत मणिपुर से एक बार फिर बेहद तनावपूर्ण खबर सामने आई है। राज्य के कामजोंग जिले में एक 5 बच्चों की मां की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद इलाके में भारी हिंसा भड़क उठी है और कुकी तथा नगा समूहों के बीच ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू हो गई है। हालात को बेकाबू होते देख प्रशासन ने इलाके में सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं। बता दें कि यह घटना शुक्रवार रात करीब 9:35 बजे चासाद गांव की है। मामले में अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि शुक्रवार रात चासाद गांव में अज्ञात हमलावरों ने एक महिला को गोली मार दी। पांच बच्चों की इस मां को गर्दन के पास गोली लगी थी, जिससे उसने मौके पर ही कुछ मिनटों के भीतर दम तोड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर में पंजाबी भाषा पर बड़ा घमासानः आधिकारिक दर्जा दिलाने के लिए सड़कों पर उतरा सिख समुदाय

श्रीनगर, एजेंसी। पंजाबी भाषा को भी पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर के संविधान की छठी अनुसूची में आधिकारिक रूप से मान्यता मिली हुई थी. जम्मू-कश्मीर सरकार की 'एकेडमी ऑफ आर्ट, कल्चर एंड लैंग्वेजेज' में पंजाबी भाषा के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए एक अलग विभाग भी था. सात साल पहले अनुच्छेद 370 समाप्त किये जाने वक्त इस भाषा को आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त पांच भाषाओं की सूची से बाहर कर दिया गया था. केंद्र शासित प्रदेश में 2 प्रतिशत से भी कम आबादी वाले सिख समुदाय को पंजाबी भाषा को दोबारा शामिल कराने के लिए नए सिरे से एक अभियान शुरू करने पर मजबूर कर दिया.

ऑल पार्टीज सिख कोऑर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन जगमोहन सिंह रैना ने कहा, 'अनुच्छेद 370 के हटने से पहले स्कूलों और कॉलेजों में पंजाबी भाषा पढ़ाई जा रही थी. जैसे ही अनुच्छेद 370 को हटाया गया, पूरा परिदृश्य बदल गया. उन्होंने हिंदी, उर्दू,

कश्मीरी और डोगरी को तो मान्यता दे दी, लेकिन सबसे पुरानी भाषाओं में से एक पंजाबी को इस सूची से बाहर कर दिया.' उन्हें डर है कि पंजाबी भाषा को बाहर रखने से उनके बच्चों पर बुरा असर पड़ सकता है, क्योंकि उनके धार्मिक ग्रंथ और इतिहास पंजाबी में ही लिखे गए हैं. श्रीनगर में धरना प्रदर्शन के दौरान 'हम पंजाबी भाषा का समर्थन करते हैं' और 'पंजाबी भाषा को आधिकारिक दर्जा दो' लिखी तख्तियां हाथ में लिए सिख समुदाय के लोग श्रीनगर शहर में इकठ्ठा हुए. वे जम्मू में अपने उन साथियों को समर्थन देने आए थे, जो पिछले एक हफ्ते से अधिक समय से जम्मू में इस मांग को लेकर अभियान चला रहे हैं. रैना ने आगे कहा, 'हम इस भाषा को मान्यता दिलाने के लिए उपराज्यपाल और अब मुख्यमंत्री को भी शांतिपूर्वक ज्ञापन सौंपते आ रहे हैं. लेकिन वहां से बहुत ही निराशाजनक और नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है. इसीलिए, जम्मू में हमारे लोगों ने इसे आधिकारिक भाषाओं में शामिल कराने के लिए यह अभियान शुरू किया है. ' उन्होंने आगे कहा- 'अगर सरकार हमारी बात नहीं सुनती है, तो स्थिति हाथ से निकल सकती है क्योंकि हम नहीं चाहते कि हमारे बच्चे अपनी भाषा से दूर रहें. हमने सरकार को लिखित में अपना ज्ञापन सौंप दिया है और उन्हें इसे मान्यता देनी चाहिए. ' साल 2020 में केंद्र सरकार ने उर्दू, हिंदी, कश्मीरी, डोगरी और अंग्रेजी को जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं के रूप में मान्यता दी थी. 'जम्मू और कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक 2020' नाम का यह कदम अगस्त 2019 में राज्य का विशेष दर्जा (अनुच्छेद 370) और पूर्ण राज्य का दर्जा) छीने जाने के बाद लिए गए कई फैसलों का हिस्सा था. इस कानून के जरिए केवल उर्दू के बजाय चार और भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई. दरअसल, साल 1889 में जब महाराजा प्रताप सिंह ने फारसी की जगह उर्दू को राजभाषा बनाया था, तब से जम्मू-कश्मीर में उर्दू ही एकमात्र मान्यता प्राप्त आधिकारिक भाषा थी. सिख समुदाय, जो कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू के कई हिस्सों में फैला हुआ है, राज्य की कुल 1.25 करोड़ (2011 की जनगणना के अनुसार) आबादी का लगभग दो प्रतिशत है. जम्मू में, 'ऑल जेएंडके ग्रुप्स ऑफ सिख संगत' अभियान के आयोजकों ने कहा कि उनके इस आंदोलन को सामाजिक, सामुदायिक और ट्रांसपोर्ट संगठनों का भी पूरा समर्थन मिला है.

अवैध रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी युवक साहिबगंज में गिरफ्तार, श्रीनगर से जा रहा था गुवाहाटी

साहिबगंज , एजेंसी। झारखंड के साहिबगंज जिले में एक बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार किया गया है. युवक अवैध रूप से भारत में रह रहा था. ब्रह्मपुत्र मेल से गुवाहाटी जाने के क्रम में आरपीएफ ने चेन पुलिंग के आरोप में उसे गिरफ्तार किया. बाद में पूछताछ में उसके पास बांग्लादेशी पहचान पत्र मिला. जिसके बाद उसे साहिबगंज जीआरपी को सौंप दिया गया. जीआरपी थाने में उसके खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है. जहां से उसे आज जेल भेज दिया गया.

युवक से इंटेलिजेंस ब्यूरो और स्थानीय पुलिस ने पूछताछ की है. युवक के पास से मिले फोन को खंगाला जा रहा है. बांग्लादेशी युवक की पहचान 26 साल वर्षीय मोहम्मद

सुमन मियां के रूप में हुई है. उससे पूछताछ के दौरान अहम जानकारियां सामने आई है. उसके पास से दो मोबाइल फोन और भारतीय करेंसी के साथ-साथ नेपाली और पाकिस्तानी नोट भी बरामद हुए हैं.

पूछताछ में युवक ने जीआरपी को बताया कि वह श्रीनगर में 19 साथियों के साथ रह रहा था, जहां वे कबाड़ का काम करते थे. चूंकि अभी उस इलाके से बांग्लादेशियों को निकाला जा रहा है, इसलिए वह अपने तीन साथियों के साथ दिल्ली आया और वहां ब्रह्मपुत्र मेल में सवार हो गया. उसका इरादा गुवाहाटी जाने और वहां से फिर बांग्लादेश लौटने का था. उसके पास एक बांग्लादेशी पहचान पत्र भी मिला है. घटना गुरुवार की है, लेकिन मामला सामने शुक्रवार की देर शाम आया.

जानकारी के मुताबिक, सुमन मियां जनरल कोच में ऊपरी बर्थ पर सो रहा था. जैसे ही ट्रेन मिर्जाचौकी से साहिबगंज की ओर बढ़ी, उसे अचानक झटका लगा, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिरने लगा. इस दौरान उसने पास की इमरजेंसी चेन पकड़ ली, जिससे ट्रेन रुक गई.

इसके बाद आरपीएफ कर्मियों ने ट्रेन की तलाशी ली और उस कोच तक पहुंचे. अधिकारियों को देखते ही उसके तीन साथी भाग गए।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अन्नदाता को बीज से बाजार तक सुविधा दे रही यूपी की डबल इंजन सरकारः सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य की डबल इंजन सरकार आज अन्नदाता किसान को बीज से लेकर बाजार तक की सुविधा उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के लिए अन्नदाता किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की ताकत और समृद्धि का आधार हैं। इसीलिए अन्नदाता किसान के अधिकार की रक्षा और उसकी खुशहाली हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 के बाद किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए राज्य सरकार की योजनाओं को सराहा। सीएम योगी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'वर्ष 2017 से पहले जो अन्नदाता किसान कर्ज, बदहाली और लाचारी में डूबा रहता था, बिचौलियों के चक्कर लगाने को मजबूर था, आज वही अन्नदाता किसान कर्ज से मुक्त होकर उन्नत बीज, सिंचाई, और डीबीटी के माध्यम से एमएसपी और पीएम सम्मान निधि का लाभ ले रहा है।' सीएम योगी ने कहा कि आज दशकों से लटकी सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं। प्रदेश, देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हुई है।

एमपीएससी आंदोलनः राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री से की बात, बोले- 'जल्द आएगी अच्छी खबर, छात्र रखें संयम'

मुंबई/पुणे, एजेंसी। पुणे में एमपीएससी छात्रों का एक विरोध प्रदर्शन चल रहा है. यह पूरा मामला पेपर लीक की घटना से शुरू हुआ था. इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई विधायक रोहित पवार कर रहे हैं. छात्रों ने प्रशासन के सामने अपनी कई मांगें रखी हैं. छात्रों की बात सुनने और उनका समर्थन करने के लिए राज्यभर के नेता लगातार धरना स्थल पर पहुंच रहे हैं. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने भी प्रदर्शन कर रहे एमपीएससी छात्रों से मुलाकात की. वे 5 अक्टूबर को पुणे गए थे और उन्होंने छात्रों को अपने समर्थन का पूरा भरोसा दिया था. अपने इसी वादे को निभाते हुए उन्होंने इस मामले पर आगे कदम उठाया है. राज ठाकरे ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करके दी है. ' 'जय महाराष्ट्र', जब मैंने 5 अक्टूबर को पुणे में प्रदर्शन कर रहे एमपीएससी छात्रों से मुलाकात की थी, तो मैंने आपको आश्वासन दिया था कि मैं आपकी चिंताओं और जायज उम्मीदों के बारे में मुख्यमंत्री से बात करूंगा. अपने गृह जिलों, तालुकाओं और परिवारों से दूर रहकर, युवाओं और युवतियों को नौकरियों के लिए इतनी कड़ी मेहनत करते देखना बेहद दर्दनाक है. आज, मैंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री के साथ विस्तृत चर्चा की. मुझे ऐसा लगा कि वे इसे लेकर पूरी तरह से सकारात्मक हैं. मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में एमपीएससी भर्ती को लेकर कोई अच्छी खबर आएगी. मैं छात्रों से धैर्य बनाए रखने का आग्रह करता हूं.' राकांपा (शरदचंद्र पवार गुट) के विधायक रोहित पवार के नेतृत्व में चल रहे एमपीएससी आंदोलन का समर्थन देने के लिए मनसे प्रमुख राज ठाकरे पुणे पहुंचे थे. हालांकि, उस दौरे के दौरान उन्होंने छात्रों को जमीनी हकीकत से भी साफ-साफ रूबरू कराया था. उन्होंने इस कड़वे सच की ओर इशारा किया था कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार सत्ता में आ जाए, 70,000 पदों पर भर्ती एक साथ नहीं की जा सकती. गौरतलब है कि राज ठाकरे ने ये टिप्पणियां रोहित पवार की मौजूदगी में ही की थीं.

उत्तराखंड और हिमाचल के बीच एमओयू साइन, आपदा प्रबंधन पर हुई बड़ी डील

देहरादून, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक राठौर ने शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) का भ्रमण किया. इस दौरान प्राधिकरण की ओर से आपदा प्रबंधन के लिए किए जा रहे कामों की जानकारी ली. इस दौरान दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय एवं सहयोग को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया.

उपाध्यक्ष ने विशेष रूप से तमाम आपदाओं के दौरान राज्य में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी ली. हिमाचल के उपाध्यक्ष और आपदा प्रबंधन सचिव के बीच हुई बैठक के दौरान आपदा प्रबंधन संबंधित अनुभव साझा करने के लिए दोनों राज्यों के बीच नॉन फाइनेंशियल एमओयू साइन करने का निर्णय किया गया.

हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष ने उत्तराखंड की आईआरएस प्रणाली, यूएसडीएमए की तमाम एसओपी की जानकारी ली. इसके साथ ही उन्होंने ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड के खतरों को कम करने की दिशा में उत्तराखंड की ओर से किए जा रहे कामों की विस्तार से जानकारी ली और इस दिशा में आपसी समन्वय व सहयोग को बढ़ाने की इच्छा जाहिर की.

दोनों राज्यों की चुनौतियां एक जैसीः वहीं, उपाध्यक्ष दीपक राठौर ने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश भौगोलिक दृष्टि से काफी संवेदनशील एवं समान प्रकृति वाले पर्वतीय राज्य है. दोनों राज्यों की सीमाएं भी आपस में जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियां भी लगभग समान हैं. उन्होंने कहा कि यदि दोनों राज्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में समन्वित रणनीति के साथ मिलकर कार्य करें, तो बेहतर एवं प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं. उन्होंने विशेष

रूप से भूस्खलन, अतिवृष्टि और पर्वतीय जोखिमों के प्रबंधन में संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया. इस दौरान उन्होंने उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से संचालित चारधाम यात्रा की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन प्रणाली को विस्तार से समझा.

उन्होंने विशेष रूप से राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के माध्यम से केदारनाथ यात्रा की लाइव मॉनिटरिंग, रियल-टाइम अलर्ट सिस्टम, भीड़ प्रबंधन, मौसम एवं मार्ग की सतत निगरानी तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच त्वरित समन्वय की व्यवस्था को भी देखा.

राजे का स्कूल के मंच से राजनीति का संदेश, कहा- बिना पद भी संघर्ष करो

जोधपुर , एजेंसी। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शुक्रवार को एक निजी स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जोधपुर आईं. यहां उन्होंने स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए राजनीतिक संदेश दिए. राजे ने कहा कि आज के समय में पद का इंतजार नहीं करना चाहिए. संघर्ष करने के लिए, बिना पद आगे आना पड़ता है. राजे ने बच्चों से अपने दम पर पहचान बनाने की बात कही. पूर्व सीएम ने कहा कि पद मिलने का इंतजार करने के बजाय बाहर निकलकर संघर्ष करना चाहिए और अपनी खुद की जगह बनानी चाहिए.

राजे ने कार्यक्रम में मीडिया कर्मियों को कहा कि जो ऊंची आवाज उठ रही है, उन्हें बदलो मत. लोगों की परेशानी को समझते हुए अपनी आवाज को हमेशा मुखर रखें. अगर कहीं गलत हो रहा है तो वो समस्याएं लोगों को जाननी जरूरी है. पूर्व सीएम ने कहा कि रेगिस्तान में फूल खिलाने का हुनर हमें अच्छे से आता है. हम इसमें माहिर हैं. आसमान हमारी सीमाओं का अंत नहीं है. सदियों तक राजस्थान की जिस तेज धूप को चुनौती माना जाता था, आज उसी धूप से जोधपुर के पास भड़ला में हजारों मेगावाट बिजली पैदा हो रही है. हम राजस्थानियों की मजबूती भी यही है. अपनी सबसे बड़ी चुनौती को अपनी सबसे बड़ी ताकत में बदल सकते हैं. पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शुक्रवार दोपहर जोधपुर पहुंचीं थीं. यहां वह निजी होटल में ठहरीं थीं. इस दौरान भाजपा के गिनती के कार्यकर्ता ही उनके स्वागत के लिए पहुंचे. इनमें पूर्व सांसद राजेंद्र गहलोत ही एक बड़ा नाम थे. इनके अलावा स्थानीय संगठन से कोई भी पदाधिकारी राजे के स्वागत के लिए नहीं पहुंचा.

जमीन खरीद-फरोख्त में टैक्स और स्टांप ड्यूटी चोरी का खेल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के आयकर विभाग ने टैक्स और स्टांप ड्यूटी चोरी करने के एक बेहद शातिर तरीके का खुलासा किया है। इस खुलासे के सामने आने के बाद से अधिकारियों के साथ-साथ लोग भी हैरान रह गए हैं।

शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस अनोखे फर्जीवाड़े के जरिए 300 करोड़ रुपये से ज्यादा के भूमि सौदों में पैसों की हेराफेरी और कम रिपोर्टिंग का मामला सामने आया है। साफ-शब्दों में कहे तो यह नया पैंतरा पूरे देश के लिए चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ सकता है।

कैसे की जा रही थी टैक्स की चोरी?

आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने पाया कि जमीन की खरीद-फरोख्त के दौरान जो रजिस्टर्ड सेल डीड बनवाई जा रही थी, उसमें संपत्ति की पूरी कीमत बहुत कम करके दिखाई जा रही थी।

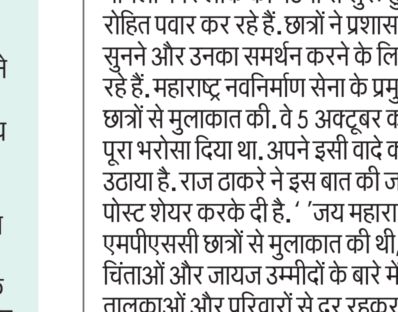

असली खेल इसके बाद शुरू होता था... बाकी बची हुई बड़ी रकम का भुगतान करने के लिए 'फुल एंड फाइनल सेटलमेंट डीड' तैयार की जाती थी, जो कि अनारक्षित होती थी। सबसे शातिर वाली बात यह थी कि इस अतिरिक्त रकम का भुगतान बैंकिंग ऑनलाइन या बैंक ट्रांसफर के जरिए से किया जाता था ताकि सबूत मिटाने में आसानी हो। जांच में यह बात सामने आई है कि स्थानीय बिल्डर्स इस तरीके का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर बड़े जमीन के टुकड़े खरीदने और फिर वहां रिहायशी फ्लैट या प्लॉट विकसित करने के लिए कर रहे थे। इस बात को ऐसे समझिए कि चूंकि अतिरिक्त भुगतान सेल डीड का हिस्सा नहीं होता था, इसलिए खरीदार को राज्य सरकार को कोई स्टांप ड्यूटी या रजिस्ट्रेशन फीस नहीं चुकानी पड़ती थी। इससे सरकारी खजाने को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा था। टैक्स अधिकारियों ने इस बात की चेतावनी कर्नाटक के रजिस्ट्रेशन विभाग को दे दी है। इतना ही नहीं कई मामलों में खरीदारों ने 'शहरी कृषि भूमि' खरीदने के बावजूद टीडीएस नहीं काटा।

उत्तराखंड में केदारनाथ धाम की यात्रा फिर बाधित

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ धाम की पैदल यात्रा एक बार फिर बाधित हो गई है. शनिवार सुबह चीरबासा के समीप पैदल मार्ग पर मलबा और पत्थर आने से आवाजाही ठप हो गई. यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने एहतियातन श्रद्धालुओं को गौरीकुंड में रोक दिया है. मार्ग से मलबा हटाकर आवाजाही सुचारु करने के प्रयास किए जा रहे हैं. जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को सुबह 7:22 बजे सेक्टर अधिकारी गौरीकुंड ने केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा क्षेत्र में मलबा-पत्थर आने से मार्ग अवरुद्ध होने की सूचना दी. इसके बाद जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, रुद्रप्रयाग ने संबंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया. इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता (जेई), गुप्तकाशी ने अवगत

कराया कि मार्ग खोलने के लिए मजदूरों को मौके पर लगाया गया है.

मलबा और पत्थर हटाने के साथ मार्ग की सफाई का कार्य किया जा रहा है, ताकि पैदल आवाजाही को सुरक्षित तरीके से बहाल किया जा सके. मौके पर पुलिस बल और रेस्क्यू टीम भी तैनात है, जो स्थिति पर नजर बनाए हुए है. केदारनाथ धाम की यात्रा के दौरान पैदल मार्ग पर मलबा-पत्थर आने की घटनाओं से यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हो रही है. ऐसे में प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठा रहा है.

श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मार्ग की स्थिति सामान्य होने और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक निर्देश मिलने के बाद ही आगे बढ़ें. यात्रियों से यात्रा संबंधी नवीनतम जानकारी लेते रहने तथा सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है.

केदारनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले भक्त गौरीकुंड से 2.5 किमी आगे चीरबासा मार्ग से होकर गुजरते हैं.

जिस ग्रीन कार्ड को लेकर ट्रंप लाल, उसका क्या काम; क्यों लगातार सख्त हो रहे वीजा से जुड़े नियम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पढ़ाई, नौकरी और स्थायी रूप से बसने की प्रक्रिया विदेशी नागरिकों के लिए मुश्किल होती जा रही है। 8 अक्तूबर 2026 को अमेरिकी सरकार ने आठ टेक कंपनियों को ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया से जुड़े पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित कर दिया। इससे इन कंपनियों के जरिए ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया में लगे कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इससे पहले भी अमेरिका में नौकरी और पढ़ाई के लिए आने वाले विदेशियों की जांच और वीजा नियमों में बदलाव किए गए हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि अमेरिका में कितने विदेशी पढ़ते और काम करते हैं नया फैसला क्या है इससे क्या बदलेगा अमेरिका में विदेशियों के लिए कितने प्रकार के कार्ड और वीजा हैं विशेषज्ञों की इस पर क्या राय है

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की ओपन डोर्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में अमेरिका के उच्च शिक्षण संस्थानों में 11,77,766 अंतरराष्ट्रीय छात्र पढ़ रहे थे। इनमें 3,63,019 भारतीय छात्र थे। इसी अवधि में 2,77,118 अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने पहली बार अमेरिकी संस्थानों में दाखिला लिया।

अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका की श्रमशक्ति में विदेशी मूल के 3.23 करोड़ लोग शामिल थे। इनमें करीब 3.09 करोड़ लोग रोजगार में थे। यह आंकड़ा विदेशी मूल के लोगों का है, केवल वर्क वीजा पर काम करने वालों का नहीं।

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा की वित्त वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, एच-1बी वीजा की 3,99,395 याचिकाएं मंजूर हुईं। इनमें 1,41,205 शुरुआती रोजगार से जुड़ी थीं, जबकि 2,58,190 मौजूदा रोजगार जारी रखने या उसमें बदलाव से संबंधित थीं।

ग्रीन कार्ड क्या है

ग्रीन कार्ड अमेरिका में कानूनी स्थायी

निवासी होने का प्रमाण है। इससे पात्र व्यक्ति को अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति मिलती है, लेकिन वह अमेरिकी नागरिक नहीं बन जाता। ग्रीन कार्ड परिवार, नौकरी और कुछ अन्य श्रेणियों के आधार पर मिल सकता है।

नौकरी के आधार पर ग्रीन कार्ड पाने के कई मामलों में कंपनी को पहले पीईआरएम यानी स्थायी श्रम प्रमाणन की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। इसमें कंपनी को यह साबित करना होता है कि संबंधित पद के लिए योग्य और उपलब्ध अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिला। साथ ही, विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन या काम की परिस्थितियों पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ना चाहिए। 8 अक्तूबर 2026 को आठ कंपनियों को पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित किया गया। इनमें भारत की टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएलटेक के अलावा माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, कॉग्निजेंट और कैपजेमिनी शामिल हैं।

इस कार्रवाई से इन कंपनियों के जरिए ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया में लगे कर्मचारियों को परेशानी हो सकती है। हालांकि, पीईआरएम पर रोक का मतलब यह नहीं है कि इन कंपनियों के सभी कर्मचारियों के एच-1बी वीजा रद्द हो गए हैं। ग्रीन कार्ड और एच-1बी वीजा की प्रक्रिया अलग-अलग है।

विभाग ने कहा कि कंपनियों को निलंबित करने के पीछे कई संघीय जांच चल रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि कुछ कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों की भर्ती की व्यवस्था का दुरुपयोग किया। प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य अमेरिकी कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना और भर्ती प्रक्रिया की निगरानी बढ़ाना है।

माइक्रोसॉफ्ट पर क्या आरोप लगा और कंपनी ने क्या कहा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले साल करीब 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, जबकि कंपनी को 6,300 एच–1बी वीजा मंजूरियां और लगभग 3,000 ग्रीन कार्ड मिले। माइक्रोसॉफ्ट ने जवाब में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में उसके दाखिल एच–1बी आवेदनों में करीब 80 प्रतिशत मौजूदा कर्मचारियों के वीजा विस्तार या स्टेटस बदलने से जुड़े थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती से। कंपनी ने यह भी कहा कि वह एच–1बी कर्मचारियों को समान काम करने वाले दूसरे कर्मचारियों के बराबर वेतन देती है। अलग से, माइक्रोसॉफ्ट ने जुलाई 2026 में करीब 4,800 पदों में कटौती की घोषणा की थी। यह उसके वैश्विक कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत था।

संक्षिप्त समाचार

शारजाह के पास तेल टैंकर पर ड्रोन हमला: जहाज में सवार सभी 22 भारतीय सुरक्षित

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को कहा कि पनामा के झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर एमटी जेम नंबर 2 पर ड्रोन से हमला हुआ। यह हमला शुक्रवार को शारजाह के पास समुद्र में जहाजों के ठहरने की जगह पर हुआ था। जहाज पर सवार सभी 22 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। सोनोवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारतीय नाविकों की सुरक्षा और उनकी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों का जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी से संपर्क बना हुआ है। सोनोवाल ने कहा, नौ अक्तूबर को पनामा के ध्वज वाले कच्चे तेल के टैंकर एमटी जेम नंबर 2 पर शारजाह के पास समुद्र में जहाजों के ठहरने की जगह पर ड्रोन से हमला किया गया। जहाज पर 22 भारतीय नागरिक सवार थे। मुझे यह बताते हुए राहत मिल रही है कि जहाज पर मौजूद हमारे सभी 22 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित बताए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। अपने नाविकों की सुरक्षा और उनकी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी के संपर्क में हैं। मरीन ट्रैफिक के अनुसार, शारजाह के पास समुद्र में जहाजों के ठहरने की यह जगह संयुक्त अरब अमीरात के दुबई क्षेत्र में अरब की खाड़ी में स्थित है। यह घटना खाड़ी क्षेत्र और काला सागर में व्यापारिक जहाजों और नाविकों पर लगातार हो रहे हमलों की चिंताओं के बीच हुई है। इन घटनाओं के कारण भारत और अन्य देशों ने समुद्री व्यापार और जहाजों के चालक दल की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की मांग की है। शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने जहाजों और नाविकों की सुरक्षा से जुड़े नवगठित 'मित्र देशों के समूह' (ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेफ्टी एंड सिक्योरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफेरर्स) के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस पहल का मकसद समुद्री क्षेत्र से जुड़े पक्षों को एक साथ लाना है। इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करना है। साथ ही, वैश्विक चर्चाओं में नाविकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस समूह का उद्देश्य व्यापारिक जहाजरानी और समुद्री उद्योग से जुड़े देशों के बीच तालमेल बनाना है। इसमें उन देशों को भी शामिल करना है, जहां बड़ी संख्या में लोग नाविक के रूप में काम करते हैं। जायसवाल ने कहा, इसका विचार इन सभी को एक साथ लाना है। इससे हम नाविकों की सुरक्षा और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के मुद्दों को वैश्विक बहस और चर्चा के केंद्र में ला सकेंगे। हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ा सकेंगे। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि व्यापारिक जहाजरानी प्रभावित न हो, जहाजों पर हमले न हों और नाविक सुरक्षित रहें।

पुतिन से बातचीत के बाद ट्रंप का बड़ा एलान: रूस से अमेरिका पहुंचेगा 3 लाख टन डीजल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एलान किया कि रूस तुरंत अमेरिका को डीजल की आपूर्ति करेगा। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद यह घोषणा की। यह एलान ऐसे समय में किया गया है, जब अमेरिका में एक कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले भारत और चीन जैसे प्रमुख देशों पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने की मांग की जा रही है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, मैंने अभी–अभी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत सफल बातचीत पूरी की है। इसके तहत रूस तुरंत अमेरिका और वैश्विक बाजार में 3 लाख टन से ज्यादा डीजल की आपूर्ति करेगा। नवंबर के महीने में 5 लाख टन और इसके बाद 10 लाख टन और सप्लाई करेगा। ट्रंप ने कहा, इसके अलावा, अपनी डीजल रिफाइनरीज की स्थिति के आधार पर रूस कुछ ही समय में 30 लाख टन डीजल और आपूर्ति करेगा। ट्रंप की बात पर भरोसा किया जाए तो अगले कुछ महीने में रूस वैश्विक बाजार में 48 लाख टन डीजल बेचेगा। ट्रंप ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य पर हमारे पूरे नियंत्रण व रूसी एनर्जी पर इस घोषणा से अमेरिकियों व पूरी दुनिया के लिए डीजल की कीमतें तेजी से रिकॉर्ड स्तर पर कम होंगी। पुतिन के दूत किरिल दिमित्रिएव ने एक्स पर पोस्ट में डील की पुष्टि की। अमेरिकी वित्त विभाग ने बड़े फैसले के तहत अप्रैल, 2027 तक रूसी डीजल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को भी हटा लिया है। इससे भारत समेत दुनिया के कई देशों को राहत मिलेगी।

यूएन में भारत की पाकिस्तान को दो टूक: बेदी बोले- परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि परमाणु हथियारों को देशों के बीच दबाव बनाने का सामान्य जरिया नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा की निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी प्रथम समिति की बैठक में भारत ने पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद जवाब दिया। जिनेवा में निरस्त्रीकरण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार अनमोल शेर सिंह बेदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है, लेकिन गैर-जिम्मेदाराना गतिविधियों के लिए जवाबदेही तय नहीं होने पर शांति संकटों के बीच महज एक ठहराव बनकर रह जाती है। भारत ने कहा कि उसकी सैन्य क्षमताएं रक्षात्मक हैं और देश की सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से तय की गई हैं।

ये किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं हैं। बेदी ने कहा कि परमाणु हथियारों को सामान्य राजनीतिक हथकंडे की तरह इस्तेमाल करना खतरनाक है। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी देकर आतंकवाद जैसी गतिविधियों पर जवाबी कार्रवाई को सीमित करने की कोशिश से तनाव कम नहीं होता, बल्कि उसके बढ़ने का खतरा पैदा होता है। भारत ने यह भी कहा कि क्षेत्र में संकट पैदा होने का एक बार-बार दोहराया जाने वाला तरीका रहा है, पहले उकसावे वाली कार्रवाई, फिर जिम्मेदारी से इनकार और जवाब मिलने के बाद संयम बरतने की अपील। बेदी के मुताबिक, जब सत्ता में बैठे लोग जनता के प्रति जवाबदेह नहीं होते, तो उनके फैसलों की कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ती है और संकट सत्ता का हथियार बन जाता है। भारत पर किसी भी आतंकी हमले का उचित जवाब दिया जाएगा। देश अपनी सुरक्षा से जुड़े मामलों में पीछे नहीं हटेगा। परमाणु हथियारों का डर दिखाकर भारत को जवाबी कार्रवाई से नहीं रोका जा सकता। भारत आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों और उसकी साजिश रचने वालों के बीच कोई अंतर नहीं करेगा। किसी गैर-सरकारी संगठन या आतंकी समूह के जरिए हमला कराने से संबंधित देश की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। अनमोल बेदी ने कहा कि पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की थी। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 नागरिक मारे गए थे।

यूएन में भारतीय नारी शक्ति: सांसद ने पाकिस्तान को दिखाया आईना; प्रिया सरोज बोलीं- अपराध पर जीरो टॉलरेंस

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत की दो महिला सांसदों ने अलग–अलग मुद्दों पर देश का पक्ष रखा। महिमा कुमारी मेवाड़ ने जम्मू–कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के बयान का जवाब दिया, जबकि प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों के आपराधिक आचरण और जवाबदेही का मुद्दा उठाया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों सांसदों के बयानों की जानकारी साझा की। संयुक्त राष्ट्र की चौथी समिति में उपनिवेशवाद से जुड़े मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान के जवाब में महिमा कुमारी ने भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के मंच का इस्तेमाल जम्मू–कश्मीर को लेकर झूठ और गलत जानकारी फैलाने के लिए कर रहा है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पाकिस्तान को ऐसा करने से बचना चाहिए। महिमा कुमारी ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगियों ने अपने बुनियादी अधिकारों, आजादी और जरूरी सुविधाओं की मांग कर रहे दर्जनों निर्दोष नागरिकों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही, चुनावों में धांधली, लोकप्रिय निर्वाचित नेताओं को जेल में डालने, धार्मिक कट्टरपंथ और सरकारी नीति के तौर पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उपदेश देने से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा। प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की छठी समिति में एजेंडा आइटम 75 पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया।

भारत-अफ्रीका संबंध: 220 से अधिक विकास परियोजनाओं को समर्थन, सहयोग और आत्मनिर्भरता पर जोर

अल्जीरिया, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच ऐतिहासिक साझेदारी को साझा एकजुटता, समान अवसरों और आत्मनिर्भरता की भावना पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका दोनों की विकास संबंधी प्राथमिकताएं औद्योगीकरण, आर्थिक प्रगति और अपने भविष्य को स्वयं निर्धारित करने की आकांक्षा से जुड़ी हैं।

शुक्रवार को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा स्थित अडवा मेमोरियल म्यूजियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों को औद्योगीकरण के अवसर मिलने चाहिए और सस्ते सामान की अत्यधिक आमद या बाजार तक पहुंच सीमित करने जैसे कदम उनकी विकास यात्रा में बाधा नहीं बनने चाहिए।

जयशंकर ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच बढ़ते व्यापार एवं निवेश संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। इनमें विनिर्माण, दूरसंचार, दवा उद्योग, ऊर्जा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तीय सेवाएं और सूचना प्रौद्योगिकी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता को लेकर भारत और अफ्रीका की साझा सोच इस दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूत नींव

है। दोनों पक्षों के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ अपनी क्षमताओं को मजबूत करना और विकास की दिशा स्वयं तय करना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री ने बताया कि अफ्रीकी देशों के साथ भारत की विकास साझेदारी संबंधित देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जाती है। जयशंकर के अनुसार, भारत ने बिजली उत्पादन, विद्युत पारेषण, जल प्रबंधन, कृषि, रेलवे, स्वास्थ्य सेवाओं, विनिर्माण और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 220 से अधिक परियोजनाओं का समर्थन किया है।

इन पहलों का उद्देश्य अफ्रीकी देशों की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने और स्थानीय क्षमताओं को मजबूत बनाने में सहयोग देना है। भारत की विकास साझेदारी में परियोजनाओं के साथ कौशल विकास और मानव संसाधन निर्माण को भी अहम स्थान दिया गया है। जयशंकर ने भारत की क्षमता निर्माण पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में 70,000 से अधिक अफ्रीकी छात्रों और पेशेवरों को भारत की ओर से सहायता मिली है।

शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास से जुड़े ये प्रयास भारत-अफ्रीका संबंधों को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे दोनों पक्षों के बीच ज्ञान, अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता साझा करने के अवसर भी बढ़ते हैं।

भारत और अफ्रीका के बीच भविष्य के सहयोग में तकनीक की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्री ने डिजिटल गवर्नेंस और इंडिया स्टैक से जुड़ी पहलों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल शासन व्यवस्था में बदलावकारी क्षमता है और अफ्रीकी देशों के साथ इंडिया स्टैक पर सहयोग के अवसर बढ़ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, अंतरिक्ष तकनीक, ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्ध) को उन्होंने सहयोग के नए क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया।

रूस युद्ध को मिलेगा फायदा: मॉस्को से डीजल खरीदने की डील पर घिरे ट्रंप; अमेरिकी सीनेटर बोले- यह शर्मनाक

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से डीजल खरीदने के समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक और अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इस फैसले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इससे यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल सकती है।

ब्लूमेंथल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ट्रंप से रूस के साथ हुए समझौते को तुरंत रद्द करने की मांग की। उन्होंने उन अमेरिकी तेल कंपनियों को भी चेतावनी दी, जो रूस के साथ इस समझौते के तहत कारोबार करने पर विचार कर रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की और रूस से डीजल की आपूर्ति को लेकर समझौते की घोषणा की। इसका उद्देश्य बढ़ती ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में डीजल की उपलब्धता बढ़ाना बताया गया। हालांकि, इस फैसले पर ब्लूमेंथल ने सवाल

उठाए। उनका कहना है कि रूस पर प्रतिबंधों में ढील देने से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिका की नीति कमजोर पड़ सकती है।

रिचर्ड ब्लूमेंथल ने दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के साथ मिलकर रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित कानून तैयार किया था। इस कानून को अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में भारी बहुमत से मंजूरी मिली थी। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया गया था। ब्लूमेंथल ने ट्रंप के नए फैसले को इसी कानून की भावना के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि रूस के साथ समझौता अमेरिका की राष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा सकता है और यूक्रेन में जारी संघर्ष के बीच गलत संदेश दे सकता है। इस विवाद के बीच ब्लूमेंथल का पहले दिया गया बयान भी चर्चा में है। 16 सितंबर को अमेरिकी कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंधों से संबंधित कानून पारित होने के बाद उन्होंने भारत और चीन को रूस से तेल एवं गैस खरीदने के मुद्दे पर चेतावनी दी थी। उन्होंने दोनों देशों से रूस के बजाय दूसरे स्रोतों से तेल और गैस खरीदने को कहा था।

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आठ युद्ध सुलझाए हैं, इसलिए उन्हें हर युद्ध के लिए एक यानी कुल आठ नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे। शुक्रवार को सिरैक्यूज में एक रैली के दौरान ट्रंप ने पुरस्कार नहीं देने के फैसले पर नॉर्वे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह पुरस्कार नहीं मिलना देश के लिए एक ऐसा दाग है, जिसे मिटाया नहीं जा सकेगा। ट्रंप ने कहा कि कुछ

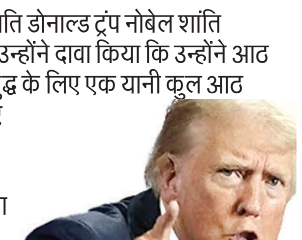

कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों ने नोबेल शांति पुरस्कार की साख हमेशा के लिए खत्म कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह नहीं भूलेगा कि नॉर्वे ने उसे यह पुरस्कार नहीं दिया। ट्रंप ने अपने रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा कि आठ युद्ध सुलझाने के लिए उन्हें आठ नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियारों से लैस भारत और पाकिस्तान को युद्ध में उलझने से रोका और इससे पांच करोड़ लोगों की जान बचाई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका, जिससे पूरा मध्य पूर्व तबाह होने से बच गया। ट्रंप के मुताबिक, इसका असर यूरोप और संभवत: अमेरिका तक पड़ सकता था। ये सभी दावे ट्रंप ने अपने संबोधन में किए। इस साल नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की पूर्व संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख नवी पिल्लई को दिया गया है। ट्रंप ने पुरस्कार विजेता पर तंज कसते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र में काम करने वाली एक उदारवादी विचारों की व्यक्ति को यह पुरस्कार मिला है।

मस्क नियम-जवाब से बौखलाए: भारत में स्टारलिंक इंटरनेट पर बहस के बीच अंबानी पर एक और बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक की व्यावसायिक शुरुआत में हो रही देरी को लेकर सवाल उठाए हैं। मस्क ने उद्योगपति मुकेश अंबानी पर तंज कसा और पूछा कि क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं उन्होंने ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'प्रिय प्रधानमंत्री अंबानी, मुझे यह समझने में देर हो गई कि भारत के असली बॉस आप हैं। इसके लिए कृपया मेरी यह छोटी-सी माफी स्वीकार करें। स्वाभाविक रूप से, आप भारत के महान लोगों का एकाधिकार के जरिए शोषण जारी रखना चाहेंगे। लेकिन क्या आप फिर भी स्टारलिंक को प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने पर विचार करेंगे'

मस्क ने आगे लिखा, भारत के कई ऐसे इलाके हैं, जैसे दुनिया के दूसरे देशों में भी हैं, जहां इंटरनेट की सुविधा नहीं है। इसकी वजह से बच्चे शिक्षा के अवसरों से वंचित रह जाते

हैं। छोटे कारोबारियों को भी अपना सामान वैश्विक बाजार में बेचने का मौका नहीं मिल पाता। स्टारलिंक उनकी जिंदगी को बेहतर बना सकता है। धन्यवाद। मस्क ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जब पारंपरिक संचार प्रणालियां काम करना बंद कर देती हैं, तब स्टारलिंक जैसी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं अहम साबित हुई हैं। उन्होंने तर्क दिया कि भारत में भी ऐसी सेवा लोगों की जान बचाने और आपातकालीन संचार बहाल करने में मदद कर सकती है।

मस्क की ओर से लगाए गए आरोपों पर इससे पहले केंद्र सरकार ने जवाब दिया कि भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाओं के लिए बनाए गए नियम सभी कंपनियों के लिए समान है।

मस्क ने कहा था कि भारत के कुछ बड़े कारोबारी नहीं चाहते कि स्टारलिंक देश में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करें, ताकि उनका दबदबा बना रहे। इस पर सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवा शुरू करने की इच्छुक कंपनियों के लिए सुरक्षा जांच की प्रक्रिया तय नियमों के मुताबिक चल रही है। फिलहाल स्टारलिंक समेत तीन कंपनियां इसी चरण में हैं। केंद्र के जवाब पर फिर पलटवार करते हुए मस्क ने लिखा, स्टारलिंक को 165 से अधिक देशों में लाइसेंस मिल चुका है और कंपनी भारत में सरकार की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करीब पांच साल से काम कर रही है।

रहाणे ने की 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

बोले- ऑलराउंडर्स के विकास में बन रहा बाधा

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए

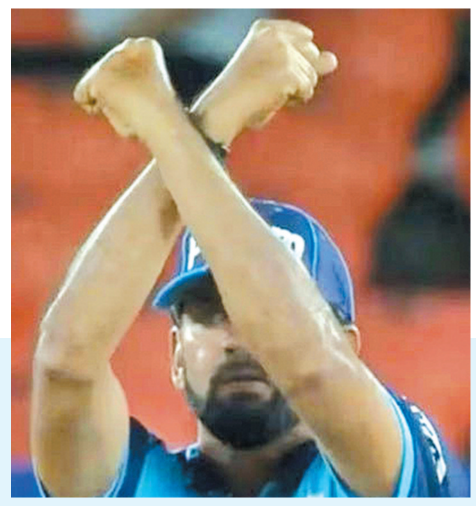

हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।' रहाणे ने आगे कहा, 'यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती हैं। '

भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं, खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ??है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमें शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए। '

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में होने वाले ऐतिहासिक बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू

पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेड्स की भिड़ंत

मेलबर्न । मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच

के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं।
क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भारत दौरे से बाहर

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 25 साल के ओ'रूर्के बाईं हैमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ'रूर्के को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को

ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दौरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए।'
उन्होंने कहा, 'अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी का बेहतर तरीका अपना रहे हैं। हम चाहते हैं कि वह दोबारा मैदान पर उतरने से पहले पूरी तरह फिट हो जाएं।

होप का तूफान

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में भारत को 6 विकेट से हराया

रांची। वेस्टइंडीज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत को 6 विकेट से हराया। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 250 रनों के विशाल लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कामिल पूरन सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हेटमायर को मयंक यादव ने पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड किया। रोवमैन पॉवेल ने 13 गेंदों में 24 रन बनाए और वह मयंक यादव का तीसरा शिकार बने। 58 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाने के बाद वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती हुई पारी को कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। रदरफोर्ड और होप ने मिलकर 54 गेंदों में 120 रनों की साझेदारी निभाई। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों में 7 चौके और सात गगनचुंबी छक्कों की मदद से 84 रनों की आतिशी पारी खेली। रदरफोर्ड के आउट होने के बाद भी कप्तान होप एक छोर पर डटे रहे और उन्हें रोमारियो शेफर्ड के रूप में एक और अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 26 गेंदों में 74 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। होप ने शतकीय पारी खेली। वेस्टइंडीज के कप्तान 45 गेंदों में 102 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शेफर्ड 13 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से गेंदबाजी में मयंक यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 249 रन लगाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 82 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि, अभिषेक शर्मा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और वह 12 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 22 गेंदों में 43 रनों का योगदान दिया। शिवम दुबे 7 रन बनाकर आउट हुए।

अंत के ओवरों में श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 32 गेंदों में 83 रन जोड़े। अय्यर ने 18 गेंदों में 40 रन बनाए, तो तिलक 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 44 रन बनाकर नाबाद रहे।

'किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते, गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला जरूरी'

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम को शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में 249 रन बनाने के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने बल्ले और गेंद के बीच ज्यादा कड़े मुकाबले की बात कही। इसके साथ ही गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की तारीफ की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में

गौतम गंभीर ने कहा, 'आप किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते। अगर आप सुधार करते रहना चाहते हैं, तो आप किसी भी बात को छिपाना नहीं चाहते। हम एक वर्ल्ड चैंपियन टीम हैं, इसलिए हम सुधार करते रहना चाहते हैं। ये साफ तौर पर गेंदबाजी के लिए मुश्किल हालात हैं। हम जानते हैं कि ओस वाली सपाट विकेटें होती हैं। यह मुश्किल है। हमें इसका हल निकालना होगा।' गंभीर ने कहा, 'वेस्टइंडीज को जीत का श्रेय जाता है। वेस्टइंडीज ने पहले ओवर में दो विकेट और फिर पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद शाई होप और शेरफेन ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों वर्ल्ड-क्लास बल्लेबाज हैं। यह हमारे लिए मुश्किल था, लेकिन हम सुधार करते रहेंगे।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में श्रेयस अय्यर की जगह

शिवम को भेजना भारतीय टीम को महंगा पड़ा

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टी20 शुक्रवार को रांची में खेला गया। हाई-स्कोरिंग रहे इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को चौंकाते हुए 6 विकेट से जीत हासिल की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की यह सबसे बड़ी जीत थी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के 82, ईशान किशन के 43, श्रेयस अय्यर के 40 और तिलक वर्मा के नाबाद 44 रन की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 249 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज ने अपने कप्तान और सलामी बल्लेबाज शाई

होप के 45 गेंदों पर 9 छक्कों और 6 चौकों की मदद से बनाए विस्फोटक 102 रन और शरफेन रदरफोर्ड के 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 7 चौकों की मदद से बनाए 84 रनों की बदौलत 18.3 ओवर में 4 विकेट पर 252 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज का टी20 में यह सबसे बड़ा रन-चेज था।
वेस्टइंडीज ने बेशक यह मैच जीत लिया और इसका पूरा श्रेय उसे दिया जाना चाहिए, लेकिन भारतीय टीम मैनेजमेंट ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान रणनीतिक चूक न की होती, तो शायद परिणाम पक्ष में

गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

दूसरे टी20 में टीम इंडिया की हार को लेकर बोले वरुण एरोन

नई दिल्ली । रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और

शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया। यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी। शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे।

पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में हिस्सा

बांग्लादेश को मिली जगह

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा

न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों - जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम - में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमें मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं।

मैं हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता था

लेकिन समय और हालात सही नहीं रहेः एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली । तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर (4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। 'क्रिकइन्फो' के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, 'मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थीं। ' टेस्ट

क्रिकेट में वापसी की अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है।